7 अक्टूबर 2025
मंगलवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण



ट्रिपल मर्डर जांच के बीच शिक्षा की नई शुरूआत, सैंकुआ मध्य विद्यालय अब सामुदायिक भवन में हुआ संचालित

2

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान सीजेआई पर जूता फेंकने की कोशिश



पीएम ने कहा-ऐसे कृत्यों के लिए कोई जगह नहीं

पीएम मोदी ने मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति बीआर गवई जी से बात की। सुप्रीम कोर्ट परिसर में उन पर हुए हमले ने हर भारतीय को क्षुब्ध कर दिया है। हमारे समाज में ऐसे निंदनीय कृत्यों के लिए कोई जगह नहीं है। यह अत्यंत निंदनीय है। ऐसी स्थिति में न्यायमूर्ति गवई द्वारा प्रदर्शित धैर्य की मैं सराहना करता हूं। यह न्याय के मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और हमारे संविधान की भावना को मजबूत करने की उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

प्रैक्टिस करने पर तत्काल प्रभाव से रोक

बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने वकील राकेश किशोर के अदालतों में प्रैक्टिस करने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। राकेश किशोर ने सोमवार को कथित तौर भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति बीआर गवई पर जूता उछालने की कोशिश की थी। यह घटना उस समय हुई, जब सीजेआई गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ किसी मामले में सुनवाई कर रही थी।

एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में वकील ने मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई पर जूता फेंकने की कोशिश की, सुरक्षा कर्मियों ने समय रहते रोका। वकील ने सनातन का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान का नारा लगाया। सीजेआई ने शांति बनाए रखी और कार्यवाही जारी रखने को कहा। सोमवार को सुबह लगभग 11 बजे सुप्रीम कोर्ट में एक अप्रत्याशित घटना घटी। एक वकील ने भारत के मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई पर हमला करने की कोशिश की। बहस के दौरान वह मंच के पास पहुंचा और जूता निकालकर फेंकने का प्रयास किया। सुरक्षा कर्मियों ने समय रहते हस्तक्षेप कर वकील को रोक लिया और उसे कोर्ट से बाहर निकाल दिया। बाहर जाते समय वकील ने जोर से नारा लगाया और जोर-जोर से कहने लगा कि सनातन का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान ब्रश् गवई ने शांति बनाए रखी और कोर्ट में उपस्थित अन्य वकीलों से कहा कि हम इससे विचलित नहीं होते, आप लोग अपनी दलीलें जारी रखें। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसी घटनाएं उन्हें प्रभावित नहीं करतीं और न्यायिक कार्यवाही निर्बाध रूप से जारी रहनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट में कथित तौर पर सीजेआई बीआर गवई पर जूता उछालने को लेकर बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने वकील राकेश किशोर के खिलाफ कार्रवाई की है। उनके अदालत में कामकाज करने पर रोक लगा दी गई है। बीसीआई अध्यक्ष ने कहा कि उन्हें कारण बताओ नोटिस भी जारी किया जाएगा। बीसीआई के अध्यक्ष और वरिष्ठ वकील मनन कुमार मिश्रा ने एक अंतरिम निलंबन आदेश जारी किया, जिसमें कहा गया कि वकील का यह व्यवहार श्न्यायालय की गरिमा के अनुकूल नहींश है और यह अधिवक्ता अधिनियम, 1961 के तहत पेशेवर आचार संहिता का उल्लंघन है।

मानसून की जोरदार वापसी! कल से फिर होगी भारी बारिश

एजेंसी। नई दिल्ली

इस साल का मानसून सीजन शानदार रहा है। मानसून की एंट्री के बाद से ही कई राज्यों में बेहतरीन बारिश देखने को मिली। हालांकि कुछ समय के लिए बारिश का सिलसिला धीमा पड़ा था, लेकिन अब एक बार फिर मौसम का मिजाज बदल गया है और कई राज्यों में तेज बारिश का दौर शुरू हो गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने 7 से 10 अक्टूबर तक कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। राजस्थान में मानसून की विदाई में देरी के कारण तेज बारिश का दौर फिर से शुरू हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार, 7, 8, 9 और 10 अक्टूबर को कई जिलों में भारी बारिश के साथ आंधी, तेज हवाएं, ओले और बिजली गिरने की संभावना है। देश की राजधानी दिल्ली में भी बारिश का दौर फिर से शुरू हो गया है। प्डक के अनुसार, 7 से 10 अक्टूबर के बीच दिल्ली में हल्की से तेज बारिश के साथ आंधी और तेज हवाओं का अलर्ट है। मानसून की विदाई में देरी का असर उत्तर भारत और दक्षिण भारत के कई हिस्सों में दिखाई दे रहा है। 7 से 10 अक्टूबर के बीच उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, मध्य प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, सिक्किम, छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र, गोवा, कोंकण, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, असम, नागालैंड, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश, रायलसीमा, यनम और तेलंगाना में कई जगह तेज बारिश, आंधी, बिजली और तेज हवाओं का खतरा है।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025

बिहार चुनाव के साथ देश के 7 राज्यों के 8 विधानसभा सीटों पर होंगे उपचुनाव



7.43 करोड़ वोटर करेंगे मतदान

243 विधानसभा सीटों के लिए दो चरण में- 6 नवंबर और 11 नवंबर को मतदान होगा। 14 नवंबर को नतीजे आएंगे। पहले चरण में 6 नवंबर को 121 सीटों पर वोटिंग होगी। वहीं दूसरे चरण में 11 नवंबर को 122 सीटों पर वोटिंग होगी। इस बार राज्य में कुल 7.43 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इनमें लगभग 14 लाख नए मतदाता शामिल हैं, जो पहली बार वोट डालेंगे।

इन आठ सीटों पर होगा उपचुनाव

बता दें कि जिन सीटों पर उपचुनाव होना है, उसमें जम्मू-कश्मीर की बडगाम और नगरोटा पर वोटिंग होगी। इसके अलावा राजस्थान की अंता सीट, झारखंड की घाटशिला सीट, तेलंगाना की जुबली हिल्स सीट, पंजाब की तरनतारन सीट, मिजोरम की डम्पा सीट और ओडिशा की नुआपाड़ी सीट पर उपचुनाव होना है। इन सभी सीटों पर एक साथ 11 नवंबर को उपचुनाव के लिए वोटिंग की जाएगी। इसके अलावा बिहार चुनाव के नतीजों के साथ ही 14 नवंबर को इन सभी आठ सीटों के उपचुनाव के नतीजे भी घोषित कर दिए जाएंगे। झारखंड की घाटशिला सीट पर भी उपचुनाव होने हैं। यह सीट तत्कालीन विधायक रामदास सोरेने के निधन से खाली हुई थी। पंजाब की तरनतारन सीट भी कश्मीर सिंह सोहल के निधन के कारण खाली हुई। इसके अलावा तेलंगाना की जुबली हिल्स, मिजोरम की डंपा सीट और ओडिशा की नुआपाड़ा की सीट भी मौजूदा विधायक के निधन से खाली हुई है। ओडिशा की नुआपाड़ा सीट राजेंद्र ढोलकिया के निधन से खाली हुई है।

एजेंसी। नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले और दूसरे चरण की नामांकन, स्क्रूटनी और नाम वापसी की तारीखों का एलान हुआ है। साथ ही 7 राज्यों की 8 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की भी घोषणा की गई है। बिहार में पहली बार दो चरणों में विधानसभा के चुनाव कराए जाएंगे। बिहार में पहले चरण की वोटिंग 6 नवंबर और दूसरे चरण की वोटिंग 11 नवंबर को कराई जाएगी जबकि 14 नवंबर को मतगणना का तारीख निर्धारित की गई है। बिहार चुनाव के साथ ही 7 राज्यों की 8 विधानसभा सीटों पर भी उपचुनाव कराए जाएंगे। दरअसल, भारत निर्वाचन आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के शेड्यूल को लेकर विस्तृत जानकारी साझा की है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि पहले चरण के चुनाव का गजट नोटिफिकेशन 10 अक्टूबर 2025 को जारी होगा, जबकि दूसरे चरण का नोटिफिकेशन 13 अक्टूबर को जारी किया जाएगा। पहले चरण के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर तय की गई है, जबकि दूसरे चरण के लिए 30 अक्टूबर अंतिम तारीख होगी। नामांकन पत्रों की जांच पहले चरण के लिए 18 अक्टूबर और दूसरे चरण के लिए 31 अक्टूबर को होगी। वहीं, नामांकन वापसी की तिथि पहले चरण के लिए 20 अक्टूबर और दूसरे चरण के लिए 2 नवंबर निर्धारित की गई है। इसी के साथ चुनाव आयोग ने देश के 7 राज्यों की 8 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का भी ऐलान किया है। इन उपचुनावों के तहत 11 नवंबर 2025 को मतदान होगा और 14 नवंबर को नतीजे घोषित किए जाएंगे। इन 8 सीटों में राजस्थान के अंटा, जम्मू-कश्मीर के बडगाम और नागरोटा, पंजाब के तरनतारन, झारखंड की घाटशिला, तेलंगाना की जुबली हिल्स, मिजोरम की डांपा और ओडिशा की नुआपाड़ा सीट शामिल हैं।



रेलवे का तोहफा, पटना से दिल्ली के बीच चलेगी वंदे भारत ट्रेन

एजेंसी। नई दिल्ली

दिवाली और छठ के त्योहारों के दौरान ट्रेनों में बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेलवे ने एक बड़ा कदम उठाया है। रेलवे ने घोषणा की है कि नई दिल्ली से पटना के बीच वंदे भारत स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। यह विशेष सेवा 11 अक्टूबर से शुरू होकर 16 नवंबर तक जारी रहेगी। इस अवधि में ट्रेन दोनों दिशाओं में कुल 32 फेरे लगाएगी। उत्तर रेलवे ने सोमवार को इस संबंध में आधिकारिक जानकारी जारी की है। जानकारी के अनुसार, गाड़ी संख्या 02252 नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से प्रत्येक सोमवार, बुधवार और शनिवार को (11 अक्टूबर से 15 नवंबर तक) सुबह 8: 35 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन रात 9: 30 बजे पटना जंक्शन पहुंचेगी। जबकि वापसी में, गाड़ी संख्या 02251 पटना जंक्शन से प्रत्येक मंगलवार, गुरुवार और रविवार को (12 अक्टूबर से 16 नवंबर तक) सुबह 10: 00 बजे रवाना होकर रात 11: 30 बजे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। जानकारी के मुताबिक, नई दिल्ली से पटना के बीच चलने वाली वंदे भारत स्पेशल ट्रेन का चेयर कार का किराया करीब 2500 रुपए और एग्जीक्यूटिव चेयर कार का किराया करीब 4600 रुपए होगा। अभी ये किराये अभी अनुमानित हैं। टिकट बुकिंग शुरू होने पर सही किराया सामने आएगा। दोनों दिशाओं में यह विशेष ट्रेन अलीगढ़ जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जंक्शन, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर और आरा स्टेशनों पर ठहरेगी। रेलवे के अनुसार, इस विशेष वंदे भारत एक्सप्रेस के लिए टिकट बुकिंग जल्द ही शुरू की जाएगी। इस विशेष वंदे भारत ट्रेन में कुल 16 कोच होंगे, जिससे हजारों यात्रियों को पटना जंक्शन तक यात्रा करने के लिए अतिरिक्त सीटें मिल सकेंगी। उत्तर रेलवे के मुताबिक, दिवाली और छठ के चलते यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए लगातार विशेष ट्रेनों की घोषणा की जा रही है।

सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हुई याचिका



एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट सोमवार को लद्दाख के पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के खिलाफ दायर एक याचिका पर सुनवाई करने जा रहा है। यह याचिका उनकी पत्नी गीतांजलि आंग्मो ने 2 अक्टूबर को दाखिल की थी। इसमें कहा गया है कि वांगचुक की गिरफ्तारी राजनीतिक कारणों से की गई है। इससे उनके मूलभूत अधिकारों का उल्लंघन हुआ है। याचिका में उनकी तुरंत रिहाई की मांग की गई है। सोनम वांगचुक को 24 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उन्हें राजस्थान के जोधपुर जेल में रखा गया है। उनकी गिरफ्तारी लद्दाख के लेह में हुई हिंसक घटनाओं के बाद हुई थी। इस मामले की सुनवाई जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एन.वी. अंजरिया की पीठ करेगी। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के खिलाफ दायर याचिका पर सोमवार को सुनवाई करने जा रहा है।



निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए विशेष रणनीति तैयार

निष्पक्ष चुनाव की गारंटी देंगे केंद्रीय बलों के जवान

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बिहार में निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए विशेष रणनीति तैयार की है। विधानसभा चुनाव में कोई भी आपराधिक या असामाजिक तत्व, किसी तरह की बाधा न पहुंचा सकें, इसके सीएपीएफ की 500 कंपनियों को तैनात किया गया है। इस बार के विधानसभा चुनाव में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की फिलहाल 500 कंपनियों को तैनात किया गया है। केंद्रीय बलों की



अधिकांश कंपनियां, रविवार को बिहार में पहुंच चुकी हैं। अब इन्हें लोकल पुलिस प्रशासन के साथ विभिन्न क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा। निष्पक्ष चुनाव की गारंटी देने के लिए केंद्रीय बलों के जो 50,000 जवान बिहार पहुंचे हैं, उनमें सीआरपीएफ की वे 71 कंपनियां भी शामिल हैं, जिन्हें विशेष तौर पर जम्मू-कश्मीर से बुलाया गया है। चुनावी ड्यूटी पर मोर्चा संभालने वाले केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में बीएसएफ, सीआईएसएफ, एसएसबी और आईटीबीपी भी शामिल हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, बिहार में शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव को संपन्न कराने के लिए सीआरपीएफ की 118 कंपनियों को तैनात किया गया है। इनमें से 71 कंपनियां, जम्मू-कश्मीर से बुलाई गई हैं। चुनाव में किसी तरह की कोई हिंसा न हो, इसके लिए केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। विधानसभा चुनाव के संवेदनशील बूथों पर कोई अप्रिय घटना न हो और बिना किसी भय के लोग चुनाव प्रक्रिया में भाग ले सकें, इसके लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अर्धसैनिक बलों को भारी संख्या में बिहार के लिए रवाना किया है।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की घोषणा रू बक्सर जिले में आदर्श आचार संहिता लागू

- जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने दी जानकारी, सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा सोमवार को बिहार विधान सभा आम निर्वाचन 2025 की औपचारिक घोषणा कर दी गई। आयोग द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी करते ही पूरे राज्य में आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गई है। इसके साथ ही बक्सर जिले में भी यह संहिता लागू हो गई है। जिला प्रशासन ने इसके सख्त अनुपालन के लिए सभी अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं।



आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद सोमवार को समाहरणालय परिसर स्थित सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी बक्सर, डॉ. विद्यानंद सिंह एवं पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने संयुक्त रूप से प्रेस वार्ता की। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने चुनाव से जुड़ी तैयारियों, कार्यक्रमों और दिशा-निदेशों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेशों के तहत जिला प्रशासन निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और पारदर्शी चुनाव कराने को प्रतिबद्ध है। किसी भी प्रकार की आचार संहिता उल्लंघन की शिकायत पर त्वरित विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

बक्सर जिले के चार विधानसभा क्षेत्रों के लिए चुनाव कार्यक्रम तय

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार बक्सर जिले की चारों विधानसभा सीटों ब्रह्मपुर (199), बक्सर (200), डुमरांव (201) और राजपुर (अ.जा.) (202) के लिए चुनाव की प्रक्रिया निर्धारित की गई है। इसके तहत अधिसूचना जारी होने की तिथि 10 अक्टूबर 2025 (शुक्रवार), नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर 2025 (शुक्रवार), नामांकन पत्रों की जांच की तिथि 18 अक्टूबर 2025 (शनिवार), नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर 2025 (सोमवार), मतदान की तिथि 6 नवम्बर 2025 (गुरुवार), मतगणना की तिथि 14 नवम्बर 2025 (शुक्रवार), निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण होने की अंतिम तिथि 16 नवम्बर 2025 (रविवार) निर्धारित की गई है।

सेक्टर पदाधिकारियों और प्रेषण केंद्रों की संख्या तय

जिला प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिले में कुल 158 सेक्टर पदाधिकारी तैनात रहेंगे। इनमें ब्रह्मपुर में 44, बक्सर में 34, डुमरांव में 40 और राजपुर (अ.जा.) में 40 सेक्टर पदाधिकारी होंगे। वहीं, मतदान दलों के प्रेषण (डिस्पैच) के लिए चार केंद्र निर्धारित किए गए हैं, जिनमें प्लस टू उच्च विद्यालय ब्रह्मपुर, बक्सर मध्य विद्यालय चुरामनपुर एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय चुरामनपुर, डुमरांव प्लस टू राज उच्च विद्यालय, डुमरांव तथा राजपुर (अ.जा.), मध्य विद्यालय राजपुर एवं प्रखंड कार्यालय राजपुर शामिल है।

ईवीएम मशीनें बाजार समिति बक्सर में रखी जाएंगी

चुनाव सम्पन्न होने के बाद जिले के सभी चारों विधानसभा क्षेत्रों की मतदान मशीनें (मतदान यंत्र) बाजार समिति, बक्सर में सुरक्षित रूप से संग्रहित की जाएंगी। निर्वाचन आयोग के मानकों के अनुसार सभी आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी।

निवार्ची पदाधिकारियों की सूची जारी

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के तहत बक्सर जिला प्रशासन ने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के निवार्ची पदाधिकारी (रिटर्निंग ऑफिसर) की भी नियुक्ति कर दी है, इसके तहत 199 ब्रह्मपुर विधानसभा क्षेत्र में टेल लाल सिंह, भूमि सुधार उप समाहर्ता, डुमरांव, 200 बक्सर में अविनाश कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी, बक्सर, 201 डुमरांव में राकेश कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी, डुमरांव तथा 202 राजपुर (अ.जा.) में शशि भूषण, भूमि सुधार उप समाहर्ता, बक्सर को रिटर्निंग ऑफिसर बनाया गया है।

निर्वाचन कार्य में पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता

जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने कहा कि निष्पक्ष एवं भयमुक्त मतदान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी अधिकारियों, राजनीतिक दलों और मतदाताओं से आचार संहिता के नियमों का पालन करने की अपील की।

अकबरपुर पंचायत के अहियापुर गांव में बच्चों ने उत्साह के साथ शुरू की पढ़ाई, लंबे विवाद के बाद शिफ्ट हुआ स्कूल

ट्रिपल मर्डर जांच के बीच शिक्षा की नई शुरूआत, सैंकुआ मध्य विद्यालय अब सामुदायिक भवन में हुआ संचालित

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर प्रखंड के अकबरपुर पंचायत के सैंकुआ मध्य विद्यालय की पढ़ाई सोमवार से अहियापुर गांव के सामुदायिक भवन में शुरू कर दी गई। नई जगह पर शिक्षा की शुरूआत का माहौल पूरी तरह उत्साहपूर्ण रहा। विद्यालय के उद्घाटन का कार्य प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ज्ञानू प्रताप सिंह ने किया। बच्चों ने गुब्बारे और रंगीन सजावट से भवन को उत्सव स्थल का रूप दे दिया था।

बीईओ ज्ञानू प्रताप सिंह ने बताया कि इस विद्यालय में बच्चों के अनुपात में शिक्षक पर्याप्त हैं, लेकिन पुराना भवन केवल दो कमरों का होने के कारण पढ़ाई में काफी कठिनाई होती थी। अब सामुदायिक



भवन में स्थानांतरित होने से बच्चों को विषयवार कक्षाओं में पढ़ाई करने के साथ खेलने का मैदान भी उपलब्ध हो गया है, जिससे उनका मानसिक और शारीरिक विकास समान रूप से होगा। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि सभी अभिभावक अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजें और शिक्षा को प्राथमिकता दें।

ज्ञात हो कि सैंकुआ मध्य विद्यालय में कक्षा एक से आठ तक की पढ़ाई होती है, जिसमें 168 बच्चे नामांकित हैं। विद्यालय में छह शिक्षक, एक स्वास्थ्य अनुदेशक और एक टोला सेवक कार्यरत हैं। विभागीय मानक के अनुसार विद्यालय संचालन के लिए आठ वर्ग-कक्ष, एक कार्यालय, स्मार्ट क्लास/लैब, रसोई घर और छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालय आवश्यक हैं, जबकि पुराने भवन में केवल दो कमरे और एक शौचालय ही उपलब्ध थे।

उल्लेखनीय है कि यह मामला उस समय चर्चा में आया जब 24 मई को हुए चर्चित ट्रिपल हत्याकांड के बाद प्रशासनिक जांच के दौरान विद्यालय की स्थिति पर भी सवाल उठे। अपर समाहर्ता की अध्यक्षता में गठित त्रिस्तरीय जांच टीम ने रिपोर्ट में स्पष्ट किया था कि विद्यालय के पठन-पाठन हेतु पर्याप्त जगह नहीं है। इसके बाद अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा 18 सितंबर को पत्र जारी कर विद्यालय को सामुदायिक भवन में शिफ्ट करने की अनुशंसा की गई थी।

अब जब विद्यालय सामुदायिक भवन में स्थानांतरित होकर संचालन शुरू कर चुका है, तो ग्रामीणों के बीच यह नया कदम चर्चा का विषय बना हुआ है। कुछ लोग इसे शिक्षा व्यवस्था की मजबूती मान रहे हैं, तो कुछ यह जानना चाह रहे हैं कि पंचायत के अन्य खाली भवनों का भविष्य क्या होगा। लेकिन फिलहाल, बच्चों की खिलखिलाहट और शिक्षकों के जोश ने अहियापुर गांव के सामुदायिक भवन को शिक्षा का नया केंद्र बना दिया है।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

31 मार्च तक भरे होल्डिंग टैक्स , ब्याज और जुर्माने से मिलेगी सौ प्रतिशत छूट : विकास ठाकुर

केटी न्यूज/डुमरांव

बिहार सरकार के नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के तहत बिहार नगरपालिका सम्पत्ति कर प्रोत्साहन योजना 2025 लागू कर दी गई है। इस योजना के अंतर्गत नगर परिषद क्षेत्र के सभी आवासीय, व्यावसायिक, औद्योगिक और संस्थागत संपत्ति धारक अब अपने बकाया होल्डिंग टैक्स का भुगतान 31 मार्च 2026 तक करते हैं, तो उन्हें ब्याज और जुमार्ने से 100 प्रतिशत छूट मिलेगी।

नगर परिषद डुमरांव के कार्यकारी सभापति विकास ठाकुर ने नगरवासियों से अपील करते हुए कहा कि यह सुनहरा मौका बिहार सरकार ने जनता को राहत देने के लिए दिया है। उन्होंने बताया कि जो लोग वर्षों से अपना होल्डिंग टैक्स नहीं जमा कर पाए हैं, वे इस योजना का लाभ उठाकर बकाया टैक्स चुकाएं और ब्याज एवं जुमार्ने से पूरी तरह मुक्त हों।

ठाकुर ने यह भी स्पष्ट किया कि समय रहते भुगतान करने वाले ही इस छूट के हकदार होंगे। योजना का उद्देश्य नगर परिषद क्षेत्र में राजस्व संग्रह बढ़ाना और विकास कार्यों के लिए आवश्यक संसाधन जुटाना है।

उन्होंने नागरिकों को यह भी सूचित किया कि यदि किसी का मामला अदालत या अन्य फोरम में लंबित है, तो वे अपने मुकदमे को वापस लेकर योजना का लाभ ले सकते हैं। इसके अलावा, जिन्होंने अब तक स्व-निर्धारित होल्डिंग नंबर नहीं लिया है, वे भी नगर परिषद कार्यालय से संपर्क कर योजना में शामिल हो सकते हैं। नगर परिषद ने सभी करदाताओं से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ अवश्य उठाएं और अपने बकाया करों का समय पर भुगतान कर ब्याज एवं जुमार्ने से पूरी तरह बचें।

शराब लदी कार ने ई रिक्शा में मारी टक्कर, चालक समेत आधा दर्जन जख्मी, भारी मात्रा में शराब के साथ दो गिरफ्तार

केटी न्यूज/डुमरांव

पुलिस से भागने के प्रयास में शराब लदी एक तेज रफ्तार कार ने सवारियों से भरी ई रिक्शा में



टक्कर मार दिया। इस घटना में ई रिक्शा चालक समेत करीब आधा दर्जन लोगों को गंभीर चोटे आई है। जख्मियों में ई रिक्शा चालक के साथ ही एक ही परिवार की एक महिला तथा उसके बच्चे शामिल हैं। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में शराब के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उनसे पूछताछ के आधार पर आगे की करवाई में जुट गई है। माना जा रहा है कि कोरान सराय पुलिस के हाथ एक बड़ा गिरोह लगा है। घटना सोमवार की सुबह कोरान सराय नारायणपुर मार्ग पर भोला डेरा के समीप की है। वहीं जख्मियों को पुलिस ने स्थानीय लोगों के सहयोग से इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल डुमरांव पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद सभी को रेफर कर दिया गया है। जख्मियों में चालक समेत कई की हालत गंभीर हैं। जख्मियों की पहचान ऑटो ई रिक्शा चालक नजीरगंज निवासी अखिलेश कुमार पिता धर्मदास सिंह के रूप में कोई है जबकि अन्य जख्मियों में मठीला के मो बसीर की पत्नी अलीमा खातून, पुत्री अहमदी रौनक (17 वर्ष), अजहरी रौनक (15 वर्ष), अशफिया रौनक (9 वर्ष) तथा अजातीया रौनक (5वर्ष) शामिल हैं। सभी की हालत चिंताजनक बनी हुई है। वहीं घटना के बाद से लोगों में गहरा आक्रोश है। लोग बेलगाम परिचालन तथा शराब तस्करी पर लगाम लगाने की मांग कर रहे है।

कोरान सराय थाना अध्यक्ष ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि तस्करों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है। थाना अध्यक्ष ने कहा कि सभी जख्मियों का इलाज करवाया जा रहा है।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
विशाल और सुसज्जित हॉल
आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
बड़ा पार्किंग एरिया
24x7 बिजली और पानी की सुविधा
साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर
मधुबन मैरेज हॉल
सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

चौसा पम्प हाउस की निरीक्षण सड़क बनी परेशानी का सबब, कीचड़ और गड्ढों से गुजरना हुआ दूभर

केटी न्यूज/चौसा

चौसा पम्प हाउस की मुख्य नहर के किनारे बनी पक्की सड़क आज बदहाली की मिसाल बन गई है। कभी अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए निरीक्षण मार्ग के रूप में बनाई गई यह सड़क अब गड्ढों और कीचड़ से भरी हुई है, जिससे ग्रामीणों के साथ-साथ सरकारी कर्मचारियों को भी भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, पम्प हाउस निर्माण के बाद नहर के साथ यह पक्की सड़क बनाई गई थी ताकि अधिकारी आसानी से नहर की देखरेख और मरम्मत कर सकें। साथ ही यह मार्ग कठघरवा समेत कई गांवों को मुख्य सड़क से जोड़ने का काम करता था। लेकिन जून माह में बिजली निर्माण कंपनी को पानी आपूर्ति के लिए एलएंडटी



कंपनी ने इस सड़क को खोदकर पाइपलाइन बिछाई। कार्य पूरा होने के बाद सड़क को मिट्टी डालकर जैसे-तैसे बंद तो कर दिया गया, परंतु उचित मरम्मत नहीं की गई।

बरसात शुरू होते ही मिट्टी की सतह दलदल में तब्दील हो गई। सड़क के गड्ढों में पानी भर गया और जगह-जगह कीचड़ फैल गया। स्थिति यह है कि अब दोपहिया वाहन तो दूर, पैदल चलना भी किसी चुनौती से कम नहीं रह गया है। चौसा विद्युत उपकेंद्र के कर्मचारी रोजाना इसी रास्ते से गुजरते हैं और कई बार जूते हाथ में लेकर तथा कपड़े ऊपर उठाकर किसी तरह उपकेंद्र तक पहुंचते हैं।

कठघरवा गांव के ग्रामीण मुन्ना, लांगा और संजय का कहना है कि कंपनी की ओर से यह आश्वासन दिया गया है कि बारिश खत्म होने के बाद सड़क को दोबारा बनाया जाएगा। लेकिन फिलहाल लोगों को इसी खराब रास्ते से होकर गुजरना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से जल्द इस मार्ग की मरम्मत कर आवागमन को सुचारू करने की मांग की है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि यदि जल्द सड़क की मरम्मत नहीं हुई, तो आने वाले दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। कीचड़ और गड्ढों से भरी यह सड़क अब दुर्घटनाओं को दावत दे रही है, और लोग इसकी दुर्दशा से तंग आ चुके हैं।



मतदान न केवल अधिकार है, बल्कि यह देश के प्रति कर्तव्य भी है : जिलाधिकारी

- मानव श्रृंखला के माध्यम से दीदियों ने दिया जागरूकता का संदेश
- जीविका दीदियों ने थामी लोकतंत्र की डोर, लिया मतदान का संकल्प

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर में सोमवार को आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के मद्देनजर मतदाता जागरूकता अभियान के तहत जीविका दीदियों द्वारा एक विशाल मानव श्रृंखला का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य अधिक से अधिक मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करना और लोकतंत्र के इस महापर्व में जनभागीदारी सुनिश्चित करना था।



इस मौके पर जिलाधिकारी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह, उप विकास आयुक्त आकाश कुमार चौधरी, जिला परिषद अध्यक्ष सरोजा देवी, स्वीप नोडल पदाधिकारी बक्सर तथा जिला परियोजना प्रबंधक (जीविका) सहित कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रीय गीत और मतदाता शपथ के साथ हुई। जिलाधिकारी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने स्वयं उपस्थित होकर सभी जीविका दीदियों को मतदान के प्रति सजग रहने की शपथ दिलाई। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि लोकतंत्र की मजबूती तभी संभव है जब हर नागरिक मतदान के अधिकार का प्रयोग करे। मतदान न केवल अधिकार है बल्कि यह देश के प्रति कर्तव्य भी है। उन्होंने जीविका दीदियों से अपील की कि वे अपने-अपने गांवों और टोले-मोहल्लों में जाकर मतदाता जागरूकता का संदेश फैलाएँ और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी मतदाता मतदान से वंचित न रहे। इसके लिए उन्हें चुनावी पाठशालाओं, ग्राम सभाओं एवं समूह बैठकों के माध्यम से लगातार संवाद करने का निर्देश दिया गया। जीविका दीदियों ने हाथों में बैनर और स्लोगन लेकर सड़कों पर मानव श्रृंखला बनाई और लोगों से मतदान में भागीदारी की अपील की। मानव श्रृंखला के दौरान पूरे वातावरण में लोकतंत्र की भावना और जनजागरण का उत्साह स्पष्ट झलक रहा था। इस अवसर पर जीविका दीदियों ने एक स्वर में कहा कि ग्रामीण महिलाएं अब केवल विकास की भागीदार ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र की भी सशक्त प्रहरी बन चुकी हैं। इस अभियान से निश्चित रूप से मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी की उम्मीद की जा रही है।

मानव श्रृंखला के दौरान जीविका दीदियों ने लगाए गगनभेदी नारे

मानव श्रृंखला बनाने के दौरान जीविका दीदियों ने मतदाता जागरूकता से संबंधित गगनभेदी नारे भी लगाए। इस दौरान दीदियों ने मतदान है लोकतंत्र की जान, हर हाल में करें मतदान। छोड़ें सब काम, पहले करें मतदान तथा सशक्त मतदाता-सशक्त लोकतंत्र आदि नारे लगा रही थी। बक्सर जिला प्रशासन एवं जीविका संगठन का यह संयुक्त प्रयास मतदाता जागरूकता को नई दिशा देने वाला साबित हो रहा है। इस अभियान के माध्यम से महिलाओं की सामाजिक भागीदारी और लोकतांत्रिक चेतना दोनों को सशक्त आधार

मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत बक्सर की 12 हजार से अधिक जीविका दीदियों को मिला आर्थिक संबल

- 12,261 लाभुकों के खातों में 12.26 करोड़ की राशि का किया गया अंतरण

केटी न्यूज/बक्सर

महिलाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत सोमवार को पूरे राज्य में लाभार्थियों को आर्थिक सहायता राशि का अंतरण किया गया। इसका सीधा प्रसारण बक्सर समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम के दौरान देखा गया।

कार्यक्रम में बताया गया कि इस योजना के अंतर्गत राज्य की 21 लाख महिला लाभुकों को 10 हजार रूपए प्रति लाभुक की दर से कुल 2,100 करोड़ की राशि सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की गई। इस दौरान बक्सर जिले की 12,261 जीविका दीदियों के खातों में 12 करोड़ 26 लाख 10 हजार रुपये की राशि का अंतरण किया गया।



हर वर्ग की महिला को मिलेगा रोजगार शुरू करने का अवसर

कार्यक्रम में अधिकारियों ने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का उद्देश्य राज्य के हर वर्ग और समुदाय की महिलाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करना है। इस योजना के तहत प्रत्येक परिवार की एक महिला को उसकी पसंद का रोजगार शुरू करने के लिए प्रारंभिक आर्थिक सहायता के रूप में 10 हजार की राशि दी जा रही है।

आगे चलकर रोजगार की प्रगति के आधार पर पात्र महिलाओं को 2 लाख रूपए तक की अतिरिक्त वित्तीय सहायता देने का प्रावधान है। साथ ही चयनित रोजगार से संबंधित प्रशिक्षण की भी व्यवस्था की गई है, ताकि महिलाएं आत्मविश्वास के साथ अपने कार्य को सफलतापूर्वक शुरू कर सकें।

स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर बढ़ेगा आत्मनिर्भरता का दायरा

यह योजना सामुदायिक सहकारिता आधारित है। इसके तहत प्रत्येक लाभुक महिला को पहले स्थानीय स्वयं सहायता समूह (एसएचजी ग्रुप) से जोड़ा जाएगा। इन समूहों के माध्यम से महिलाओं को रोजगार के चयन, प्रारंभिक पूंजी के उपयोग, उत्पादन, विपणन और प्रशिक्षण की सुविधा दी जाएगी। राज्य में वर्तमान में 11 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूह सक्रिय हैं, जिनसे करीब 1 करोड़ 40 लाख जीविका दीदियां जुड़ी हैं। इन्हीं समूहों की संगठनात्मक क्षमता और अनुभव का लाभ नए लाभुकों को मिलेगा। बक्सर में भी जीविका समूहों के माध्यम से महिलाओं को न केवल आर्थिक सहयोग बल्कि मार्गदर्शन और प्रशिक्षण की निरंतर सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

उत्पादों के विपणन के लिए बनेगा नया हाट-बाजार नेटवर्क

कार्यक्रम के दौरान यह भी बताया गया कि जीविका दीदियों द्वारा निर्मित उत्पादों की बिक्री और प्रचार-प्रसार के लिए गांव से लेकर शहरों तक हाट-बाजारों का नेटवर्क विकसित किया जा रहा है। इससे ग्रामीण उत्पादों को बाजार उपलब्ध होगा और महिलाओं की आय में वृद्धि होगी।

बक्सर की कई जीविका दीदियों ने बताया कि इस योजना से उन्हें नया उत्साह और आत्मविश्वास मिला है। अब वे अपनी पसंद के व्यवसाय जैसे पशुपालन, सिलाई, बुनाई, खाद्य प्रसंस्करण या किराना व्यवसाय को शुरू करने की योजना बना रही हैं।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम

अधिकारियों ने कहा कि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना न केवल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करेगी, बल्कि राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देगी। आत्मनिर्भरता और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने वाली यह योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने का काम करेगी। बक्सर जिले में इस योजना से जुड़ी जीविका दीदियों ने कहा कि यह राशि उनके लिए आत्मनिर्भरता की पहली सीढ़ी है। सरकार की यह पहल महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में ऐतिहासिक साबित होगी।

एक नजर

शराब लदी गाड़ी ने मारी ई-रिक्शा में टक्कर, आधा दर्जन जख्मी, भारी मात्रा में शराब के साथ दो गिरफ्तार

डुमरांव। शराब तस्करी के धंधे ने एक बार फिर इंसानियत को शर्मसार कर दिया। सोमवार की सुबह कोरानसराय थाना क्षेत्र के भोला डेरा के समीप हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर दिया। शराब से लदी तेज रफ्तार एक्सयूवी वाहन ने एक ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे ई-रिक्शा चालक समेत कुल छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक, नाजिरगंज निवासी ई-रिक्शा चालक अखिलेश कुमार सोमवार की सुबह अपने रिक्शा में सवारियों को लेकर कोरानसराय की ओर जा रहा था। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे शराब से भरे एक्सयूवी ने नियंत्रण खो दिया और ई-रिक्शा को सीधी टक्कर मार दी। रिक्शा में सवार मठिला गांव की आलिमा खातून (38 वर्ष) और उनकी चार बेटियां कृ अहमदी (17), अजहरी (15), अशफिया (9) और अजतीया (5) बुरी तरह जख्मी हो गईं। स्थानीय लोगों ने शोर सुनते ही दौड़कर सभी घायलों को बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। थानाध्यक्ष माधुरी कुमारी मौके पर पहुंचीं और सभी घायलों को अनुमंडलीय अस्पताल भेजा, जहां से गंभीर हालत में उन्हें सदर अस्पताल बक्सर रेफर कर दिया गया। ई-रिक्शा चालक अखिलेश की रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट आई है, जबकि आलिमा और उनकी बेटियों की स्थिति नाजुक बताई जा रही है। इस बीच, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए भागने की कोशिश कर रहे एक्सयूवी वाहन को कोरानसराय बाजार के पास से पकड़ लिया। तलाशी में 546 लीटर से अधिक देशी-विदेशी शराब बरामद की गई, जिसमें 8 पीएम और रॉयल स्टैग जैसी ब्रांड शामिल हैं। मौके से दो तस्कर कृ बक्सर निवासी विश्वकर्मा चौधरी और बलिया निवासी राजेश साहनी को गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि वाहन बलिया से नावानगर की ओर शराब की खेप ले जा रहा था। पुलिस ने वाहन जब्त कर दोनों के खिलाफ अवैध शराब परिवहन, तस्करी और लापरवाह ड्राइविंग की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। फिलहाल पुलिस तस्करी के नेटवर्क की गहन जांच कर रही है। वहीं, स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि शराब माफियाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि ऐसे हादसे दोबारा न हों।

दिव्यांगों के हित में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का सराहनीय निर्णय रू बक्सर जिला दिव्यांग संघ ने दी बधाई

डुमरांव। बक्सर जिला दिव्यांग संघ के जिला अध्यक्ष अगस्त उपाध्याय उर्फ छोटू बाबा ने बिहार सरकार एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को दिव्यांग हित में लिए गए निर्णयों के लिए बधाई दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की नीति पर काम कर रहे हैं, जिसका लाभ समाज के अंतिम पायदान तक पहुंच रहा है। जिला अध्यक्ष ने बताया कि उन्होंने बिहार सरकार से 40 प्रतिशत दिव्यांगता वाले व्यक्तियों को भी मोटर चालित रिक्शा योजना का लाभ दिए जाने की मांग की थी। सरकार द्वारा इस मांग को स्वीकृति दिए जाने पर उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कई छोटे नेता इसे अपनी पहल बता रहे हैं, लेकिन यह उपलब्धि बक्सर जिला दिव्यांग संघ की सतत कोशिशों का परिणाम है। इस अवसर पर अनुमंडल अध्यक्ष विशोका नन्द चन्द ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हमेशा समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए योजनाएं चलाई हैं। कार्यक्रम में जिला कार्यकारी अध्यक्ष राकेश राय, डुमरांव प्रखंड अध्यक्ष विष्णु कुमार, विकास प्रसाद, डीपीओ ज्योति कुमारी दुबे, अंजली कुमारी, सोनी देवी, जितेन्द्र पांडे, किताबुद्दीन, आनंद कुमार, सुनील सिंह सहित बड़ी संख्या में दिव्यांग साथी उपस्थित रहे। अगस्त उपाध्याय ने राज्य सरकार से मांग की कि जल्द से जल्द राज्य दिव्यांग आयोग का गठन किया जाए और दिव्यांग मित्रों की बहाली प्रारंभ की जाए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में दिव्यांग आरक्षण लागू किया जाए ताकि दिव्यांग वर्ग की राजनीतिक भागीदारी भी सुनिश्चित हो सके।



चौसा में दुर्घटना का शिकार हुए सिकन्दराबाद से गांव लौट रहे कामगर, हालत गंभीर, रेफर

केटी न्यूज/चौसा

चौसा में सोमवार को सड़क पर फिसलन के कारण एक ई-रिक्शा अनियंत्रित हो पलट गई। इस घटना में ई-रिक्शा में सवार दो कामगर गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जिन्हें स्थानीय स्तर पर प्राथमिक इलाज के लिए बेहतर इलाज के लिए वाराणसी रेफर कर दिया गया है। जख्मियों की पहचान कैमूर जिले के सातो एवती गांव निवासी मृत्युंजय सिंह (32) पिता सुरेंद्र सिंह और हीरामुनि सिंह (55) पिता श्याम सिंह के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार दोनों सिकन्दराबाद में एक निजी कंपनी में कार्यरत थे तथा वहां से छुट्टी मिलने पर अपने गांव लौट रहे थे। चौसा में ट्रेन से उतरने के बाद दोनों एक ई-रिक्शा को किराए पर लेकर अखौरीपुर गोला जा रहे थे, जहां से बस पकड़ वे अपने गांव जाते, लेकिन रास्ते में कीचड़ के कारण ई-रिक्शा अनियंत्रित हो पलट गई। इस घटना में दोनों को गंभीर चोटे आई है। वहीं, अन्य यात्रियों को हल्की चोटे आई है, जिन्हें घर भेज दिया गया। जबकि ई-रिक्शा चालक घटना के बाद से फरार हो गया है। वहीं, जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस जख्मियों के इलाज तथा घटना की पड़ताल में जुट गई है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ई-रिक्शा को जब्त कर लिया है। थानाध्यक्ष शंभू भगत ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम अस्पताल पहुंची और घायलों से पूछताछ की। ई-रिक्शा को जब्त कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।



रोड बनाने के दौरान पीएचईडी का पाइप उखाड़ दिये जाने से जलापूर्ति बाधित, उपभोक्ता परेशान

डुमरांव। नगर परिषद क्षेत्र के वार्डों में रोड बनाने का काम चल रहा है। पीसीसी रोड ढलाई के दौरान गड्ढे की खुदाई किये जाने से पीएचईडी के द्वारा घरों में जलापूर्ति के लिये बिछाए गए पाईप टूटकर बिखर गए हैं, जिससे घरों में पानी जाना बंद हो गया है। इतना ही नहीं टूटे पाइप पानी तो बर्बाद हो ही रहा है, जलजमाव की समस्या भी खड़ी हो जा रही है। इसी तरह की समस्या पुराना थाना रोड में जामा मस्जिद के पास हुई है।

विदित हो कि एक माह पहले नया थाना से शक्तिद्वार गेट तक पीसीसी रोड का निर्माण कार्य चल रहा है। उसी दौरान पुराने रोड को उखाड़े जा रहे थे, जिसके चलते पीएचईडी का पाइप टूटकर बिखर गया था। रोड बनने के एक माह के बाद भी टूटे पाइप को सही नहीं किया गया है, जिससे कई घरों में जलापूर्ति नहीं हो रही है। इतना ही जलजमाव होने से उर्दू मध्य विद्यालय के छात्र-छात्राओं को भी स्कूल में प्रवेश करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसकी शिकायत मोहल्लेवासियों के द्वारा जदयू के प्रखंड अध्यक्ष और भाजपा नेता से इसकी शिकायत किया गया। प्रखंड अध्यक्ष ने जाकर उसकी जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारी से बात कर उसे शीघ्र दुरूस्त करने के लिये कहा।



जमीन पर संघर्ष करने वाले को चुने, फेसबुकीया नेता को नहीं : रवि उज्ज्वल कुशवाहा

- नावानगर में जदयू नेता ने चलाया जनसंपर्क अभियान, जनता से की जागरूक रहने की अपील

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव विधानसभा क्षेत्र के नावानगर प्रखंड में सोमवार को जनता दल (यू) के वरिष्ठ नेता रवि उज्ज्वल कुशवाहा ने जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने गांव-गांव जाकर लोगों से मुलाकात की और क्षेत्र की समस्याओं व जनहित के मुद्दों पर चर्चा की। जनसंपर्क के दौरान उन्होंने जनता से अपील की कि वे ऐसे जनप्रतिनिधि को चुनें जो जमीन पर संघर्ष करता है, न कि केवल सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने वाला ष्फेसबुकीयाष नेता हो।



रवि उज्ज्वल ने कहा कि आज राजनीति में दिखावे का दौर चल रहा है। कई लोग फेसबुक और सोशल मीडिया पर सक्रिय रहकर खुद को जनता का नेता साबित करने की कोशिश करते हैं, लेकिन जब जनता के मुद्दों पर सड़क पर उतरने की बात आती है, तो वे कहीं दिखाई नहीं देते। उन्होंने कहा कि डुमरांव विधानसभा की जनता तय करे कि उसे सेवक चुनना है या शासक। जो जनता के साथ हर सुख-दुख में खड़ा रहता है, वही असली प्रतिनिधि कहलाने योग्य है। उन्होंने आगे कहा कि आगामी 2025 विधानसभा चुनाव में जनता को चाहिए कि वे किसी भी उम्मीदवार को वोट देने से पहले उससे जनहित से जुड़े मुद्दों पर लिखित एग्रीमेंट लें। अगर कोई उम्मीदवार जनता के प्रति जवाबदेही देने को तैयार नहीं है, तो उसे वोट देने पर दो बार सोचें। उन्होंने कहा कि जब तक जनता अपने अधिकारों को लेकर सजग नहीं होगी, तब तक राजनीति में सुधार संभव नहीं है।

इस अवसर पर नावानगर जदयू प्रखंड अध्यक्ष सह बीस सूत्री अध्यक्ष सत्यानंद कुशवाहा, पूर्व प्रखंड अध्यक्ष सरदार कुशवाहा, डुमरांव के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष बीरेन्द्र कुशवाहा, मोहन प्रसाद गुप्ता, भोलानाथ पाण्डेय, विमलेश सिंह, ललन अंसारी सहित कई पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे। रवि ने कहा कि जदयू का लक्ष्य समाज के हर वर्ग को साथ लेकर विकास की गति को तेज करना है। उन्होंने लोगों से कहा कि वे जात-पात और धर्म की राजनीति से ऊपर उठकर ऐसे नेतृत्व को समर्थन दें जो जनता के हित में संघर्ष करने की क्षमता रखता हो। उन्होंने विश्वास जताया कि डुमरांव की जनता इस बार बदलाव का मन बना चुकी है और 2025 में फिर एक नई राजनीति की दिशा तय करेगी।



बिहार विधानसभा चुनाव 2025 : भोजपुर में 6 नवंबर को होगा मतदान, 14 नवंबर को गिनती

केटी न्यूज/आरा

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तारीखों का ऐलान हो गया है। इस बार राज्य में दो चरणों में मतदान होगा। पहले चरण में भोजपुर जिले की सभी सात विधानसभा सीटों पर 6 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। वहीं, मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी। चुनाव आयोग ने कार्यक्रम जारी करते हुए बताया कि 10 अक्टूबर को अधिसूचना (नोटिफिकेशन) जारी की जाएगी। नामांकन की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर तय की गई है, जबकि नामांकन पत्रों की जांच 18 अक्टूबर को होगी। प्रत्याशी 20 अक्टूबर तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। बता दें कि भोजपुर जिले में आरा, तरारी, शाहपुर, जगदीशपुर, अगिआंव (सुरक्षित), बड़हरा और संदेश विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। जिला प्रशासन ने चुनाव की तैयारी तेज कर दी है। भोजपुर में कुल मतदाता 2080605 है। इनमें पुरुष 1106610, महिला 973967 एवं तृतीय लिंग वोटर की संख्या 28 है। लिंगानुपात 880 है। 18 से 19 साल के युवा मतदान की संख्या 44410 है जबकि 85+ बुजुर्ग मतदाता की संख्या संदेश में 1461, बड़हरा में 1607, आरा में 1655, अगिआंव में 1263,तरारी में 1370, जगदीशपुर में 1508 और शाहपुर में 2024 है। ढहऊ मतदाताओं की संख्या भी इस बार चुनाव में जारी किया गया है। संदेश विधानसभा में दृष्टिहीन 439, लोकोमोटिव 1395, मूकबधिर 141 एवं अन्य 1980 है। बड़हरा विधानसभा में दृष्टिहीन 375, लोकोमोटिव 1313, मूकबधिर 194 एवं अन्य 702 है। आरा विधानसभा में दृष्टिहीन 271,लोकोमोटिव 949,मूकबधिर 112एवं अन्य 465 है। अगिआंव विधानसभा में दृष्टिहीन 400, लोकोमोटिव 1499,मूकबधिर 229 एवं अन्य 631 है। तरारी



विधानसभा में दृष्टिहीन 548, लोकोमोटिव 1701,मूकबधिर184 एवं अन्य 682 है। जगदीशपुर विधानसभा में दृष्टिहीन 252, लोकोमोटिव 1456, मूकबधिर 145 एवं अन्य 413 है। शाहपुर विधानसभा में दृष्टिहीन 74,लोकोमोटिव 1340, मूकबधिर 166 एवं अन्य 183 है। वही भोजपुर में कुल मतदान केंद्रों की संख्या 2551 है। संदेश में 367, बड़हरा में 362,आरा में 371, अगिआंव में 326,तरारी में 376, जगदीशपुर में 373 एवं शाहपुर में 376 है। संदेश विधानसभा...पुरुष 150574, महिला 135897, तृतीय लिंग 1 कुल निर्वाचक 286472, लिंगानुपात 903

193 बड़हरा....

पुरुष 161661, महिला 143903, तृतीय लिंग 8,कुल निर्वाचक 305572, लिंगानुपात 890, 194 , आरा....पुरुष 172791, महिला 150580,तृतीय लिंग 5,कुल निर्वाचक 323376, लिंगानुपात 871

195 अगिआंव....

पुरुष 138704,महिला 121992,कुल निर्वाचक 260696,लिंगानुपात 880

196 तरारी.....पुरुष 159757,महिला 138611,तृतीय लिंग 3,कुल निर्वाचक 298371, लिंगानुपात 868

197 जगदीशपुर....

पुरुष 160806,महिला 142145, तृतीय लिंग 7,कुल निर्वाचक 302958, लिंगानुपात 884

198 शाहपुर....

पुरुषझ162317,महिलाझ140839,तृतीय लिंगझ4,कुल निर्वाचकझ303160,लिंगानुपातझ868

एक नजर में समझिए विधानसभा सीटों का समीकरण

जहां तक आरा विधानसभा की बात करें तो आरा सीट पर कांग्रेस का दबदबा हुआ करता था। आरा सीट से कांग्रेस ने 7 बार चुनाव जीता, लेकिन 1985 के बाद अब तक आरा सीट से चुनाव नहीं जीत सके है। साल 2000 में पूर्व मुख्यमंत्री हरिहर सिंह के बेटे अमरेंद्र प्रताप सिंह ने आरा में बीजेपी का परचम लहराया। अमरेंद्र प्रताप 5 बार आरा से विधायक चुने गए। इसके बाद यह सीट बीजेपी का गढ़ बन गई। लेकिन 2015 में यह सीट आरजेडी के खाते में चला गया। जातिगत समीकरण की बात करें तो आरा विधानसभा सीट पर राजपूत समेत सवर्ण जातियों का दबदबा रहा है। हालांकि यादव, मुस्लिम और दलित वर्ग के मतदाता भी निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

दूसरी तरफ देखा जाएं तो विकास और रोजगार जैसे मुद्दों पर चचाओं के बाद अंततः सीटों पर प्रत्याशी चयन से लेकर मतदान तक जातीय संतुलन सबसे अहम भूमिका निभा सकता है। वहीं एक बार 2020 के विधानसभा चुनाव के रिजल्ट की बात करें तो आरा विधानसभा में भाजपा के उम्मीदवार अमरेंद्र प्रताप सिंह को जीत मिली थी। जिसमें अमरेंद्र प्रताप सिंह को 71781 वोट मिले थे। इस चुनाव में माले के उम्मीदवार कयामुद्दीन अंसारी को 68779 वोट मिले थे। इस चुनाव में कयामुद्दीन अंसारी को करारी हार का सामना करना पड़ा था। वहीं बड़हरा विधानसभा सीट की बात करें तो इस सीट पर दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल सकता है। इस सीट पर मुख्य रूप से कोइरी, यादव और राजपूत अहम भूमिका में हैं। यह सीट को चित्तौड़गढ़ कहा जाता है क्योंकि यहां राजपूतों का दबदबा रहा है। इस क्षेत्र में भाजपा के वर्तमान विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने राजद के सरोज यादव को हराकर छठी बार अपना परचम लहराया था। राघवेंद्र प्रताप सिंह को 76182 वोट मिले थे और सरोज यादव को 71209 वोट प्राप्त हुआ था।

इसके साथ ही शाहपुर विधानसभा की बात करें तो शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में यादवों की संख्या सबसे ज्यादा है। उसके बाद भूमिहार, मुस्लिम और ब्राह्मण प्रमुख जातियां हैं। इसके अलावा सिंह, महतो, पासवान, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और सहनी जैसे समुदाय भी अपनी उपस्थिति रखते है। इस क्षेत्र पर राजेडी के विधायक राहुल तिवारी ने जीत हासिल की है। जिनको 64393 वोट मिला था। इस क्षेत्र पर भाजपा तीसरे नंबर पर थी और निर्दलीय उम्मीदवार शोभा देवी को 44525 वोट प्राप्त हुए और भाजपा उम्मीदवार मुन्नी देवी को महज 21355 वोट पर ही संतुष्टि रखनी पड़ी।

वहीं जगदीशपुर विधानसभा की बात करें तो इस सीट पर लालू प्रसाद यादव की पार्टी आरजेडी का दबदबा बना हुआ है। इस सीट से राम विशुन सिंह उर्फ लोहिया जी लगातार दूसरी बार जीतते आए है। इस सीट पर जेडीयू ने दावा पंचायत की चर्चित मुखिया शुष्मलता पर भरोसा कर उनको चुनावी मैदान में उतारा था। वहीं पिछले 5 वर्षों से जगदीशपुर में सक्रिय रहे बिहार सरकार के पूर्व मंत्री भगवान सिंह कुशवाहा टिकट नहीं मिलने से नाराज होकर एलजेपी के टिकट पर मैदान में उतरे थे। लेकिन राम विशुन सिंह (66632) ने श्रीभगवान सिंह कुशवाहा (44525) और शुष्मलता कुशवाहा (29362) दोनों को हरा कर जीत का दबदबा बनाए रखा।

वहीं संदेश विधानसभा पर वर्तमान में आरजेडी के अंडर है। लेकिन इस सीट पर 4 बार कांग्रेस, 3 बार फखऊ 2-2 बार भाकपा (माले) और जनसंघ, 1-1 बार इखढ, जनता दल, लोकदल, जनता पार्टी और संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी ने जीत हासिल की है। यहां यादव मतदाता यहां निर्णायक भूमिका निभाते हैं। वर्तमान में किरण देवी आरजेडी से विधायक है। जिन्होंने पिछले चुनाव में 79599 वोट हासिल कर विजेंद्र यादव (28992) और एलजेपी श्वेता सिंह (28500) को करारी शिकस्त दी थी।

तरारी विधानसभा की बात करें तो यह भले ही चुनावी रूप से नया हो, लेकिन इसका राजनीतिक इतिहास संघर्षों और विचारधारात्मक टकरावों से भरा रहा है। यहां भूमिहार, ब्राह्मण, यादव और मुस्लिम वोटरों की अहम हिस्सेदारी है। सीपीआई ने 2015 और 2020 में यहां जीत दर्ज की। लेकिन 2024 के उपचुनाव में भाजपा ने पहली बार जीत हासिल किया। यह क्षेत्र पहले नक्सल प्रभाव के लिए जाना जाता था। 2020 के चुनाव में सुदामा प्रसाद ने 73945 वोट लाकर निर्दलीय उम्मीदवार नरेंद्र पांडेय उर्फ सुनील पांडेय को हराकर जीत हासिल की थी। इसमें सुनील पांडेय को 62930 वोट मिले थे। लेकिन 2024 के उपचुनाव में सुनील पांडेय के बेटे विशाल प्रशांत ने 78755 वोट लाकर माले के राजू यादव (68143) करारी शिकस्त दी।

वहीं अगिआंव विधानसभा सीट की बात करें तो यह क्षेत्र माले का रहा है। इस क्षेत्र से माले उम्मीदवार शिव प्रकाश रंजन विधायक है। जिन्होंने उपचुनाव में जदयू के प्रभुनाथ राम को हराकर सीट सुरक्षित रखा है। इस चुनाव में शिव प्रकाश रंजन को 73191 वोट और प्रभुनाथ राम को मात्र 29857 वोट मिले थे। इससे पहले 2020 में इस सीट पर माले के ही विधायक मनोज मंजिल को जीत मिली थी। जिन्होंने प्रभुनाथ राम को हराकर जीत दर्ज किया था।

एक नजर

नए कार्यक्रम पदाधिकारी महेंद्र प्रसाद ने संभाला पदभार

नोखा । कार्यक्रम पदाधिकारी महेंद्र प्रसाद ने पदभार संभाला। उन्होंने पदभार संभालने के बाद कार्यालय के सभी कर्मचारियों से रूबरू होते परिचय प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि अधूरे पड़े कार्य को मनरेगा कार्यालय के जरिए जल्द चुस्त-दुरुस्त कराया जाएगा। महेंद्र प्रसाद ने आश्वासन दिया कि वे क्षेत्र के विकास कार्यों को गति देंगे और आम जनता को त्वरित एवं पारदर्शी सेवाएं प्रदान करेंगे। जिसके तहत आम लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए उनका समाधान पर हल में किया जाएगा। जबकि कार्य प्रति किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मृतक के परिजन से मिल विधायक ने जताया शोक

नोखा । नगर परिषद क्षेत्र के घोसिया गांव निवासी समाजसेवी अरविंद कुमार चक्रवर्ती के मौत पर लोगों ने जताया शोक। घटना की खबर सुन नोखा विधायक अनिता देवी ने उनके घोसिया गांव पहुंच दुःख व्यक्त करते हुए शोकाकुल परिजनों को सांत्वना दिया। साथ ही विधायक ने शोकाकुल परिवार से मिलकर ढांढस दिलाते हुए कहा कि हम पीड़ित परिवार के हर दुख-सुख में शामिल रहेंगे। उन्होंने शोक संवेदना प्रकट करते हुए निजी कोष से मृतक के परिजनों को सहायता प्रदान की। मौके पर राजद नगर अध्यक्ष भोला, सुरेन्द्र चंद्रवंशी, सुरेन्द्र शर्मा, शत्रुघ्न चौधरी, राजीव मोहन, निरंजन कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

स्वच्छता पर्यवेक्षकों का समीक्षात्मक बैठक



कारकाट । जिला समन्वयक अखिलेश्वर पांडेय रोहतास ने प्रखंड कार्यालय गोड़ारी में सोमवार को प्रखंड के सभी ग्राम पंचायतों के स्वच्छता पर्यवेक्षकों के साथ समीक्षात्मक बैठक की । जिसमें स्पष्ट निर्देश दिया गया कि महादलित टोला के आईएचएचएल भुगतान हेतु आवेदन अभिलंब रूप से कार्यालय में जमा करें । जिसे एसबीएम करके तत्काल जियो टैगिंग किया जाना है । इसके अलावा डब्ल्यूपीयू में जो खाद का निर्माण हो चुका है । उसका सैंपल तैयार कर दो दिन के अंदर जिला कार्यालय को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया । ताकि इसकी जांच की जा सके । इस बैठक के उपरांत जिला समन्वयक तथा प्रखंड समन्वयक ने किरहीं पंचायत के डब्ल्यूपीयू का भ्रमण किया । उसके बाद धनहरा पंचायत के पड़सर गांव स्थित महादलित टोला एवं स्कूल में छात्रों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया गया ।

10 अक्टूबर को मनाया जाएगा गणेश चतुर्थी व करवा चौथ का व्रत

बिक्रमगंज । आगामी 10 अक्टूबर को पूरे अनुमंडल क्षेत्र में गणेश चतुर्थी तथा करवा चौथ का व्रत श्रद्धा एवं आस्था के साथ मनाया जाएगा । दिनभर व्रत रखकर महिलाएं अपने पति की दीघार्यु,सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना करेंगी,वहीं गणेश चतुर्थी के अवसर पर भक्तगण विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना कर मंगलमय जीवन की प्रार्थना करेंगे । इस अवसर पर बिक्रमगंज नगर परिषद के वार्ड संख्या 21 स्थित धारुपुर निवासी पंडित हरिशरण दुबे ने बताया कि गणेश चतुर्थी और करवा चौथ दोनों ही पर्व हमारे जीवन में शुभता,समृद्धि और पारिवारिक एकता के प्रतीक हैं । गणेश जी की पूजा से हर कार्य में सफलता मिलती है,जबकि करवा चौथ का व्रत वैवाहिक जीवन में अटूट प्रेम और सौभाग्य का संचार करता है । इस दिन महिलाएं निर्जला व्रत रखकर चांद का दर्शन कर पति के दीघार्यु की कामना करती हैं । पंडित दुबे ने आगे बताया कि गणेश चतुर्थी के दिन भगवान गणेश की पूजा सुबह शुभ मुहूर्त में की जाएगी,जबकि करवा चौथ का चंद्र दर्शन रात्रि में निर्धारित समय पर करने के बाद व्रत खोला जाएगा । उन्होंने बताया कि इस दिन गणेश जी की पूजा में दूर्वा, मोदक,लाल पुष्प,सिंदूर तथा धूप-दीप अर्पित करना शुभ माना जाता है। वहीं सुहागिन महिलाएं श्रृंगार कर करवे में जल भरकर चंद्रमा को अर्घ्य देकर अपने पति के मंगल की कामना करती हैं । दोनों ही पर्वों को लेकर शहर व ग्रामीण इलाकों में तैयारियां जोरों पर हैं । बाजारों में पूजा सामग्री,साड़ी, करवा,श्रृंगार वस्तुओं की खरीदारी से रौनक बढ़ गई है ।

छापेमारी में देसी शराब समेत चार गिरफ्तार

बिहिया। बिहिया थाने की पुलिस ने बिहिया नगर स्थित धूस महादलित बस्ती के समीप रविवार की देर शाम छापेमारी कर देसी शराब समेत चार धंधेबाजों को गिरफ्तार किया है. थानाध्यक्ष सुंदरेश्वर कुमार दास ने बताया कि नगर से 24 लीटर देसी शराब समेत चार धंधेबाज बेलौना निवासी शाहिद शाह के पुत्र मुन्ना साह, साहेब टोला बिहिया निवासी शिवजी शर्मा के पुत्र कृष्णा शर्मा व रामईश्वर सोनार के पुत्र प्रेमनाथ सोनार तथा धूस महादलित बस्ती निवासी मोहराई राम के पुत्र उपेंद्र राम को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने पकड़े गये सभी धंधेबाजों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है.

आईटी सहायक व कार्यपालक सहायकों के भूख हड़ताल पर जाने से सभी कार्य प्रभावित

केटी न्यूज/रोहतास

बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाईटी (सामान्य प्रशासन विभाग) के द्वारा जिले के विभिन्न विभागों में लगभग 15 वर्षों से संविदा पर नियोजित कार्यरत कार्यपालक सहायक एवं आईटी सहायक 3 अक्टूबर एवं 4 अक्टूबर को सामूहिक अवकाश पर रहे एवं उनकी मांगे पूरी नहीं करने के कारण सभी आईटी सहायक व कार्यपालक सहायक 6 अक्टूबर (सोमवार) से भूख हड़ताल पर चले गयें। जिसके कारण पंचायत से लेकर प्रखंड तक प्रखंड से लेकर जिला तक एवं जिला से लेकर प्रमंडल तक सभी सरकार के जन उपयोगी सेवाएं ठप हो गयी है। उक्त कर्मियों ने अपनी मांगों के समर्थन में पटना गर्दनीबाग में धरना का आयोजन किया। धरना कार्यक्रम के बाद अपने हाथों में ई-गवर्नेस कार्य का उल्लेखित स्लोगन एवं पट्टी के साथ कार्यपालक सहायकों ने शांति पूर्ण तरीके से धरना ने दिया। धरना को संबोधित करते हुए संघ के सदस्यों ने कहा कि मुख्यमंत्री बिहार के सपना को साकार करते हुए लगभग 15 वर्षों से पंचायत स्तर से लेकर सचिवालय स्तर तक संविदा पर नियोजत कार्यपालक सहायक सरकार की महत्वाकांक्षी योजनायें आरटीपीएस, लोक शिकायत, सेवा शिकायत, ग्राम स्वराज्य, पेंशन, मुख्यमंत्री कन्या विवाह, जनगणना, निर्वाचन, राजस्व महाअभियान समेत लगभग 54 ई-गवर्नेस सेवा के जरीये नियत तय समय सीमा के अन्दर जनोपयोगी कार्य कर रहे हैं फिर भी सरकार हमलोगों के साथ दोरंगी नीति अपना रही है। वहीं बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाईटी द्वारा मानदेय पुनरीक्षण को लेकर बार-बार बैठक कर टाल-मटोल की नीति अपना रही है, जिससे कार्यपालक सहायकों में क्षोभव्याप्त है। कार्यपालक सहायक सेवा संघ के प्रदेश मीडिया प्रभारी मो. आदिल खान ने कहा कि अगर सरकार इधर कुछ दिनों में हमलोगों के पक्ष में सकारात्मक कदम नहीं उठाती है तो आने वाले दिनों में हमलोग आंदोलन को और तेज करेंगे।

जमुई स्टेशन बना चोर-उचक्कों का अड्डा : एसडीओ की पत्नी और बेटी को बनाया शिकार

जमुई। जमुई रेलवे स्टेशन पर चोर-उचक्कों के बढ़ते आतंक ने यात्रियों का जीना दुश्वार कर दिया है। मोबाइल, पर्स और गहनों की चोरी की घटनाएं अब इतनी आम हो गई हैं कि न केवल सामान्य यात्री बल्कि सरकारी अधिकारी भी इन अपराधियों के शिकार बन रहे हैं। इन घटनाओं ने यात्रियों में भय का माहौल पैदा कर दिया है, और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ताजा मामला बिजली विभाग के एसडीओ दिग्विजय कुमार से जुड़ा है। उनकी पत्नी कोमल कुमारी और पांच साल की बेटी भी चोरों के शिकार बन गईं। वे धनबाद-पटना इंटरसिटी एक्सप्रेस पकड़ने जमुई स्टेशन पर आई थीं।

काराकाट के मानिक परासी में बड़ा हादसा टला, लाखों की संपत्ति जलकर राख,बच्चे और दंपति बाल-बाल बचें

केटी न्यूज/रोहतास

काराकाट थाना क्षेत्र के मानिक परासी गांव में गैस सिलेंडर से आग लगने के कारण एक बड़ा हादसा टल गया । प्रमोद कुमार पासवान के घर में लगी इस आग में करीब 4 से 5 लाख रुपये की संपत्ति जलकर राख हो गई,हालांकि परिवार के सभी सदस्य सुरक्षित बच गए । यह घटना उस समय हुई जब प्रमोद कुमार पासवान की पत्नी गीता देवी अपने बच्चों के लिए दूध गर्म कर रही थीं । अचानक गैस सिलेंडर से आग की लपटें फैल गई । आग इतनी भीषण थी कि घर का सारा सामान कुछ ही देर में जलकर खाक हो गया । प्रमोद कुमार पासवान ने बताया कि वह अपनी पत्नी गीता देवी,ढाई वर्षीय बेटी प्रियांशु कुमारी,डेढ़ वर्षीय बेटे प्रिंस कुमार और दो माह के एक अन्य बच्चे के साथ घर में थे । आग से परिवार को बचाने के प्रयास में प्रमोद के हाथ-पांव झुलस गए । आग में सिलाई मशीन,बड़ा पलंग,गोदरेज, कूलर,टीवी,पत्नी के



गहने,कपड़े, बच्चों की कॉपी-किताबें और अन्य कीमती सामान सहित लगभग 4 से 5 लाख रुपये का सामान जल गया । आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि घर की छत में भी दरारें आ गई ।घटना की सूचना मिलते ही काराकाट फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक अधिकांश सामान जल चुका था । इस संबंध में प्रमोद पासवान की पत्नी गीता देवी ने काराकाट थाने में आवेदन दिया है ।

मालदा बॉर्डर पर तस्करों को पकड़ने के दौरान शहीद हुए भोजपुर के लाल : कपिलदेव सिंह

केटी न्यूज/आरा

पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के आगरा बॉर्डर आउट पोस्ट पर तैनात बीएसएफ की 88वीं बटालियन के इंस्पेक्टर कपिलदेव सिंह तस्करों को पकड़ने के दौरान शहीद हो गए। शहादत की खबर मिलते ही भोजपुर जिले के उदवंतनगर प्रखंड के मसाढ़ गांव में मातम छा गया। सोमवार को जब उनका पार्थिव शरीर गांव पहुंचा, तो पूरा इलाका शोक और गर्व से भर उठा। जैसे ही एंबुलेंस गांव में दाखिल हुई, पूरा माहौल कपिलदेव सिंह अमर रहें और जब तक सूरज चांद रहेगा, कपिलदेव सिंह तेरा नाम रहेगा जैसे नारों से गूंज उठा। हर ओर से लोगों का सैलाब उमड़ पड़ा। गांव के साथ-साथ आसपास के पंचायतों और प्रखंडों से भी लोग अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे। महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों की आंखें नम थीं, लेकिन सीना गर्व से ऊँचा था। शव घर पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी सुनीता देवी और बेटी कंचन सिंह बेसुध होकर रोने लगीं। बेटी बार-बार चीत्कार करते हुए कह रही थी–अब पापा केकरा कहम? चारों ओर करुण क्रंदन गूंजने लगा। शहीद के अंतिम दर्शन के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधि, पुलिस प्रशासन और बीएसएफ के जवानों का हुजूम उमड़ पड़ा। संदेश की राजद विधायक किरण देवी के पुत्र दीपू राणावत, एमएलसी राधा चरण साह ह्यसेठ जी, मुखिया प्रिया सिंह, प्रतिनिधि राकेश सिंह समेत कई लोगों ने शहीद के तिरंगे में लिपटे पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और परिवार को ढांढस बंधाया। 58 वर्षीय शहीद कपिलदेव सिंह, मसाढ़ गांव के शिव पूजन सिंह के पुत्र थे। उन्होंने 31 अक्टूबर 1984 को इरक्र में भर्ती ली थी और 8 जनवरी 1985 को पंजी पाड़ा में कांस्टेबल के रूप में सेवा शुरू की थी। उनकी पत्नी सुनीता देवी, एक बेटी कंचन सिंह और बेटा रितिक रौशन है, जो वर्तमान में स्नातक की पढ़ाई कर रहा है। दो साल पहले उन्होंने 88वीं बटालियन, मालदा में ज्वाइन किया था और करीब छह माह पहले ही इंस्पेक्टर पद पर पदोन्नति हुई थी। शहीद के दामाद लव कुमार सिंह ने बताया कि शुक्रवार को वे हमेशा की तरह ड्यूटी पर थे। आगरा बॉर्डर आउट पोस्ट पर कंपनी कमांडेंट के तौर पर एम्बुश लगाकर तैनात थे। तस्करों ने बॉर्डर पार करने की कोशिश की। कपिलदेव सिंह ने उन्हें रोका, पर तस्कर नहीं माने। उन्होंने एक राउंड फायर किया और तस्कर को पकड़ने के लिए खुद दौड़ पड़े। कुछ दूर जाने के बाद वे गिर पड़े और अस्पताल ले जाते समय उन्होंने अंतिम सांस ली। लव कुमार ने दुख जताते हुए कहा कि बिहार में पार्थिव शरीर लाने में प्रशासनिक लापरवाही सामने आई। ह्वपटना और पूर्णिया दोनों जगह शव घंटों जाम में फंसा रहा, लेकिन किसी अधिकारी ने ध्यान नहीं दिया, उन्होंने कहा। साथ ही बिहार सरकार और प्रशासन पर नाराजगी जताते हुए बोले– नीतीश कुमार के कोई प्रतिनिधि तक नहीं पहुंचे। इस देश में शहीदों को सम्मान नहीं मिलता। फिर कोई अपने बच्चों को फौज में भेजे भी क्यों? बीएसएफ के डिप्टी कमांडेंट अशोक ने बताया कि ड्यूटी के दौरान पशु तस्करों के साथ झड़प में कपिलदेव सिंह गिर पड़े थे। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था, तभी रास्ते में उनकी मौत हो गई। हमने एक बहादुर और ईमानदार अधिकारी को खो दिया है। यह इरक्र के लिए बड़ी क्षति है,ह्व उन्होंने कहा। गांव के मुखिया प्रतिनिधि राकेश सिंह ने कहा कि कपिलदेव सिंह बहुत नेकदिल और मिलनसार इंसान थे। वे कुछ ही दिनों में रिटायर होने वाले थे। जब भी गांव आते थे, सबके साथ घुलमिल जाते थे। उनका जाना पूरे गांव के लिए अपूरणीय क्षति है।

> मसाढ़ गांव आज शोक में डूबा है, लेकिन हर आंख में गर्व भी है कि इस मिट्टी ने देश के लिए अपना लाल कुर्बान किया।
>
> **कपिलदेव सिंह अमर रहें!**

ई-रिक्शा से चोरी का माल ले जाते युवक को पुलिस ने दबोचा, दो नाबालिग भी हिरासत में

केटी न्यूज/लखीसराय

लखीसराय जिले के चानन थाना क्षेत्र स्थित रेउटा गोपालपुर हाई स्कूल से लाखों रुपये मूल्य के सामान की चोरी के मामले में मलयपुर थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। चोरी के सामान को ई-रिक्शा से जमुई बेचने ले जा रहे एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, वहीं दो नाबालिगों को हिरासत में लिया गया है ।गिरफ्तार युवक की पहचान लखीसराय के चानन थाना क्षेत्र स्थित रेउटा गोपालपुर निवासी शत्रुघ्न कुमार पासवान के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि शत्रुघ्न पूर्व में उसी स्कूल का छात्र रह चुका है और वर्तमान में बड़हिया कॉलेज में बीए का छात्र है। वहीं गिरफ्तार दो अन्य



आरोपी नाबालिग हैं, जो नौवीं और इंटर का छात्र बताया जा रहा है। मलयपुर थाना अध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि उन्हें इस बात की गुप्त सूचना मिली थी कि चोरी का सामान एक ई-रिक्शा (टोटो) पर लादकर बरियारपुर-मलयपुर होते हुए जमुई की ओर ले जाया जा रहा है। इसके बाद वरीय अधिकारियों को सूचित कर एक टीम का गठन किया गया। टीम में जिला सूचना इकाई के आलोक कुमार, एसआई पंकज कुमार, एएसआई प्रेमरंजन राय समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले एक और बड़ी सौगात, पटना में बनेगा भव्य जेपी पार्क

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश सरकार ने पटना को एक और बड़ी सौगात दे दी है। पटना में 12 करोड़ 47 लाख रुपये की लागत से चार एकड़ जमीन में भव्य पार्क बनेगा। सरकार की तरफ से इसकी स्वीकृति दे दी गई है। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने इसकी जानकारी दी है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि पटना में लोकनायक जयप्रकाश नारायण पार्क के निर्माण को मंजूरी मिल गई है। 12 करोड़ 47 लाख रुपये से अधिक की राशि से बनने वाले पार्क का सारा काम ई-टेंडरिंग से होगा, ताकि



पारदर्शिता रहे और अच्छी गुणवत्ता के साथ समय पर काम पूरा हो सके। सम्राट चौधरी ने बताया कि पार्क बनाने के लिए जगह जेपी गंगा पथ और देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद बिहार गौरव उद्यान (वेस्ट टू वंडर थीम पार्क) के बीच तय की गई है। इसके लिए 170.57 डीसमिल परती जमीन की विवरणी और अनापत्ति प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया है। जल संसाधन विभाग ने भी एनओसी दे दी है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत पटना के जिला पदाधिकारी समय-समय पर काम की निगरानी करते रहेंगे। नगर आयुक्त, पटना और बुडको के प्रबंध निदेशक यह सुनिश्चित करेंगे कि योजना की डुप्लीकेसी न हो। यह परियोजना आम लोगों के लिए सीधी सुविधा लेकर आएगी। इस मौके पर मंत्री डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि यह पार्क लगभग 2 किलोमीटर लंबे और 11 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैला होगा. यह पार्क शहर की खूबसूरती में चार चांद लगाएगा. इसमें घूमने-फिरने और बैठने की बेहतरीन व्यवस्था की जाएगी. इसे एक विशिष्ट लैंडस्केप के रूप में विकसित करने की तैयारी है. इसका निर्माण कार्य शुरू करने के लिए 1.20 करोड़ रुपए की राशि जारी हो चुकी है. इसके अलावा भागलपुर नगर निगम के दक्षिणी क्षेत्र की लंबे समय की समस्या का समाधान अब शुरू होने जा रहा है. यहां के गेंदखाना मैदान में पार्क और सौंदर्यीकरण का काम किया जाएगा. करीब 2.82 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस पार्क में बच्चों के लिए खेल के उपकरण, हरियाली के लिए बागवानी, वॉकिंग ट्रैक, बैठने की सुविधा समेत अन्य सुविधाएं भी मुहैया कराई जाएंगी।

शहर में बिछ रहा पार्कों का जाल

मंत्री ने आगे कहा कि शहर में पार्कों की संख्या बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है. हाल ही में अनुग्रह नारायण पार्क के जीर्णोद्धार के लिए 23 लाख रुपए और अंबेर चिल्ड्रन पार्क के लिए 48 लाख रुपए की योजनाओं का शिलान्यास किया गया. साथ ही हिरण्य पर्वत का भी 2.68 करोड़ रुपए की लागत से सौंदर्यीकरण किया जा रहा है. इस मौके पर वन विभाग के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी मौजूद रहे।

पटना में मॉर्निंग वॉक के दौरान रिटायर्ड कर्मचारी से लूट, पुलिस जांच में जुटी

एजेंसी। पटना

बिहार में अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं और अपराधी बेखौफ होकर अपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। चाहे सुबह हो या शाम, अपराधी खुलेआम वारदात कर रहे हैं और आसानी से फरार हो रहे हैं। पुलिस के सामने अपराधी खुले तौर पर चुनौती पेश कर रहे हैं। इसी कड़ी में राजधानी पटना के कदमकुआं थाना क्षेत्र से एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां रिटायर्ड सचिवालय कर्मी के साथ मॉर्निंग वॉक के दौरान लूट की घटना हुई। जानकारी के मुताबिक, तड़के सुबह रिटायर्ड सचिवालय कर्मी सूर्य कुमार गुप्ता अपने घर से सब्जी खरीदने मछुआटोली की ओर पैदल जा रहे थे। तभी महावीर अपार्टमेंट के पास एक बाइक पर सवार तीन अपराधियों ने पीछे से उनका पीछा किया और उनके गले में पहनी लगभग डेढ़ भर की सोने की चेन झपट ली। जब पीड़ित ने विरोध किया, तो एक अपराधी ने कमर से पिस्टल निकालकर उन पर तान दी। डर के कारण सूर्य कुमार गुप्ता ने विरोध करना बंद कर दिया, और अपराधी करीब दो लाख रुपये मूल्य की सोने की चेन लेकर फरार हो गए।

बिहार सरकार का बड़ा फैसला : 2.45 लाख शिक्षकों को मिला वेतन संरक्षण का लाभ, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव-2025 से ठीक पहले राज्य सरकार लगातार जनता को लुभाने वाली घोषणाएं कर रही है। इसी कड़ी में शिक्षा विभाग ने स्थानीय निकाय के शिक्षकों के लिए बड़ा ऐलान किया है। अब सक्षमता परीक्षा पास करने वाले शिक्षकों को योगदान की तिथि से वेतन संरक्षण का लाभ दिया जाएगा। विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, इन शिक्षकों को अक्टूबर 2025 के वेतन के साथ ही वेतन वृद्धि का लाभ भी मिलेगा। गौर करने वाली बात यह है कि इस फैसले से राज्य के लगभग तीन लाख शिक्षकों को प्रतिमाह चार से पांच हजार रुपये तक की अतिरिक्त राशि मिलेगी। इससे न केवल शिक्षकों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी बल्कि चुनावी माहौल में यह कदम शिक्षकों और उनके परिवारों को साधने की एक महत्वपूर्ण रणनीति भी माना जा रहा है। बता दें कि राज्य सरकार ने नियोजित शिक्षकों को विशिष्ट शिक्षक बनाने के लिए सक्षमता परीक्षा आयोजित की थी। अब तक करीब तीन लाख शिक्षक सक्षमता प्रथम और द्वितीय परीक्षा में सफल हुए हैं। जो शिक्षक विशिष्ट शिक्षक के रूप में योगदान कर चुके हैं, उन्हें विद्यालय



में योगदान की तिथि से वेतन संरक्षण का लाभ मिलेगा। यही नहीं, जिन शिक्षकों को यह लाभ पहले नहीं मिला था, उन्हें अक्टूबर के वेतन के साथ ही बकाया वेतन वृद्धि का भुगतान किया जाएगा। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि तृतीय, चतुर्थ और पंचम सक्षमता परीक्षा पास करने वाले शिक्षकों को भी विद्यालय में योगदान की तिथि से वेतन संरक्षण का लाभ दिया जाएगा। इसका सीधा असर आने वाले समय में हजारों और शिक्षकों पर पड़ेगा। हाल ही में राज्य के प्राथमिक विद्यालयों में लगभग 28,750 प्रधान शिक्षकों की नियुक्ति हुई है। ये सभी पहले विशिष्ट शिक्षक या स्थानीय निकाय शिक्षक थे। विभाग ने अब यह निर्णय लिया है कि प्रधान शिक्षक के पद पर योगदान करने वाले शिक्षकों को भी उनकी योगदान तिथि से वेतन संरक्षण का लाभ मिलेगा। इससे प्रधान शिक्षकों को भी वेतन वृद्धि का बड़ा फायदा होगा। चुनावी वर्ष में शिक्षकों को वेतन संरक्षण का लाभ देने के इस फैसले को सीधे तौर पर बिहार विधानसभा चुनाव-2025 की तैयारियों से जोड़ा जा रहा है। शिक्षा विभाग के आदेश से लाखों शिक्षकों और उनके परिवारों में खुशी की लहर है, और माना जा रहा है कि यह कदम चुनाव में सरकार को राजनीतिक लाभ पहुँचा सकता है। राज्य सरकार ने शिक्षकों के बड़े तबके को साधने के लिए यह कदम उठाया है, क्योंकि बिहार की राजनीति में शिक्षक वर्ग हमेशा से प्रभावी रहा है। बिहार में नवंबर 2025 तक विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनावी घोषणा पत्रों से पहले सरकार की इस पहल ने विपक्ष के लिए भी नई चुनौती खड़ी कर दी है। शिक्षकों के हित में उठाए गए इस कदम को मुख्यमंत्री की चुनावी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, ताकि शिक्षकों के साथ-साथ उनके परिवारों के लाखों वोटरों पर असर डाला जा सकें। चुनावी वर्ष में शिक्षकों को वेतन संरक्षण का लाभ देने के इस फैसले को सीधे तौर पर बिहार विधानसभा चुनाव-2025 की तैयारियों से जोड़ा जा रहा है। शिक्षा विभाग के आदेश से लाखों शिक्षकों और उनके परिवारों में खुशी की लहर है, और माना जा रहा है कि यह कदम चुनाव में सरकार को राजनीतिक लाभ पहुँचा सकता है। राज्य सरकार ने शिक्षकों के बड़े तबके को साधने के लिए यह कदम उठाया है, क्योंकि बिहार की राजनीति में शिक्षक वर्ग हमेशा से प्रभावी रहा है। बिहार में नवंबर 2025 तक विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनावी घोषणा पत्रों से पहले सरकार की इस पहल ने विपक्ष के लिए भी नई चुनौती खड़ी कर दी है। शिक्षकों के हित में उठाए गए इस कदम को मुख्यमंत्री की चुनावी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, ताकि शिक्षकों के साथ-साथ उनके परिवारों के लाखों वोटरों पर असर डाला जा सकें।

बिहार में बज गया चुनावी बिगुल : आचार संहिता लागू होते ही हटाया जाने लगा पोस्टर

एजेंसी। पटना

बिहार में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। बिहार में दो चरणों में चुनाव होंगे। पहला चरण 6 नवम्बर और दूसरा चरण 11 नवम्बर को बिहार में मतदान होगा। वही 14 नवम्बर को मतों की गिनती होगी। जिसके बाद रिजल्ट प्रकाशित किया जाएगा। चुनाव की घोषणा के साथ ही बिहार में आज मंगलवार 6 अक्टूबर से आदर्श आचार संहिता लागू हो गया है। आचार संहिता लागू होते ही वैशाली में लगे बैनर पोस्टरों को हटाने का काम शुरू हो गया है। जहां-जहां बैनर और पोस्टर लगाये



गये हैं, वहां मजदूरों को पोस्टर हटाने में जिला प्रशासन ने लगा दिया है। मजिस्ट्रेट के मौजूदगी में पुलिस और नगरपालिका के कर्मचारी इसे हटवाने में लगे हैं। बिहार विधानसभा चुनाव का ऐलान होते ही राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। 6 और 11 नवम्बर को दो चरणों में मतदान होगा, जबकि 14 नवम्बर को मतगणना होगी। आचार संहिता लागू होते ही वैशाली में बैनर-पोस्टर हटाने का अभियान शुरू हो गया है।

बिहार के प्रधान डाकघर में लगी भीषण आग, जरूरी दस्तावेजों के साथ लाखों का सामान जलकर खाक

एजेंसी। पटना

बिहार के पश्चिम चंपारण जिले में सोमवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। जिले के प्रधान डाकघर में भीषण आग लग गई, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। यह घटना सुबह लगभग 8 बजे हुई, जब डाकघर के पोस्ट पेमेंट बैंक के भीतर अचानक आग की लपटें उठीं। बताया जा रहा है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। भारतीय ग्रामीण डाक कर्मचारी महासंघ के सचिव राजीव रंजन कुमार ने जानकारी दी कि वे सरकारी सिम लेने के लिए डाकघर पहुंचे थे, तभी उन्होंने धुआं उठता देखा। तुरंत कर्मचारियों ने मुख्य गेट पर जाकर बिजली आपूर्ति काट दी और आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू की। वहीं, डाकघर के कर्मचारी मुकूल राम ने बताया कि जैसे ही उन्होंने आग फैलते हुए देखी, सभी कर्मचारियों को बाहर निकालकर सुरक्षित किया गया। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन आग इतनी भीषण थी कि उस पर काबू पाने में कई घंटे लग गए। इस हादसे में छह कंप्यूटर, फर्नीचर, कुर्सियां, टेबल और हजारों रुपये की नकदी व जरूरी कागजात जलकर राख हो गए। विशेष रूप से जले हुए दस्तावेज डाकघर के कामकाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रिकॉर्ड थे, जिसके कारण कामकाज पर गंभीर असर पड़ा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि डाकघर में फायर सेफ्टी उपकरणों की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी, जिसके कारण आग तेजी से फैल गई और भारी नुकसान हुआ। घटना के बाद से डाकघर का कामकाज ठप हो गया है और ग्राहकों को सेवाओं के लिए इंतजार करना पड़ रहा है।

पटना में दर्दनाक हादसा : बाढ़ के पानी में डूबकर दो सगे भाइयों की मौत

एजेंसी। पटना

पटना से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। राजधानी के दीदारगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत महमदपुर गांव में एक ही परिवार के दो सगे भाइयों की बाढ़ के पानी में डूबने से मौत हो गई। यह हादसा उस समय सामने आया जब ग्रामीणों ने सुबह खेत में एक युवक का शव तैरता हुआ देखा। थोड़ी ही देर बाद वहीं पास में दूसरे भाई का शव भी मिलने से पूरे गांव में मातम छा गया। जानकारी के अनुसार, सोनावा पंचायत के ज्ञानचक गांव निवासी हरिद्वार सिंह के दो बेटे युवराज और बिराज कल दोपहर से लापता थे। परिजनों ने देर रात तक दोनों की तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। परिजन थक-हारकर घर लौट आए। वहीं सोमवार सुबह जब ग्रामीण खेत की ओर गए तो



उन्होंने बाढ़ के पानी में एक शव देखा। पहचान करने पर पता चला कि वह हरिद्वार सिंह का बेटा युवराज है। इसी दौरान कुछ दूरी पर दूसरे बेटे बिराज का शव भी मिला। यह खबर फैलते ही पूरे गांव में कोहराम मच गया। देखते ही देखते सैकड़ों ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए। घटना की सूचना मिलते ही मृतकों के परिजन भी मौके पर पहुंचे। दोनों बेटों के शव देखकर माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। हरिद्वार सिंह के परिवार में अब कोई पुत्र नहीं बचा है। ग्रामीणों के मुताबिक, दोनों भाइयों की उम्र लगभग 14 और 16 वर्ष के बीच थी। यह परिवार पहले ही आर्थिक रूप से कमजोर था और अब इस हादसे ने उनके जीवन में अंधेरा भर दिया है।

बिहार के कई 21 जिलों में एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट की हुई तैनाती

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले सरकार ने राज्य के 21 जिलों में नए एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट यानी कार्यपालक दंडाधिकारियों की तैनाती कर दी है। सामान्य प्रशासन विभाग की तरफ से इसको लेकर नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग की तरफ से जारी अधिसूचना में कहा गया कि, कार्यपालक दण्डाधिकारी के पद पर पदस्थापन हेतु ग्रामीण विकास विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक-4675096 दिनांक-05.10.2025 से सामान्य प्रशासन विभाग, बिहार, पटना को प्राप्त निम्नांकित पदाधिकारियों को उनके नाम के सम्मुख स्तंभ-4 में अंकित अनुमंडल में कार्यपालक दण्डाधिकारी के पद पर अगले आदेश तक पदस्थापित किया जाता है।

मुख्यमंत्री ने आज सुबह पौने 12 बजे पटना मेट्रो के पहले फेज की सेवा का शुभारंभ

पटना वासियों को मिल गई मेट्रो ट्रेन की सौगात

एजेंसी। पटना

पटनावासियों के लिए आज बड़ा दिन है। कई साल का इंतजार खत्म हो गया रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज सुबह पौने 12 बजे पटना मेट्रो के पहले फेज की सेवा का शुभारंभ कर दिया। पाटलिपुत्र बस टर्मिनल डिपो के पास बने मेट्रो स्टेशन से वह भूतनाथ से न्यू आईएसबीटी तक पहले फेज की मेट्रो के परिचालन का शुभारंभ किया। पटना मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (पीएमआरएल) ने परिचालन की अंतिम तैयारी पूरी कर ली है। इसके अलावा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कॉरिडोर वन के तहत पटना जंक्शन सहित छह भूमिगत मेट्रो स्टेशनों और



9.35 किलोमीटर लंबी सुरंग की आधारशिला भी रखेंगे। मेट्रो के कोच को मधुबनी पेंटिंग से खास तौर पर सजाया गया है, जो बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करता है। कोचों में गेट, खिड़कियों और अंदरुनी हिस्सों पर गोलघर, महावीर मंदिर, महाबोधि वृक्ष, बुद्ध स्तूप और नालंदा के खंडहर जैसे बिहार के विश्वप्रसिद्ध पर्यटक स्थलों के आकर्षक स्टिकर लगाए गए हैं। मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त जनक कुमार गर्ग पहले ही प्रायरिटी कॉरिडोर के तीन स्टेशनों पर मेट्रो के परिचालन को हरी झंडी दे चुके थे पटना मेट्रो प्रबंधन के अनुसार, मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त ने सिग्नलिंग सिस्टम, पटरियों की मजबूती, ट्रेन की गति, ब्रेकिंग सिस्टम और अन्य तकनीकी पहलुओं की गहन जांच की है। सभी मानकों पर खरा उतरने के बाद मेट्रो को परिचालन के लिए मंजूरी दी गई। शुरूआत में मेट्रो की अधिकतम गति 40 किलोमीटर प्रति घंटा होगी। आईएसबीटी से जीरो माइल का किराया 15 रुपये होगा। वहीं न्यू आईएसबीटी से भूतनाथ मेट्रो स्टेशन का किराया 30 रुपये निर्धारित किया गया है।



सुभाषितम्

कर्म की उत्पत्ति विचार में है, अतः विचार ही महत्त्वपूर्ण हैं।

- साई बाबा

संविधान बनाम सत्ता: जब सुप्रीम कोर्ट भी निशाने पर हो

दोस्तों, यह भारत के लोकतंत्र का सबसे दर्दनाक दृश्य है। जब देश के सर्वोच्च न्यायालय के भीतर भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) पर किसी वकील द्वारा जूता उछाल दिया जाता है। यह तस्वीर सिर्फ एक अदालत का घोर अपमान या हमला नहीं, बल्कि संविधान पर सीधा प्रहार करती है। यह घटना हमारे उस भारत की आत्मा को झकझोर कर रख देती है जिसकी वैश्विक पहचान उसके संविधान से है। यह वही संविधान है, जो आम नागरिकों को समान अधिकार देता है, और यह वही संविधान है जो देश की तमाम शक्तियों के साथ ही सत्ता को सीमाओं में बांधता है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के अंदर हुई इस अकल्पनीय घटना ने अब सवाल खड़े कर दिए हैं, कि क्या संविधान की मयार्दा बची रह गई है? गौर करें कि भारत में सत्ता और संविधान के बीच का संघर्ष कोई नया नहीं है, लेकिन जिस तरह आज संवैधानिक संस्थाएं एक-एक करके ढहती जा रही हैं, यह लोकतंत्र के लिए भयावह संकेत है। न्यायपालिका, जो अब तक विश्वास का आखिरी स्तंभ मानी जाती थी, उसी के भीतर असहिष्णुता और नफरत की राजनीति का प्रवेश हो जाना हमारी सामाजिक चेतना के पतन की निशानी है। घटना के प्रमुख पात्र बने वकील राकेश किशोर का यह कृत्य कोई एक व्यक्ति का आवेश नहीं था, बल्कि उस विषाक्त माहौल की उपज है जिसे पिछले कुछ वर्षों में सत्ता की सुविधा से पाला-पोसा गया। जब न्यायपालिका के फैसलों को धर्म, जाति या सत्ता के चश्मे से देखा जाने लगे, जब जजों की टिप्पणियां राजनीतिक बहस का हिस्सा बन जाएं, तब यह समझ लेना चाहिए कि लोकतंत्र खतरे में है। एक अहम मामले की सुनवाई कर रहे मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने जब कहा, कि मैं डरता नहीं हूं, कार्यवाही चलती रहनी चाहिए, तो यह सिर्फ एक व्यक्ति का साहस नहीं, बल्कि संविधान की आत्मा की पुकार थी। तब भी सवाल तो यही है कि क्या अब देश के भीतर संविधान की व्याख्या सत्ता के हिसाब से की जा रही है? क्या संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता सिर्फ औपचारिकता बन कर रह गई है? इस दृष्य की निंदा के साथ ही देश में न्यायपालिका के प्रति विश्वास बनाए रखना और लोगों को न्याय देने की प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करना समय की आवश्यकता है। पिछले 75 वर्षों में भारत की न्यायपालिका ने लोगों के बीच अपनी जो साख बनाई थी, अब वो परिस्थितियां बदल गईं हैं और वर्तमान चुनौतीपूर्ण नजर आने लगा है। यह सच है कि अदालतों में निष्पक्षता और संवेदनशील मुद्दों पर संतुलित दृष्टिकोण बनाए रखना अति-आवश्यक है। न्यायपालिका को यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी राजनीतिक या सामाजिक दबाव के चलते किसी भी तरह के फैसले प्रभावित न हों और संविधान और कानून के अनुसार निर्णय लिया जाए। इस घटना ने यह भी दिखाया कि न्यायपालिका का मौन और निष्पक्षता पर ध्यान न देने की स्थिति समाज में विद्रोह और असंतोष पैदा कर सकती है। ऐसे समय में न्यायपालिका को अपनी कार्यप्रणाली में सुधार लाने और न्याय की देवी के दृष्टिकोण से निष्पक्षता बनाए रखने की आवश्यकता है। कोर्ट में फैसले सुनाना न्यायाधीशों का काम है, लेकिन सुनना और तर्कों का मूल्यांकन करना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। यह घटना देश की न्यायपालिका के लिए एक गंभीर चेतावनी और सुधार का अवसर भी है। आज जरूरत है आत्ममंथन की, कि क्या हम वाकई उस भारत में रह रहे हैं जो बाबा साहेब अंबेडकर और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सपनों में था? या फिर हम उस दिशा में बढ़ चुके हैं जहां व्यक्तिगत सोच, धार्मिक आस्था और राजनीतिक हित संविधान से ऊपर हो गए हैं। सुप्रीम कोर्ट पर जूता उछाले जाने की घटना चेतावनी है कि अगर संविधान की गरिमा की रक्षा अभी नहीं हुई, तो आने वाली पीढ़ियां न्याय की इस पवित्र संस्था को इतिहास की किताबों में खोजती रह जाएंगी। लोकतंत्र तभी जीवित रहेगा जब हम संविधान के शब्दों में नहीं, उसकी भावना में विश्वास रखें।

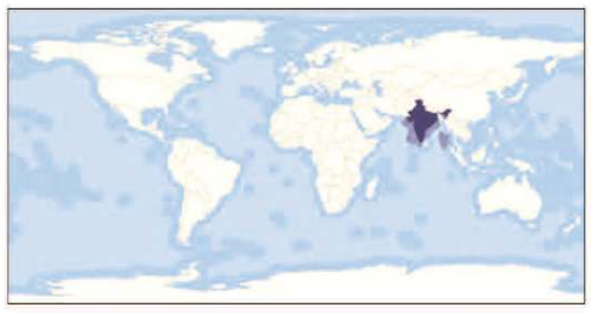
चिंतन-मनन

कौन है नीतिनिष्ठ व्यक्ति?

सदाचार एक व्यापक और सार्वभौम तत्व है। देशकाल की सीमाएं इसे न तो विभक्त कर सकती हैं और न इसकी मौलिकता को नकार सकती हैं। जिस प्रकार सूर्य का प्रकाश सबके लिए होता है, उसी प्रकार सदाचार के मूलभूत तत्व मानव मात्र के लिए उपयोगी होते हैं। कुछ व्यक्ति अपने राष्ट्र, कुल या परंपरागत आचार को विशेष महत्व देते हैं, किंतु यह अपनेपन का व्यामोह है। जो कुछ मैं कर रहा हूं, वह सदाचार है, इस धारणा की अपेक्षा व्यक्ति को ऐसी धारणा सुदृढ़ करनी चाहिए कि जो सत आचरण है, वह मेरे लिए करणीय है। सदाचारी व्यक्ति नीतिनिष्ठ होता है। वह किसी भी स्थिति में नीति के अतिप्रमण को अपनी स्वीकृति नहीं दे सकता। नीतिनिष्ठ व्यक्ति को परिभाषित करते हुए कहा गया है- जिस व्यक्ति में अभय, मृदुता, सत्य, सरलता, करुणा, धैर्य, कर्तव्यनिष्ठ और व्यक्तिगत संग्रह का संयम और प्रामाणिकता होती है, वह नीतिमान कहलाता है। जो व्यक्ति सत्य के प्रति समर्पित होता है, अन्याय का प्रतिकार करते समय भयभीत नहीं होता, अपनी भूल ज्ञात होने पर उसे स्वीकार करने में संकोच नहीं करता और कठिनतम परिस्थिति का मुकाबला करने के लिए तैयार रहता है, वह अभय का साधक होता है। कोमलता का नाम मृदुता है। यह सामूहिक जीवन की सफलता का सूत्र है। इसके द्वारा व्यक्ति के जीवन में सरसता आती है। मृदु स्वभाव में लोच होती है, इस स्वभाव वाला व्यक्ति किसी भी वातावरण को अपने अनुकूल बना लेता है। सत्य का अर्थ है यथार्थता। जो तथ्य जैसा है उसे वैसा ही जानना, मानना, स्वीकार करना और निभाना सत्य है। सत्य की साधना कठिन अवश्य है, पर है आत्मतोष देने वाली। आर्जव सरलता का पर्यायवाची शब्द है। सरलता सदाचार की आधारभूमि है। इसी उर्वरा में सदाचार की पौध फलती-फूलती है। मायावी व्यक्ति कभी सदाचारी नहीं हो सकता। करुणा सदाचार का मूल है। जिस व्यक्ति के अंतःकरण में करुणा नहीं होती, वह अहिंसा के सिद्धांत को समझ नहीं सकता। अहिंसा के बिना समता का विकास नहीं होता।

भारत को अपने समुद्री सीमा को अधिक मजबूत करना होगा

- संजय गोस्वामी



भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के निर्णायक सैन्य जवाब के रूप में 07 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। कश्मीर में 22 अप्रैल के आतंकवादी हमले में एक नेपाली नागरिक सहित 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई। ऑपरेशन सिंदूर के तहत, भारतीय सशस्त्र बलों ने पीओके और पाकिस्तानी क्षेत्र में 9 आतंकी स्थलों को निशाना बनाया,मई 2025 में पाकिस्तान के साथ भारत का हमला ऑपरेशन सिंदूर से वायु क्षेत्र में भारत की शक्ति में वृद्धि हुआ, इसलिए भारत ने पुराने मिग 21 विमान को अलविदा कर दिया बाद के घटनाक्रमों का ध्यान समुद्री क्षेत्र की ओर मोड़ दिया है, जैसा कि भारत और पाकिस्तान दोनों की प्रमुख नौसैनिक गतिविधियों, क्षमता और आधिकारिक बयानों में देखा जा सकता है, जहाँ उनकी नौसेनाएँ अपनी स्थिति में सुधार कर रही हैं और युद्ध से निपटने के लिए तैयारी का संकेत दे रही हैं। 2 अक्टूबर को, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1965 के युद्ध का हवाला देते हुए, पाकिस्तान को एक तीखी प्रतिक्रिया की चेतावनी दी, जो भारत में किसी तरफ के आतंकवादी घटना में पाकिस्तान द्वारा किसी भी दुस्साहस की स्थिति में उसके इतिहास और भूगोल को बदल सकती है लेकिन पाकिस्तान समुद्री क्षेत्र में सैन्य बुनियादी ढाँचे का विस्तार कर रहा है, यह एक ऐसा विकास है जो 2023 से जारी है। ऐतिहासिक रूप से, पाकिस्तान को इस क्षेत्र में एक सैन्य बढ़त हासिल रही है। यह अगस्त में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी द्वारा दिए गए उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि भविष्य में किसी भी संघर्ष में पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करने वाली नौ सेना पहली सेना होगी नौसेना से जुड़ी हाल की खबरें बताती हैं कि भारत ने अपना पहला स्वदेशी 3डी निगरानी रडार लांजा-एन प्राप्त किया है, जो हवाई और सतह के लक्ष्यों का पता लगा सकता है। साथ ही, नौसेना को दो आधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट, आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि को भी शामिल किया गया है, जिससे उसकी शक्ति में वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, भारतीय नौसेना ने सफलतापूर्वक वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल का परीक्षण किया, जो हवाई खतरों से निपटने में सक्षम है। ऑपरेशन सिंदूर में नौसेना की स्थिति को देखते हुए यह डिजाइन किया गया है स्वदेशी रूप से डिजाइन किए गए पहले युद्ध पोत, आईएनएस निस्तार का शामिल होना और दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस के साथ भारत का पहला संयुक्त गश्ती दल की क्षमता व युद्ध पोत का निर्माण और हिंद-प्रशांत महासागर में में उसकी तैनाती दोनों को दशार्ता है, कि भारत की महासागर में पकड़ मजबूत है लेकिन पाकिस्तान भी जहाँ कराची और ग्वादर में चीन की उपस्थिति चिंता जनक है। पाकिस्तान ने अपने समुद्री सिग्नलिंग को हाल ही भी मजबूत किया है। मई में, उसने युद्ध में समुद्री आक्रमण से बचने के लिए कराची से ग्वादर तक समुद्र में युद्ध पोत की अपनी तैनाती बढ़ा दीं है। तब से, चीन द्वारा निर्मित हैंगोर श्रेणी की पनडुब्बी, पीएनएस मैंग्रो का प्रक्षेपण किया है और घरेलू स्तर पर विकसित पी282 जहाज से प्रक्षेपित करने वाला बैलिस्टिक मिसाइल का प्रदर्शन किया है। इसके बाद भारत ने नोटिस टू एयरमैन को जारी किया जाता है जब हवाई यातायात की आवाजाही एक निश्चित अवधि के लिए प्रतिबंधित होती है।, कई , मिसाइल का भी परीक्षण किया और लाइव-री अभ्यास भी हुए हैं झ कभी-कभी केवल 60 समुद्री मील की दूरी पर झ जिससे अरब सागर में अलर्ट और परिचालन का एक चक्र बना रहा है । नौसेना सिग्नलिंग का महत्व ऑपरेशन सिंदूर के बाद नौसेना की गतिविधियों में वृद्धि एक बुनियादी सवाल उठाती है कि क्या ये समानांतर अभ्यास केवल नियमित गतिविधियाँ हैं या नौसेना क्षेत्र में भारत-पाकिस्तान निरोध समीकरण में बदलाव का संकेत देने वाला एक सुनियोजित बल प्रदर्शन है। इसका उत्तर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि मौजूदा संकट, हालाँकि हवाई क्षेत्र में हल हो गया है, लेकिन समुद्र में रणनीतिक अनिश्चितता का एक अवशेष छोड़ गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि भारत और पाकिस्तान अपनी नौसैनिक स्थिति को नए सिरे से तैयार कर रहे हैं, न केवल प्रतिरोध के लिए, बल्कि इस संभावना के लिए भी तैयारी कर रहे हैं कि टकराव का अगला चरण समुद्री क्षेत्र में सामने आ सकता है। इस बदलाव को क्षमताओं के व्यापक संतुलन के संदर्भ में भी समझा जाना चाहिए। वायु क्षेत्र की तरह, समुद्री संतुलन को अब 1999 में कारगिल युद्ध में जीत मिली लेकिन समुद्र में उसकी शक्ति की कम थी जब 1971 में भारत पाकिस्तान युद्ध में जिस तरह अमेरिका के युद्ध पोत जंग में भारत के लिए खतरा बना था जिसे रूस के युद्ध पोतों ने टाला था और भारत विजय हुआ लेकिन 26/11/08 में समुद्री मार्ग से पाकिस्तान के आतंकवादी का घुसना और मुंबई में कत्लेआम मचाना भी समुद्री मार्ग एक कमजोर कड़ी के रूप में देखा जाता है । भारत की नौ सेना की ताकत कम नहीं है, लेकिन उसकी नौसैनिक क्षमता अब पुरानी होती जा रही है, जिससे आधुनिकीकरण की चिंताएँ बढ़ रही हैं। पाकिस्तान लगातार अपनी क्षमताओं का विस्तार कर रहा है, चीन द्वारा डिजाइन की गई पनडुब्बियों और तुर्की से बाबर श्रेणी के कोरवेट को शामिल कर रहा है। उन्नत रडार, इलेक्ट्रॉनिक युद्धक उपकरणों और बहुमुखी वायु-रोधी और सतह-रोधी हथियारों के साथ, ये संपत्तियाँ महत्वपूर्ण हैं। इस बदलाव को स्वीकार करते हुए, भारत के नौसेना प्रमुख ने पाकिस्तान की नौसेना की शक्ति में आश्चर्यजनक वृद्धि की ओर भी इशारा किया था। हालाँकि भारत की बढ़त अभी भी बनी रह सकती है, लेकिन यह अंतर कम होता जा रहा है, जिससे हिंद महासागर में निर्विवाद प्रभुत्व की धारणाएँ और भी जटिल हो रही हैं। कुल मिलाकर, ये घटनाएँ तीन कारणों से महत्वपूर्ण हैं: तनाव नियंत्रण, बाहरी हस्तक्षेप और दोनों पक्षों के बदलते सिद्धांत। पहला, समुद्र में तनाव नियंत्रण कहीं अधिक कठिन है। हवाई झड़पों के विपरीत, जिन्हें संतुलित करके पीछे हटाया जा सकता है, किसी भी नौसैनिक मुठभेड़ (जहाज पर जहाज या जमीन पर जहाज) में युद्ध की दहलीज पार करने का जोखिम अधिक होगा। 1971 की यादें, जब भारतीय नौसैनिक अभियानों ने संघर्ष को निर्णायक रूप से बदल दिया था, अतिरिक्त संवेदनशीलता जोड़ती हैं - यहाँ तक कि सीमित समुद्री कार्रवाई भी पाकिस्तान की रणनीतिक कल्पना में अस्तित्व के जोखिम से जुड़ी है। तब से, पाकिस्तान की मुख्य समुद्री चिंता भारतीय नौसैनिक अभियानों के प्रति अपनी कमजोरी की पुनरावृत्ति को रोकना रही है, जो पहुँच-रोधी/क्षेत्र-निषेध क्षमताओं की खोज और निषेध द्वारा निवारण की ओर उन्मुख सिद्धांत की क्रमिक अभिव्यक्ति में दिखाई देती है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के ढाँचे के तहत ग्वादर के विकास को भी इसी निवारण तर्क के अंतर्गत समझा जाना चाहिए। पाकिस्तान के निर्णयकर्ता लंबे समय से कहते रहे हैं कि ग्वादर की उत्पत्ति बीजिंग की बजाय इस्लामाबाद की अपनी रणनीतिक गणनाओं में निहित है। इस प्रकार, ग्वादर और कराची केवल आर्थिक केंद्र ही नहीं हैं - वे भारत के लिए एक मनोवैज्ञानिक दबाव भी हैं। इस पृष्ठभूमि में, यदि भविष्य में भारतीय नौसेना को प्रत्यक्ष अभियानों में शामिल किया जाता है, तो युद्ध के अलावा अन्य किसी भी दबाव की गुंजाइश काफी कम हो जाएगी, और भारत को पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी की उपस्थिति और उसके दांव पर भी विचार करना होगा।

शांतिप्रिय मध्य प्रदेश में बढ़ता अपराध

- दिलीप कुमार पाठक



मध्यप्रदेश को कौशल प्रदेश, शांतिप्रिय प्रदेश कहा जाता है। एमपी के जबलपुर हाईकोर्ट के बाहर एक बड़ा बोर्ड लगा हुआ है जहां लिखा है कौशल प्रदेश, कुशल प्रदेश, शांत प्रदेश। ये थीम एमपी के कानून व्यवस्था की कहानी कहती है, मध्यप्रदेश के प्रमुख महानगरों इंदौर जबलपुर, भोपाल, ग्वालियर, उज्जैन, खजुराहो आदि में देश - दुनिया के पर्यटकों का जमावड़ा रहता है, वहीं एमपी के लोगों को भी शांत प्रवृत्ति का माना जाता है। आज भी हमारे जैसे लोगों का अनुभव कहता है कि देश के अन्य राज्यों की तुलना में एमपी अधिक शांति प्रिय लोगों का प्रदेश है। इंदौर, जबलपुर, भोपाल, ग्वालियर जैसे महानगरों में लोग दिन - रात स्वछंदता से घूम सकते हैं। एमपी में अपराधीकरण, माफियागिरी नहीं है, परंतु कुछ सालो से एमपी में ब्यूरोक्रेसी की बढ़ती तानाशाही, प्रशासन की गैर जिम्मेदारी आम लोगों के लिए चिंता का विषय बन गई है। एमपी में बढ़ता भ्रष्टाचार भी लोगों को डरा रहा है, जब ब्यूरोक्रेट करप्ट हो जाते हैं तो अपराध भी धीरे-धीरे अपने पैर पसार लेता है, जो किसी भी मध्यप्रदेश के निवासी के लिए चिंता का विषय है। जब अपराधीकरण बढ़ने लगता है तो, विकास के रास्ते में अवरोध उत्पन्न होने लगते हैं, ब्यूरोक्रेसी मदमस्त हो जाती है तो आम जनता भ्रस्टाचार, एवं बढ़ते अपराधीकरण के कारण सहम जाती है। बीते कुछ महीनों से एमपी में मर्डर, जैसे केस बढ़ते जा रहे हैं, पन्ना जिले के अजयगढ़ में एक युवती के घर में घुसकर कुछ लोगों ने दुष्कर्म किया और उसके छोटे से बच्चे सहित उसकी हत्या कर दी। इस दुष्कर्म एवं हत्या ने पूरे जिले में सनसनी फैला दी कि एमपी में अपराधियों का बोलबाला हो गया है, अन्यथा अजयगढ़ जैसे शांति प्रिय जगहो पर कभी मर्डर, रेप जैसी घटनाएं सुनने को नहीं मिलती, परंतु अब लोगों में एक खौफ बढ़ रहा है, अहिस्ता, अहिस्ता। अजयगढ़ पन्ना जैसे इलाकों में लोगों के अंदर एक खौफ है। ऐसे ही एक घटना रोंगटे खड़े कर देने वाली है। बीते एक महीने में मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में 11 बच्चों की मौत के बाद राज्य में बाल स्वास्थ्य को लेकर सवाल उठ रहे है। इन बच्चों के परिवार का कहना है कि कफ सिरप पीने के बाद बच्चों का स्वास्थ्य तेजी से बिगड़ा और उन्हें बचाया नहीं जा सका। मध्य प्रदेश ड्रग कंट्रोल विभाग ने शनिवार सुबह तमिलनाडु में बनने वाली कोल्ड्रिफ कफ सिरप पर प्रतिबंध लगा दिया था। वहीं शनिवार रात पुलिस ने सरकारी डॉक्टर प्रवीण सोनी, कफ सिरप बनाने वाली कंपनी श्रीसन फार्मास्युटिकल्स के संचालकों और अन्य जिम्मेदारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यह कार्रवाई 5 अक्तूबर को परासिया ब्लॉक के चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अंकित सहलाम की शिकायत पर हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, सिरप में 48.6 प्रतिशत डायथिलीन ग्लाइकॉल पाया गया, जो जहरीला रसायन है और सेहत के लिए घातक साबित हो सकता है. यह कफ सिरप तमिलनाडु स्थित श्रीसन फार्मास्युटिकल कंपनी बनाती है। अब सवाल उठते हैं कि ये सब एमपी में बढ़ क्यों रहा है? क्या प्रशासन को इस बढ़ते अपराध की जानकारी नहीं मिलती।

अभी पिछले दिनों रिपोर्ट जारी हुई है कि बच्चों के लिहाज से एमपी में अपराध बढ़ते जा रहे हैं, जो लोगों में बढ़ते खौफ की कहानी कहते हैं। यहां क्राइम रेट 77.9 फीसदी है। अपराध की ये संख्या साल 2022 में 20415 और साल 2021 में 19173 थी। इस तरह बच्चों की सुरक्षा के नजरिए से मध्य प्रदेश की हालत साल दर साल बदतर होती जा रही है। बच्चों के खिलाफ अपराध के मामले में मध्य प्रदेश देश में सबसे ऊपर है। ठउफ्ह के आंकड़ों के मुताबिक, साल 2023 में मध्य प्रदेश के अंदर बच्चों से जुड़े अपराध में 22393 मामले दर्ज किए गए। यहां क्राइम रेट 77.9 फीसदी है। अपराध की ये संख्या साल 2022 में 20415 और साल 2021 में 19173 थी। इस तरह बच्चों की सुरक्षा के नजरिए से मध्य प्रदेश की हालत साल दर साल बदतर होती जा रही है। हत्या, रेप के बाद हत्या, शिशु और भ्रूण हत्या के मामले में मध्य प्रदेश की कहानी बदत्तर होती जा रही है।

मध्य प्रदेश में मां के गर्भ से बच्चे के जन्म तक, रेप के बाद मर्डर से लेकर अन्य मामलों में हत्या के मामले भरे पड़े हैं। राज्य में आज भी मां के गर्भ में बच्चे को खत्म कर दिया जाता है। साल 2023 में भ्रूण हत्या के कुल 87 मामलों में 20 एमपी में दर्ज किए गए। जैसे-तैसे अगर बच्चा जन्म ले लेता है, तो उसकी भी हत्या कर दी जाती है। साल 2023 में शिशु हत्या के कुल 63 मामलों में 12 एमपी में दर्ज किए गए थे। माँ के गर्भ से सुरक्षित बच निकलने के बाद बच्चा जैसे-तैसे अपना जीवन शुरू करता है। मगर कुछ दरिंदे बच्चों के साथ रेप के बाद हत्या और अन्य तरह से हत्या की घटनाओं को अंजाम देकर देश के भविष्य को नष्ट कर देते हैं। साल 2023 में बच्चों की हत्या से जुड़े 1177 मामले सामने आए थे। इनमें से 100 एमपी में दर्ज हुए। रेप के बाद मर्डर के 86 मामलों में 11 एमपी में दर्ज हुए। बच्चों को आत्महत्या के लिए उकसाने वाले 368 मामले में 104 मामले एमपी में दर्ज हुए हैं। अन्य राज्यों से तुलना करें तो दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र और तीसरे नंबर पर उत्तर प्रदेश का स्थान आता है। एमपी शांति प्रिय लोगों का प्रदेश है, बढ़ते अपराध पर कानून व्यवस्था को लेकर जो प्रश्न उठ रहे हैं, उसको दुरुस्त किए जाने की दरकार है। एमपी सरकार को ध्यान रखना चाहिए कि प्रदेश के लोगों में खौफ स्थापित न हो जाए। प्रदेश में कानून का राज होना चाहिए जिससे शांति भंग न हो।

सुलगते लद्दाख के बीच सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी का मुद्दा!

- डॉ श्रीगोपाल नारसन

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लिए पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर चल रहा आंदोलन अब हिंसक हो गया, इस आंदोलन में चार लोगों की जान चली गई। हालात पर काबू पाने के लिए कर्फ्यू तक लगाना पड़ा है। सरकार ने इस हिंसा के लिए लंबे समय से भूख हड़ताल कर रहे सोनम वांगचुक को जिम्मेदार ठहाराया है। उन्हें गिरफ्तार करने के साथ ही उनके एनजीओ का एफसीआरए लाइसेंस रद कर दिया गया। साधारण जीवनशैली आंदोलनकारी सोनम वांगचुक का जन्म 1 सितंबर, 1966 को लेह में हुआ था। उनके पिता का नाम सोनम वांग्याल और मां का नाम तेजरिंग वांगमो है। उनके पिता राज्य सरकार में मंत्री भी रहे। उनके जन्म के समय उनके गांव में कोई स्कूल नहीं था, ऐसे में 9 साल की उम्र तक सोनम की मां ने उन्हें लद्दाखी भाषा में पढ़ाया। बाद में उन्होंने श्रीनगर के एनआईटी से इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की। इंजीनियरिंग करने के दौरान ही वह बच्चों को पढ़ाने भी लगे तो उन्हें सरकारी शिक्षा की कमियों का पता चला। इसके बाद उन्होंने इसमें सुधार के लिए ऑपरेशन न्यू होप शुरू किया। उनके द्वारा सन 1988 में शैक्षिक सांस्कृतिक आंदोलन एसईसीएमओएल शुरू किया गया। साथ ही पहाड़ी इलाकों में पर्यावरण के अनुकूल घर डिजायन किए गए। सोनम वांगचुक ने गीतांजलि जे. आंगमो से शादी की है, जिन्हें प्यार से लोग गीतांजलि जेबी भी कहते हैं,जो शिक्षाविद हैं। सोनम और गीतांजलि ने मिलकर लद्दाख में हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव्स (एचआईएलएल) की स्थापना की। सोनम को प्रकृति और पर्यावरण से बेहद लगाव रहा। उन्होंने अपना घर बनाने के लिए स्थानीय मिट्टी, पत्थर और लकड़ी का इस्तेमाल किया। उन्होंने अपने घर में सोलर हीटिंग सिस्टम और इंसुलेटेड मिट्टी और पत्थर का इस तरह से इस्तेमाल किया है कि माइनस 30 डिग्री सेल्सियस में भी उनका घर गर्म बना रहता है। उन्होंने अपने घर बगीचे को छोटे वर्कशॉप, सौर ऊर्जा और वाटर मैनेजमेंट के प्रोजेक्ट को लाइव डेमो के रूप में दिखाने के तौर पर विकसित कर रखा है। सोनम वांगचुक को कई भाषाएं सीखने की ललक लगी और उन्होंने 9 भाषाएं सीख लीं। इन सभी भाषाओं को वह अच्छी तरह से समझ और बोल सकते हैं। सोनम ने विज्ञान और गणित जैसे विषयों को भी लद्दाखी भाषा में पढ़ाने की मुहिम भी शुरू की। लेह में हुई हिंसा के बाद प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे सोनम वांगचुक को पुलिस ने गिरफ्तार कर उन पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई की गई है। विपक्षी दलों ने गिरफ्तारी का विरोध किया है। पुलिस वांगचुक के भाषणों की समीक्षा कर रही है, जिसमें युवाओं को उकसाने के आरोप लगे थे। गृह मंत्रालय के अनुसार वांगचुक के भाषणों ने भावनाओं को भड़काया। वांगचुक ने लेह में अपनी लंबी भूख हड़ताल के दौरान भड़काऊ भाषण में अरब स्प्रिंग और नेपाल में छात्र विरोध प्रदर्शनों का संदर्भ दिया था। गृह मंत्रालय के अनुसार, इन टिप्पणियों ने भावनाओं को भड़काया और 24 सितंबर को लेह में आंदोलन ने हिंसक रूप ले लिया। उसी दौरान भीड़ ने सरकारी कार्यालयों पर हमला किया, वाहनों को आग लगा दी और पुलिस के साथ झड़प की। जवाबी कार्रवाई में, सुरक्षा बलों ने गोलीबारी की, जिसमें चार नागरिकों की मौत हो गई।

आज का राशिफल

मेष नई जगह पर निवेश करने का विचार बना रहे हैं, तो सोच-समझकर फैसला लेना लाभकारी सिद्ध होगा।

वृषभ दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। कामकाज की स्थिति अच्छी बनी रहेगी।

मिथुन लंबे समय से किसी समस्या का सामना कर रहे थे तो अब आपको समाधान मिल सकता है।

कर्क परिस्थितियां बदलती हुई नजर आ सकती हैं। ऐसे में आपके लिए लाभ की स्थितियां बन सकती हैं।

सिंह आपका दिन मेहनत भरा रह सकता है। कार्यक्षेत्र में कामकाज के सिलसिले में कुछ देरी हो सकती है।

कन्या समय की कमी है तो आप अपने अधूरे पड़े कार्यों को पूरा करने के बारे में विचार कर सकते हैं।

तुला अगर आप कुछ धन निवेश करते हैं, तो इससे स्थितियां बेहतर हो सकती हैं।

वृश्चिक आपके द्वारा पहले लिए गए निर्णय अब लाभदायक सिद्ध हो सकते हैं।

धनु मांगलिक कार्य आयोजित होने के चलते कार्यक्षेत्र में अपने कामकाज पर कम ध्यान दे पाएंगे।

मकर लंबे समय से समस्या का सामना कर रहे थे, तो उससे छुटकारा मिल सकता है।

कुंभ विरोधियों से सावधान रहने की जरूरत है, अन्यथा वे आपके कार्यों में बाधा डाल सकते हैं।

मीन स्वास्थ्य में गिरावट देखने को मिल सकती है, जिसके चलते कामकाज में भी कम रुचि रहेगी।

विशेष

लंदन में भारतीय आतंकवादी बने?

लंदन के टेवि स्टॉक स्क्वायर मैं महात्मा गांधी की प्रतिमा पर आपत्तिजनक नारे लिखे गए।गांधी प्रतिमा पर पेंट से हिंदुस्तानियों को आतंकी लिखा गया। गांधी प्रतिमा का अपमान किया गया। भारत के राजदूत ने कहा, महात्मा गांधी के अहिंसा और शांतिपूर्ण विचारों पर हमला है। भारतीय राजदूत वहां के प्रशासन के साथ मिलकर प्रतिमा की मरम्मत और सुरक्षा को लेकर विचार विमर्श कर रहे हैं। 1968 में महात्मा गांधी की इस प्रतिमा का निर्माण हुआ था। 2025 तक आते-आते महात्मा गांधी और भारतीय वहां आतंकी हो गए हैं? अब गांधी क्यों आतंकी हुए हैं, इसका कारण खोजा जा रहा है। भारत में जो बोया जा रहा है वहीं लंदन में अब काटा जा रहा है।

सारी दुनिया में बना मजाक

भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच को लेकर इस समय घमासान मचा हुआ है। सारी दुनिया में भारत और पाकिस्तान का मजाक उड़ाया जा रहा है। भारत में जो राजनीति होनी थी। वह जरूर इस क्रिकेट मैच से हो रही है। पैसा भी मिला और राजनीतिक समीकरण भी पूरे हुए। पाकिस्तान के खिलाफ भारत और पाकिस्तान में एक दूसरे के खिलाफ जो आक्रमक माहौल बनाना था। वह बन गया है इस क्रिकेट मैच में खेल और राष्ट्रवाद के स्थान पर हिंदू-मुस्लिम जरूर हो रहा है। दोनों देशों के राजनेताओं का अस्तित्व एक दूसरे के विरोध में टिका हुआ है। वही इस क्रिकेट मैच के परिणाम में भारत और पाकिस्तान के बीच देखने को मिल रहा है। इसी को कहते हैं एक तीर से दो शिकार।

कार्टून कोना



आज का इतिहास

1552: अंग्रेजी भाषा के कवि और खोजी सर वाल्टर रैले का जन्म। 1879: ब्रिटेन ने अफगानिस्तान पर हमला किया। 1919: गांधीजी की नवजीवन पत्रिका का प्रकाशन शुरू हुआ। 1949: पूर्वी जर्मनी में जनवादी गणराज्य की स्थापना हुई थी। 1950: मदर टेरेसा ने कोलकाता में मिशनरीज ऑफ चैरिटीज की स्थापना की। 1958: पाकिस्तान में राष्ट्रपति सिकंदर मिर्जा ने मार्शल लॉ लागू किया। 1963: अमरीकी ब्रिटेन और सोवियत संघ ने परमाणु परीक्षण निर्बंध संधि पर हस्ताक्षर किए। 1967: यूनान की सैनिक सरकार ने निष्कासित प्रधानमंत्री और अन्यों पर लगे प्रतिबंध उठा लिए। 1970: संयुक्त अरब गणराज्य के उपराष्ट्रपति अनवर सादात ने राष्ट्रपति का कार्यभार संभाला। 1976: सैनिक सरकार ने थाईलैंड में स्थिति सामान्य बनाने के लिए प्रतिबंधों में ढील देनी शुरू की।

दैनिक पंचांग

7 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.42 बजे से
चंद्र	मीन में	वृश्चिक	08.57 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	11.13 बजे से
बुध	तुला में	मकर	13.18 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	15.04 बजे से
शुक्र	सिंह में	मीन	16.37 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.08 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.48 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.46 बजे से
राहुकाल	3.00 से 4.30 बजे तक	कर्क	23.59 बजे से
		सिंह	02.16 बजे से
		कन्या	04.27 बजे से

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक		काल	05.42 से	07.13 बजे तक	
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक		लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक	
चर	08.15 से	10.19 बजे तक		उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक	
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक		शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक	
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक		अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक	
काल	01.16 से	02.45 बजे तक		चर	01.19 से	02.51 बजे तक	
शुभ

संक्षिप्त समाचार

संथाल समाज का फैसला, गांव की खुशहाली के लिए 26-27 को मनेगा माक मोडें काराम महापर्व

दुमका, एजेंसी। दुमका के रामगढ़ प्रखंड के केन्दुआ टीकर गाँव में रविवार को खेरवाड़ सांवता एभेन बायसी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में विभिन्न ग्रामों के माँझी बाबा और लेखाहोड ने हिस्सा लिया । जिसमें मुख्य रूप से माक् मोडें काराम पर्व और सप्ताहिक मंझी थान पूजा पर गहन चर्चा हुई। बैठक में माक् मोडें काराम पर्व की महत्ता पर विस्तार से बात हुई। संताल आदिवासी समुदाय में यह पर्व तब मनाया जाता है, जब गाँव में किसी तरह की दु :ख-तकलीफ दूर होती है, या फसल अच्छी नहीं होने की स्थिति में मांगी गई मन्नत पूरी हो जाती है। दु :ख-तकलीफ दूर होने पर सभी ग्रामीण एकजुट होकर यह महापर्व मनाते हैं। इस पर्व के दौरान, गुरुओं द्वारा धरती की उत्पत्ति, मानव जाति की उत्पत्ति, और जन्म से मरण तक के जीवन चक्र पर चर्चा की जाती है। संताल समुदाय स्वयं को पिलचु हाडाम और पिलचू बुढी का वंशज मानता है, जिनके 7 लड़के और 7 लड़कियाँ हुईं, और आगे चलकर यह समुदाय 12 गोत्रों में विभाजित हुआ। माह मोड़े काराम विनती में हिहिडी, पिपिडी, चाय-चाम्पा, खोज कामान, शिर गाढ़, शिकारगाड जैसे श्रेष्ठ एवं पवित्र किलों का भी वर्णन मिलता है ।सर्वसम्मति से ग्रामीणों और बायसी ने इस वर्ष माक् मोडें काराम महापर्व को 26 से 27 अक्टूबर 2025 को मनाने का निर्णय लिया।

नई उम्मीद के साथ खेतों की ओर लौट रहे हैं सब्जी किसान, भारी बारिश से हुआ था काफी नुकसान

रांची, एजेंसी। झारखंड में सब्जियां उगाने वाले किसान परेशानियों से उबरने की कोशिश में हैं। भारी बारिश और बाढ़ से उन्हें काफी नुकसान हुआ था। अब वे अपनी जिंदगी दोबारा पटरी पर लाने की कोशिश कर रहे हैं। खेतों में काम करते कई किसान अपने नुकसान और उससे उबरने की कहानियां बताते हैं। उन्हें उम्मीद है कि मौजूदा मौसम नई शुरुआत में मददगार होगा। इच्छापिडी गांव के किसान लाला गोप ने कहा कि, इस बरसात में जितना पानी हम पहले कभी नहीं देखे थे, जितना अबकी बार बारिश हुआ है। और अभी तक होते ही रहा है। जितना फसल था, सबमें नुकसान है। सबकुछ सही रहता है तो चार लाख, पांच लाख छह महीना में हम लोगों का हो जाता है। बेनिफिट, कमाई। नुकसान तो लगभग चार लाख के आसपास का हो गया है मेरा। इसी भरोसे पर किसान खेतों का रुख कर रहे हैं। उन्हें यकीन है कि सब्जियों की खेती से उन्हें अच्छा मुनाफा होगा और वे पिछले सीजन में हुए नुकसान की भरपाई कर सकेंगे। हालांकि उन्हें अभी तक सरकारी मदद का इंतजार है। इस वजह से माहौल में अनिश्चितता भी है। कोंकी गांव के किसान दाहरू ओरांव ने कहा कि, बारिश इतना जोरदार हम लोग नहीं देखे हैं। अभी जो हम लोग ई खेत में जो खड़ा हैं, इनमें इससे पहले हम लोग एक फसल लगा चुके थे। ऊ बिल्कुल पानी की वजह से मेरा खत्म हो गया। ई दूसरा फसल है। सहायता क्या? बैल-बकरी बेच के लगा दिए हैं। अब सहायता जब तक सरकार से नहीं होगा, तो फिर हम लगाएंगे खेती में कैसे? बाल-बच्चा मेरा पालन-पोषण होगा कैसे? पढ़ाई-लिखाई कैसे होगा? यही सोच रहे हैं हम। सब्जियां उगाने वाले किसान इन दिनों खेतों में नए पौधे लगा रहे हैं। वर्षों से उनकी जिंदगी प्रकृति की दया के भरोसे रही है। उन्हें अपनी परेशानियों के स्थायी समाधान का इंतजार है।

हाई टेंशन तार की चपेट में आने से मासूम बच्ची की दर्दनाक मौत, आक्रोश में 5 घंटे जाम रही सड़क

चतरा/ रांची , एजेंसी। झारखंड के चतरा जिले के सिमरिया थाना क्षेत्र के डाड़ी चौक में रविवार को बिजली के हाई टेंशन तार की चपेट में आने से एक 8 वर्षीय मासूम बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई। मृतका की पहचान पलामू जिले के पदमा-पांकी निवासी जानू कुमारी के रूप में हुई है। जानू कूड़ा-कचरा बीनने का काम करती थी। घटना तब हुई जब जानू डाड़ी चौक स्थित एक बिल्डिंग की छत पर खाली बोतलें चुनने के लिए चढ़ी थी। इसी दौरान बिल्डिंग के ऊपर से गुजर रहे 11,000 वोल्ट के हाई टेंशन तार की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई ।घटना से आक्रोशित लोगों और परिजनों ने बिजली विभाग के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया और टंडवा-सिमरिया मुख्य मार्ग को करीब पांच घंटे तक जाम रखा। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पिछले दो महीने के भीतर इसी हाई टेंशन लाइन से जुड़ी कई छोटी-छोटी घटनाएं घट चुकी हैं। ग्रामीणों ने बार-बार बिजली विभाग से तारों पर इंसुलेशन कवर लगाने की मांग की थी, लेकिन अधिकारियों ने उनकी शिकायतों को नजरअंदाज कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि अधिकारियों की लापरवाही की वजह से आज एक गरीब परिवार की मासूम बच्ची की जान चली गई। मौके पर पहुंचे अंचलाधिकारी और थाना प्रभारी ने घंटों मशक्कत कर लोगों को शांत कराया और आश्वासन दिया कि मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद ही सड़क जाम हटाया गया।

बाघचंडी मंदिर में तोड़फोड़, कोलेबिरा में भड़का जनाक्रोश, बंद रहीं दुकानें

रांची, एजेंसी। झारखंड के सिमडेगा जिले के कोलेबिरा प्रखंड स्थित प्रसिद्ध बाघचंडी मंदिर में बीते शनिवार की रात अज्ञात असामाजिक तत्वों ने तोड़फोड़ की घटना को अंजाम दिया। इस घटना से पूरे क्षेत्र में आक्रोश और तनाव का माहौल फैल गया है। घटना की जानकारी तब सामने आई जब रविवार सुबह मंदिर के पुजारी पंचम सिंह पूजा के लिए मंदिर पहुंचे। उन्होंने देखा कि मंदिर का मुख्य दरवाजा टूटा हुआ है, बाहर लगे त्रिशूल को उखाड़कर फेंक दिया गया है, और लाइटें, गेट व पूजा सामग्री को क्षतिग्रस्त कर दिया गया है।

पुजारी पंचम सिंह ने बताया कि मुख्य पूजा स्थल के साथ भी छेड़छाड़ की गई है। कई धार्मिक वस्तुएं तोड़ दी गई हैं, और ऐसा प्रतीत होता है कि मंदिर की पवित्रता को भंग करने का प्रयास किया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग बड़ी संख्या में मंदिर परिसर में जुट गए। लोगों ने इस घटना को आस्था पर हमला बताया और प्रशासन से दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। इस बीच, कोलेबिरा विधायक विक्सल कोंगाड़ी, पूर्व विधायक विमला प्रधान, और कई राजनीतिक दलों के नेताओं ने इस घटना की कड़ी निंदा की है।

हिंदू ब्रिगेड ने इस घटना को जिले की साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की साजिश बताया है। संगठन ने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व जिले के शांतिपूर्ण वातावरण को खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। पहले चर्च में हमला और अब मंदिर में तोड़फोड़, यह एक गहरी साजिश का संकेत है। ऐसे तत्वों को



किसी भी सूरत में सफल नहीं होने दिया जाएगा।

भाजपा के प्रदेश स्तरीय नेता अशोक बड़ाइक ने कहा, यह केवल एक मंदिर पर हमला नहीं, बल्कि हमारी आस्था, संस्कृति और परंपरा पर सीधा प्रहार है। हेमंत सरकार में न सनातनी सुरक्षित हैं, न मंदिर, न सरना स्थलों की सुरक्षा बनी हुई है। यह श्रद्धा के केंद्र को अपवित्र करने का घृणित प्रयास है। दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी होनी चाहिए।

भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण बड़ाइक ने कहा कि यह घटना धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाने का प्रयास है। प्रशासन को तत्काल सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। पूर्व मंत्री विमला प्रधान ने कहा, वर्तमान सरकार में न मंदिर सुरक्षित हैं, न चर्च। यह हमारी आस्था का अपमान है, और भाजपा इसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगी।

घटना के विरोध में कोलेबिरा के व्यापारियों ने रविवार को स्वतः अपनी दुकानें बंद रखीं। स्थानीय लोगों ने सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया और दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस दल मौके पर पहुंचा और पूरे मंदिर परिसर का निरीक्षण किया। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

छात्रा ने फांसी लगाकर दी जान, पिता ने युवक पर आत्महत्या के लिए उकसाने का लगाया आरोप

तुपुदाना, एजेंसी। जगरनाथपुर थाना क्षेत्र के चांदनी चौक के पास एक किराए के मकान में रहने वाली छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्वाति पांडेय (उम्र लगभग 20 वर्ष), जो रांची के एक यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रही थी, शनिवार शाम को ओवरिया रोड स्थित फ्लैट में पंखे से दुपट्टे के सहारे लटककर आत्महत्या कर ली।

पुलिस को रात में घटना की जानकारी मिली, जिसके बाद जगरनाथपुर थाना प्रभारी दिग्विजय सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। रविवार सुबह मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल (फोरेंसिक साइंस लैब) की टीम को बुलाया गया और जांच शुरू की गई। मृतका के पिता विशंभर पांडेय ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी को एक युवक द्वारा आत्महत्या के लिए उकसाया गया। उन्होंने बताया कि स्वाति और उसकी एक सहपाठी छात्रा को शुक्रवार को हटिया स्थित एक नए फ्लैट में शिफ्ट किया गया था, जहां शनिवार को यह घटना घटी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और प्रक्रिया पूरी होने के बाद घरवालों को सौंप दिया। स्वाति मूल रूप से बिहार के रोहतास जिले के शिवसागर थाना क्षेत्र के कोनार गांव की रहने वाली थी और रांची में पढ़ाई के लिए किराए के मकान में रह रही थी।

छात्रा के पिता ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी पढ़ाई में काफी तेज थी और जीवन में कुछ बड़ा करना चाहती थी।

साइबर ठगों ने शिक्षक के बैंक खाते से उड़ाए 14 लाख रुपये, मध्यप्रदेश पुलिस ने देवघर से किया गिरफ्तार

मधुपुर (देवघर), एजेंसी। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले के पवई थाना की तीन सदस्यीय पुलिस टीम सब इंस्पेक्टर कमल विक्रम पाठक के नेतृत्व में साइबर ठग की तलाश में पथरौल। टीम ने पथरौल पुलिस के सहयोग से कसैया और ऊपर बिलरिया गांव में छापेमारी कर दो युवकों को साइबर ठगी के आरोप में पकड़ा।



पुलिस अधिकारी ने बताया कि पकड़े गए आरोपित अमन राजा और हसन राजा से पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कहा कि साइबर ठग के द्वारा बैंक अधिकारी बनकर पवई थाना क्षेत्र के एक सरकारी शिक्षक को फोन किया गया था। इसके बाद बैंक की गोपनीय विवरणी हासिल कर शिक्षक के बैंक खाते से 14 लाख रुपये की निकासी फर्जी ढंग से कर ली गई थी। पीड़ित शिक्षक ने घटना को लेकर पवई थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

जांच के बाद पथरौल पहुंची मध्यप्रदेश पुलिस : अनुसंधान के क्रम में मोबाइल कॉल डिटेल व लोकेशन के आधार पर पथरौल थाना क्षेत्र के तीन साइबर ठगों की मामले में संलिप्तता सामने आई। इसी के आधार पर मध्य प्रदेश की पुलिस टीम पथरौल पहुंची है। यहां आकर तीन युवकों को हिरासत में लिया। इसके बाद पुलिस ने पूछताछ के बाद एक को पीआर बांड पर छोड़ दिया। इन दोनों युवकों की गिरफ्तारी को लेकर इलाके में तरह-तरह की चर्चा हो रही है।

गिरफ्तार इरफान अंसारी के घर से 3.50 लाख नकद, एटीएम कार्ड, सिम कार्ड, मोबाइल फोन, बैंक का पासबुक और एक बाइक जब्त की गई है, जबकि हसन राजा के घर से पांच लाख रुपये नकद, एक लैपटॉप, मोबाइल, एटीएम कार्ड, सिम कार्ड, जेवर और कई अन्य कागजात जब्त किए गए हैं।कागजी कार्रवाई पूरी होने के बाद, मध्य प्रदेश पुलिस की टीम हसन राजा और इरफान अंसारी को शनिवार को स्थानीय न्यायालय से ट्रांजिट रिमांड पर पन्ना ले जाया गया है।

बच्चों के विवाद में बड़े भिड़े, ईंट-पत्थर से हमला : पुरानी रंजिश को लेकर बढ़ा विवाद

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह शहर के हुट्ठी बाजार में रविवार रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब मामूली विवाद ने बड़ा रूप ले लिया। बच्चों के बीच हुए झगड़े में अचानक से बड़े आपस में भिड़ गए। इसके बाद देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच ईंट-पत्थर चलने लगे। इस घटना में कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार, झगड़ा कुछ ही मिनटों में इतना बढ़ गया कि पूरे इलाके में तनाव फैल गया।



पुलिस की तैनाती से स्थिति पर हुआ काबू : घटना की सूचना मिलते ही इलाके में तनाव और बढ़ गया, क्योंकि दोनों पक्षों के समर्थक बड़ी संख्या में इकट्ठा हो गए थे। स्थिति को बिगड़ते देख प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की। डीएसपी नीरज कुमार सिंह, नगर थाना प्रभारी ज्ञान रंजन, पचंबा थाना प्रभारी राजीव कुमार और मुफ्फसिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तत्काल हालात को नियंत्रित किया और लोगों को शांत कराया। देर रात तक इलाके में भारी पुलिस बल की तैनाती रही, ताकि कोई भी अप्रिय घटना न हो।

पुरानी रंजिश की वजह से बढ़ा था विवाद : पुलिस जांच में यह बात सामने आई कि हुट्ठी बाजार के ही दो मोहल्ले के लोगों के बीच पहले से ही विवाद चल रहा था। रविवार शाम बच्चों के बीच हुई झड़प ने इस पुरानी रंजिश को और भड़का दिया। इसके बाद दोनों पक्षों के बड़े भी आपस में भिड़ गए और हालात हिंसक झड़प में बदल गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि विवाद की जड़ पुराना आपसी मनमुटाव है, जो लंबे समय से चल रहा था। बच्चों की नोकझोंक ने बस इस आग में घी का काम किया।

एफआईआर हुई दर्ज, जांच जारी : नगर थाना प्रभारी ज्ञान रंजन ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच मारपीट और विवाद की शिकायतें मिली हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को शांत कराया और अब दोनों पक्षों की ओर से मिले आवेदन के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है।

घाटशिला के सुखदेव महाराज करते हैं समेकित खेती : बंजर जमीन में किया प्रयोग

घाटशिला, एजेंसी। मैं आध्यात्म के उद्देश्य से सालबनी गांव आया था। यहां की ज़मीन बंजर थी, लोग खेती से दूर थे। तब लगा कि किसानों को खेती के लिए प्रेरित करना जरूरी है। यहां की जमीन काफी बंजर रहने के कारण खेती की संभावना बहुत कम थी। आसपास के किसानों ने बताया कि यहां किसी तरह की खेती नहीं हो सकती है। मैंने ठाना कि यहां खेती करते किसानों को प्रेरित करना जरूरी है। इस दौरान कई तरह के फसल तथा सब्जी की खेती शुरू की। इसमें यहां के भूमि पर परवल का उत्पादन अच्छा हुआ।



परवल उत्पादन पर किया फोकस : उसके बाद परवल के उत्पादन पर फोकस शुरू किया गया। समय के साथ कृषि वैज्ञानिकों की मदद से परवल की जैविक खेती में नई मिसाल कायम की, बल्कि एक बंजर भूमि को कृषि नवाचार और ग्रामीण आत्मनिर्भरता का केंद्र बना दिया। इस स्थान का नाम महामिलन आश्रम दिया गया। अब जैविक और समेकित खेती का केंद्र बन चुका है। वर्ष 2000 से परवल की जैविक खेती की शुरुआत की थी। वे एमएस-1, एमएस-2 और शरण अलंकार किस्म के परवल उगाते हैं।

आश्रम की जमीन पर आठ महीने उगते हैं परवल : आश्रम की दो बीघा भूमि में आठ महीने परवल की खेती होती है, जिससे लगभग तीन लाख रुपए की आमदनी होती है।

इसके अतिरिक्त, डेढ़ लाख रुपए का परवल चारा (नर्सरी) भी स्थानीय किसानों को बेचा जाता है। परवल के अलावा आश्रम में मद्रासी ओल, आलू, तरबूज, पपीता, करैला, गेंदा फूल और सरसों जैसे फसल भी उगाए जा रहे हैं। इन प्रयोगों से न केवल भूमि की उर्वरता बनी रहती है, बल्कि किसानों को सालभर आय के विकल्प भी मिलते हैं। सालबनी आश्रम अब कृषि प्रशिक्षण केंद्र भी बन चुका है। हर साल झारखंड के विभिन्न जिलों से आए 150 से 200 किसान यहां परवल की खेती का प्रशिक्षण लेते हैं। इनमें से कई किसान अपने क्षेत्रों में सफल खेती कर रहे हैं और आत्मनिर्भर बन चुके हैं। यहां से प्रशिक्षण लेकर कई किसानों ने परंपरागत खेती से अलग व्यवसायिक एप्रोच के साथ खेती शुरू की।

झारखंड के दूर-दराज़ के किसान यहां आकर सीख रहे हैं कि बंजर भूमि भी संकल्प और श्रम से हरियाली में बदली जा सकती है। मैं बाहर से आए किसानों को कई उपयोगी टिप्स देता हूं। जैसे मिट्टी कैसी होनी चाहिए, उसमें खाद कितना और कब डालना चाहिए। पटवन कैसे करें। कई किसानों ने यह भी बताया कि वह बजट से अधिक खेती में लगाया पर उस हिसाब से आय नहीं हुई।

देश में कफ सिरप से बच्चों की मौत के बाद भी नहीं जागा प्रशासन, मेडिकल स्टोर पर बिना पर्ची हो रही बिक्री



रांची, एजेंसी। देश के कई राज्यों में कफ सिरप से बच्चों की मौत के बाद भी राजधानी रांची में स्वास्थ्य विभाग बेफिक्र है। यहां पर मेडिकल स्टोर पर अब भी बिना चिकित्सक के पर्चे के लोगों को कफ सिरप दिए जा रहे, हैं तो कई जगहों पर चिकित्सकों द्वारा लिखे गए सीरप की जगह दूसरी कंपनी के सिरप पकड़ाए जा रहे हैं।

रविवार को दैनिक जागरण ने इस मामले में आधा दर्जन मेडिकल स्टोर को चेक किया तो यह लापरवाही दिखाई दी। साथ ही लोग भी इसे लेकर जागरूक होते नहीं दिखाई दिए।

बच्चों के बीमार होने पर लोग मेडिकल स्टोर पर जाकर सोधे दवाएं लेते दिखाई दिए। इसमें सर्दी, जुकाम और बुखार की दवाएं प्रमुख थी।

मौसम के बाद अधिकांश लोग जुकाम से कफ जमने की शिकायत कर दवाएं ले रहे थे। ऐसे में यहां पर भी मेडिकल संचालक अपने मनमुताबिक कंपनी की दवाएं दे रहे थे।

कैलाशपति मिश्र की जयंती पर बाबूलाल मरांडी सहित भाजपा नेताओं ने अर्पित की श्रद्धांजलि

रांची, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और संगठन के प्रणेता पंडित कैलाशपति मिश्र की जयंती पर रविवार को राजधानी रांची के बिरसा चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, कार्यकारी अध्यक्ष आदित्य साहू, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश महामंत्री बालमुकुंद सहाय, महानगर अध्यक्ष कुणाल शंकर, पूर्व विधायक सी. पी. सिंह, वरिष्ठ नेता संजीव विजयवर्गीय, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष आरती साहू सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सभी नेताओं ने कैलाशपति मिश्र की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके योगदान को याद किया। श्रद्धांजलि के दौरान माहौल भावुक हो गया। कार्यकर्ताओं



ने 'कैलाशपति मिश्र अमर रहें' और 'उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प दोहराएं' जैसे नारों से वातावरण गुंजायमान कर दिया। नेताओं ने कहा कि कैलाशपति मिश्र न केवल एक कुशल राजनेता थे, बल्कि संगठन के सच्चे साधक और विचारक भी थे। वे हमेशा आदर्श जीवन और नैतिक राजनीति के प्रतीक बने रहे। पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मीडिया से बातचीत में कहा, कैलाशपति मिश्र उन नेताओं में थे जिन्होंने संघ काल से संगठन के निर्माण में योगदान दिया। बिहार में भाजपा की स्थापना में उनका अभूतपूर्व योगदान रहा, साथ ही झारखंड में संगठन को खड़ा करने में भी उन्होंने निर्णायक भूमिका निभाई। राज्य का शायद ही कोई ऐसा कोना हो जहां वे कार्यकर्ताओं से मिलने न गए हों। मेरे लिए गर्व की बात है कि मुझे भाजपा में लाने वाले स्वर्गीय कैलाशपति मिश्र ही थे। उन्होंने मुझे गुरु की तरह राजनीति और जनसेवा की सीख दी।प्रदेश भाजपा कार्यकारी अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा, कैलाशपति मिश्र के योगदान को शब्दों में बयान करना आसान नहीं है। उन्होंने संगठन को खून-पसीने से सींचा। उनके आदर्श और निष्ठा हम सभी के लिए प्रेरणा हैं। जिस विचारधारा को लेकर उन्होंने जीवन जिया, वही आज भाजपा की आत्मा बनी हुई है।संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा, कैलाशपति मिश्र हमेशा कार्यकर्ताओं से जुड़कर काम करने पर जोर देते थे। वे मानते थे कि पार्टी का असली बल उसके कार्यकर्ता हैं। आज जब हम संगठन को और मजबूत बना रहे हैं, उनकी शिक्षाएं हमारे मार्गदर्शक हैं।

धनबाद में गैस सिलेंडर की रीफिलिंग के दौरान विस्फोट, दुकानदार की मौत

तेतुलमारी (धनबाद), एजेंसी। पांडेयडीह बाजार स्थित जनता साइकिल दुकान में रविवार को एक गंभीर घटना घटित हुई। इस दुकान में साइकिल मरम्मत के साथ-साथ बड़े सिलेंडर से छोटे सिलेंडर में गैस भरने का कार्य भी किया जाता है।



रीफिलिंग के दौरान अचानक आग भड़क उठी। इस दौरान सिलेंडर में विस्फोट भी हुआ। दुकानदार खेतन सोनार गंभीर रूप से जख्मी हो गए, जिन्हें तेतुलमारी थाना की पुलिस ने इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच भेजा, जहां उनकी मृत्यु हो गई। आग की चपेट में तीन बाइक भी आईं। आग लगने के कारण राजगंज-सिजुआ मार्ग पर वाहनों का आवागमन रोक दिया गया। क्षेत्र में काला धुआं फैल गया और 12 बार विस्फोट की आवाज सुनाई दी, जो छोटे सिलेंडरों के फटने से हुई। स्थानीय लोग इतनी घबराए कि उन्होंने अपने घरों के दरवाजे बंद कर लिए।

दमकल विभाग ने काफी प्रयासों के बाद आग पर काबू पाया। स्थानीय लोगों के अनुसार, घटना शाम करीब 4:15 बजे हुई। आग की लपटों ने बगल की फर्नीचर दुकान को भी नुकसान पहुंचाया। आग इतनी भीषण थी कि उसे बुझाने में तीन दमकलों को दो घंटे लगे।

यदि आग गोदाम में मौजूद 200 से अधिक गैस सिलेंडरों तक पहुंच जाती, तो एक बड़ा हादसा हो सकता था। आग बुझने के बाद वाहनों की आवाजाही सामान्य हुई। तेतुलमारी थाना प्रभारी विवेक कुमार चौधरी ने बताया कि दुकान में लगी आग पर काबू पा लिया गया है।



करवा चौथ पर हाथों की खूबसूरती बढ़ाने का काम करेंगे नेल आर्ट की ये डिजाइंस

अगर आप करवा चौथ पर हाथों की खूबसूरती बढ़ाना चाहती हैं तो आप इस तरह के नेल आर्ट डिजाइंस करवा सकती हैं। इस तरह का नेल आर्ट डिजाइन आपके नाखूनों की खूबसूरती बढ़ाने का काम करेंगे

इन दिनों नेल आर्ट काफी ट्रेंड में है और कई सारे खास मौके पर महिलाएं अपने हाथों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए नाखूनों पर नेल आर्ट डिजाइन बनावती हैं। वहीं अब करवा चौथ का त्योहर आने वाला है और इस खास मौके पर महिलाएं सोलह श्रंगार करती हैं। वहीं अगर आप गे करवा चौथ के मौके पर हाथों की खूबसूरती बढ़ाना चाहती हैं तो आप ये नेल आर्ट डिजाइंस अपने नाखूनों पर बनवा सकती हैं।

मार्बल डिजाइन नेल आर्ट

यह मार्बल डिजाइन नेल आर्ट इन दिनों काफी फैशन में है और अगर आप अपने नाखूनों को न्यू लुक देना चाहती हैं तो आप इस तरह के नेल आर्ट डिजाइन अपने नाखूनों पर बनवा सकती हैं। इस तरह का नेल आर्ट डिजाइन आप लाइट कलर के आउटफिट के हिसाब से बनवा सकती हैं।

ग्लिटर नेल आर्ट

आगर आप डार्क कलर का आउटफिट पहन रही हैं तो आप इस तरह का नेल आर्ट डिजाइन अपने नाखूनों पर बनवा सकती हैं। यह नेल आर्ट को बनाने के लिए आपको नेल पॉलिश साथ ही ग्लिटर की मदद से बना सकती हैं। यह नेल आर्ट भी हाथों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए आप अपने नाखूनों पर बनवा सकती हैं। इस तरह के नेल आर्ट को आप नेल साथ ही ग्लिटर की मदद से बनाएं साथ ही मार्केट से आप इस नेल आर्ट डिजाइन बनवा जा सकता है। रेड कलर का ये नेल आर्ट डिजाइन भी आपकी खूबसूरती में चार चाँद लगाना का काम करेगा और इस नेल आर्ट को आप घर पर ही दो नेल पॉलिश की मदद से बनवा सकती हैं।

फ्लोरल डिजाइन नेल आर्ट

नाखूनों को न्यू लुक देने के लिए इस तरह का नेल आर्ट डिजाइन भी बेस्ट ऑप्शन हो सकता है और इस तरह का नेल आर्ट लाइट कलर की नेल पॉलिश से बना सकती हैं साथ ही इसमें फूल का डिजाइन भी बनवा सकती हैं।

स्पार्कल नेल आर्ट

यह नेल आर्ट डिजाईन भी काफी ट्रेंड में है और अगर आपको ये समझ नहीं आ रहा है कि कसी तरह नेल आर्ट डिजाइन आप अपने नाखूनों को बनवाएं तो आप इस तरह का स्पार्कल नेल आर्ट डिजाइन अपने नाखूनों पर बनवा सकती हैं।



करवा चौथ पर नजर आएंगी सबसे अलग

अगर आप न्यू लुक चाहती हैं तो आप इस तरह का सूट करवा चौथ के मौके पर स्टाइल कर सकती है। इस तरह के सूट में जहां आपका लुक रॉयल नजर आएगा तो वहीं आप भीड़ से भी अलग नजर आएंगी।

महिलाओं को सलवार-सूट पहनना काफी पसंद है और कई सारे मौके पर महिलाएं इन्हें स्टाइल करती हैं। वहीं अगर आप करवा चौथ पर सूट पहनने का सोच रही हैं और रॉयल लुक चाहती हैं तो आप अफगानी सूट स्टाइल कर सकती हैं। इस आर्टिकल में हम आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइंस वाले अफगानी सूट दिखा रहे हैं जो आप करवा चौथ के मौके पर स्टाइल कर सकती हैं। ये सूट न्यू लुक पाने के लिए बेट्स ऑप्शन हो सकते हैं और इस तरह के सूट में आप भीड़ से अलग नजर आएंगी।

प्रिंटेड अफगानी सूट

अगर आप सिंपल लुक चाहती हैं तो आप इस तरह के प्रिंटेड अफगानी सूट स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के सूट में जहां आप खूबसूरत नजर आएंगी तो वहीं आपका लुक भी सबसे अलग नजर आएगा।

इस सूट को करवा चौथ पर दिन में होने वाली पूजा के दौरान वियर कर सकती हैं और इस सूट को 1,500 से 3,000 रुपये में खरीद सकती हैं।

सिल्क प्रिंटेड अफगानी सूट

यह सिल्क फैब्रिक वाला अफगानी सूट भी आप करवा चौथ पर स्टाइल कर सकती है। यह सूट सिल्क फैब्रिक में है और इस सूट बेहद ही खूबसूरत ब्लाक प्रिंट में है। इस तरह का सूट आपका लुक सबसे अलग नजर आएगा और इस सूट को आप 2,500 रुपये की कीमत मिल जाएंगी।

एम्ब्रॉयडरी अफगानी सूट

यह एम्ब्रॉयडरी अफगानी सूट भी आप करवा चौथ पर न्यू लुक पाने के लिए आप वियर कर सकती हैं। इस सूट में बेहद ही खूबसूरत एम्ब्रॉयडरी की गई है। जिसमें आपका लुक रॉयल नजर आएगा। इस सूट को अप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही जगहों से 2,500 रुपये की कीमत में खरीद सकती हैं।



करवा चौथ पर ज्यादातर महिलाएं इस दिन साड़ी पहनना पसंद करती हैं लेकिन कुछ महिलाएं औसत से कम हाइट होने की वजह से साड़ी पहनने से हिचकने लगती है। उन्हें लगता है कि साड़ी उन पर अच्छी नहीं लगेगी या फिर साड़ी सिर्फ लम्बी हाइट की महिलाओं पर अच्छी लगती है लेकिन ऐसा नहीं है। आप अगर किसी भी ड्रेस को कुछ बेसिक स्टाइलिंग टिप्स के साथ कैरी करते हैं, तो आप पर हर ड्रेस अच्छी लगती है। साड़ी के साथ भी ऐसे ही कुछ स्टाइलिंग टिप्स जुड़ें हैं।

करवाचौथ के लिए खास हैं जॉर्जेट साड़ी की ये डिजाइंस

फ्लोरल डिजाइन जॉर्जेट साड़ी

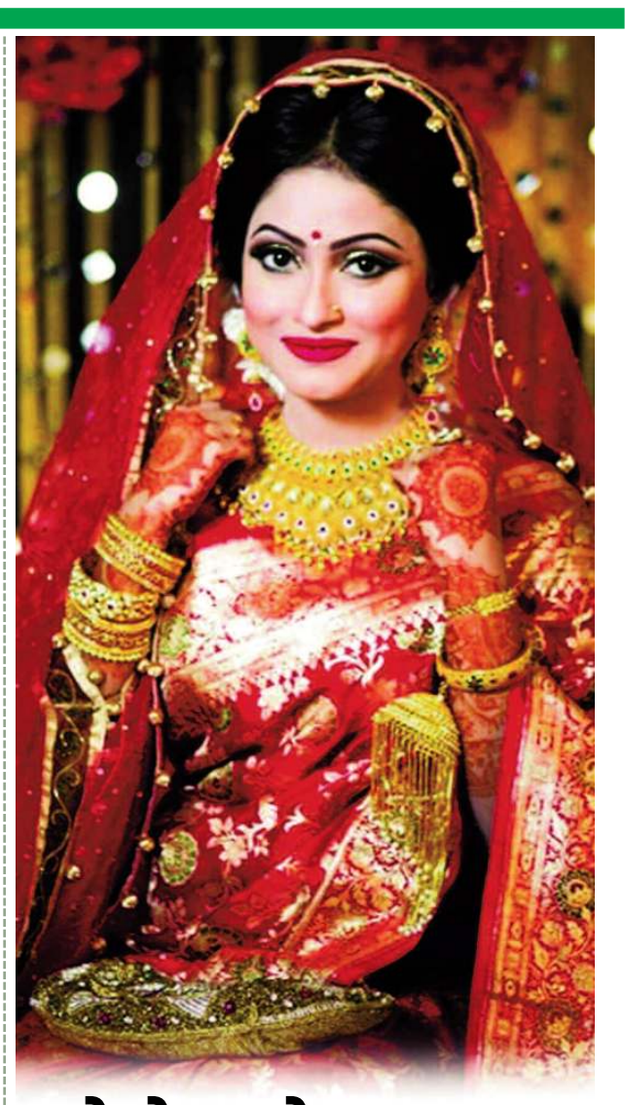
फ्लोरल डिजाइन एवरग्रीन फैशन ट्रेंड में रहता है। इस तरह की साड़ी में आपको ज्यादातर बॉर्डर और साड़ी के पल्लू में देखने को मिलेगा। वहीं सोबर लुक चाहती हैं तो इसमें आप पेस्टल कलर कॉम्बिनेशन की साड़ियां ट्राई कर सकती हैं। लुक में जान डालने के लिएपर्ल ज्वेलरीको स्टाइल कर सकती हैं। मेकअप के लिए ग्लॉसी लुक को ट्राई कर सकती हैं।

गोटा-पट्टी डिजाइन जॉर्जेट साड़ी

फैंसी डिजाइन में साड़ी ढूंढ रही हैं तो किसी भी प्लेन साड़ी में अपनी पसंद की गोटा-पट्टी लेस लगवा सकती हैं। इसमें आप एक से ज्यादा डिजाइन की लेस भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी के साथ में आप कानों में गोल्डन झुमकी को पहन सकती हैं। देखने में इस तरह का लुक काफी मिनिमल और फैंसी लुक देने में मदद करता है।

मल्टी-शेड जॉर्जेट साड़ी

आखिरी साल आलिया भट्ट ने एक फिल्म के दौरान एक के बाद एक जॉर्जेट साड़ी को पहना था, जिसके बाद बॉलीवुड स्टाइल प्लेन साड़ी काफी चर्चा में नजर आई हैं। ऐसे में मल्टी-शेड के कलर कॉम्बिनेशन वाली साड़ी को काफी ज्यादा पसंद किया जाने लगा है। इस तरह की साड़ी के साथ में आप बोहो ज्वेलरी पहन सकते हैं।



ऐसे करें अपना श्रृंगार नहीं हटेगी पति की नजर

सुहागिनों का सबसे बड़ा पर्व माने जाने वाला करवा चौथ शादीशुदा महिलाओं के लिए बहुत खास माना जाता है. हिलाएं करवा माता और शिव-पार्वती से अपने पति की लंबी उम्र की कामना करती हैं.इस दिन सभी सुहागिन महिलाएं पूरा दिन निर्जला व्रत रखती और रात में चांद दिखने के बाद ही पानी या अन्न ग्रहण करती हैं. करवाचौथ में शिव-पार्वती, कार्तिक और करवा चौथ माता की पूजा की जाती है.

करवा चौथ के दिन महिलाएं 16 श्रृंगार कर दुल्हन की तरह खुद को संवारती हैं. करवा चौथ के समय पार्लर और ब्यूटी शॉप पर महिलाओं की खासा भीड़ लगी रहती है.लेकिन इस साल कोरोना के कारण पार्लर जाना सुरक्षित नहीं है.तो ऐसे में हम आपके लिए कुछ खास ब्यूटी टिप्स लाए है, जिसे अपनाकर आप करवा चौथ के दिन एकदम परफेक्ट लग सकती हैं.

हाथों में लगाएं मेहंदी

मेहंदी हर त्योहार और सुहागिनों की पहचान होती है इसलिए करवाचौथ से एक दिन पहले अपने हाथों में मेहंदी जरूर लगाएं. मेहंदी मोहब्बत की पहचान है, क्योंकि इसके रंग की गहराई ये बताती है कि पति अपनी पत्नी को कितना प्यार करता है.

निखारें अपने हाथ और पैरों को

अपने हाथों और पैरों को और अधिक सुंदर बनाने के लिए आप वैक्सिंग, मैनिक्योर, पेडिक्योर आदि भी करा सकती हैं.नाखूनों के लिए बहुप्रचलित नेल आर्ट की ओर भी आप रुख कर सकती हैं.

फैस पैक का करें इस्तेमाल

त्वचा को स्वस्थ रखने और इसमें चमक बनाए रखने के लिए यह बहुत जरूरी है कि आप अधिक से अधिक पानी पीएं.मुल्तानी मिट्टी के साथ शहद वाले घर में बने घरेलू पैक का इस्तेमाल करें.अपने रोजाना की डाइट में फल और हरी सब्जियां लें.

ऐसे सजाएं अपने आंखों को

रंगीन या सबका ध्यान खींचने वाले रंग के आई लाइनर का इस्तेमाल करें.आप डबल आई लाइनर का इस्तेमाल भी कर सकती हैं.पहले साधारण ब्लैक लाइनर का इस्तेमाल करें और फिर उसके ऊपर रंगीन लाइनर का.अगर आप वाकई आई शैडो का इस्तेमाल करना चाहती हैं तो फिर आप कच्चे रंग को चुनें या फिर उसके ऊपर भूरा या काले रंग का इस्तेमाल स्मूक के तौर पर करें. आंख के बीचो-बीच कुछ ऐसे रंग का इस्तेमाल करें जो सबका ध्यान खींचे.

इन लिपिस्टिक को करें ट्राई

लिप्स यानी होंठ हमेशा ही आपके लुक को पूरा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं.मरून और लाल रंग की लिपिस्टिक का इस्तेमाल यहां न करें.किसी दूसरे मुख्य रंगों में से एक को चुनें, जैसे गहरा भूरा, बरगंडी ताकि आप कुछ अलग और आकर्षक लग सकें.

चेहरे को ऐसे बनाएं सुंदर

चेहरे पर फाउंडेशन एकसार लगाएं जिससे कि आपका मेकअप ज्यादा भड़कीला नहीं लगे.इसके बाद कॉम्पैक्ट पाउडर से टचअप करें.वहीं चेहरे की ड्राईनेस दूर करने के लिए क्रीम या लोशन लेकर हल्के हल्के हाथों से लगाएं.इससे आपकी स्किन को नमी बरकरा रहेगी और मेकअप लंबे समय तक बना रहेगा.



करवाचौथ पर पर ट्राई करें ये हेयर स्टाइल्स

करवाचौथ पर एथनिक आउफिट्स के साथ जूलरी और हेयर स्टाइल पर भी ध्यान देना बहुत जरूरी है.खासतौर पर एथनिक आउटफिट्स पर हेयर स्टाइल का एक खास रोल है लेकिन फिर भी कई बार ऐसा होता है कि हम आउटफिट के साथ मैचिंग जूलरी का तो खास ख्याल रखते हैं लेकिन बालों पर सिर्फ शैम्पू और कंडीशनर करके इन्हें भूल जाते हैं.ऐसे में करवा चौथ के लिए हम आपको सजेस्ट कर रहे हैं कुछ हेयर स्टाइल्स आप इनमें से कोई भी एक हेयर स्टाइल पिक कर सकते हैं.

मेसी बन

आपने अगर सिर्फ सेलिब्रिटीज को ही इस लुक में देखा है, तो इस बार आप खुद भी इस हेयर स्टाइल को खुद पर अप्लाई करके देखें.एथनिक आउटफिट्स खासकर साड़ी, लहंगा-चोली के साथ मेसी बन से लुक बहुत अच्छा लगता है.

वेव वॉटरफॉल

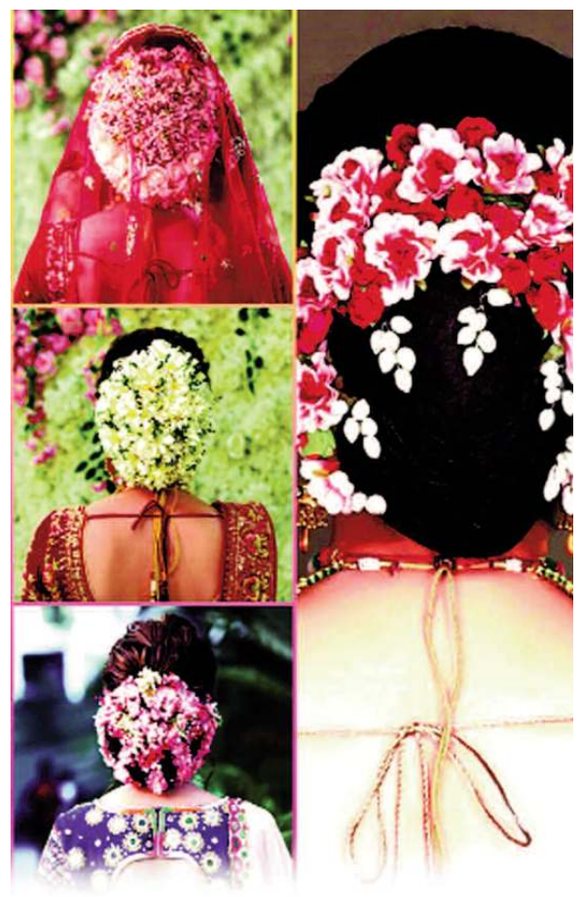
इस हेयर स्टाइल में आपने कृति सेनन को देखा होगा.इस हेयर स्टाइल में बाल वेवी बनाकर आपको सारे बाल एक साइड करने होते हैं.आप चाहें, तो अपर साइड में एक फ्रेंच स्टाइल चोटी भी बना सकते हैं.

फिशटेल

यह हेयर स्टाइल कुर्ती या फिर सलवार-कमीज के साथ बहुत अच्छा लगता है.इस हेयर स्टाइल में आपको एक साइड से चोटी करनी होती है. आलिया भट्ट ने कई फिल्मों में इस हेयर स्टाइल को अप्लाई किया है.

ट्रेडिशनल बन विद गजरा

यह हेयर स्टाइल कभी भी आउट ऑफ फैशन नहीं होता.आपको ट्रेडिशनल बन यानी जूड़ा बनाकर इसमें गजरा सेट करना है.आपको अगर गजरा हैवी लगता है या फिर पसंद नहीं है, तो फिर ट्रेडिशनल बन में आप गुलाब का फूल भी लगा सकते हैं



जी का जंजाल बन रहा महंगा स्मार्टफोन

कंपनी और रिटेलर और फाइनेंसर हो रहे परेशान

ई दिल्ली, एजेंसी।
मेरिका की दिग्गज टेक कंपनी ऐपल ने ल में अपना लेटेस्ट आईफोन लॉन्च किया। े खरीदने के लिए दिल्ली और मुंबई में ऐपल स्टोर्स में भीड़ उमड़ पड़ी। असल में महंगा ार्टफोन खरीदना आजकल आसान हो गया । ब्रांड और रिटेलर महंगे स्मार्टफोन को स्तों पर बेच रहे हैं। वे ग्राहकों को फाइनेंस ी सुविधा दे रहे हैं ताकि वे आसानी से फोन रीद सकें। लेकिन इसके साथ ही स्मार्टफोन ोन डिफॉल्ट के मामले भी बढ़ते जा रहे हैं। सले ब्रांड्स के साथ-साथ रिटेलर्स और ाइनेंसर्स की भी मुश्किलें बढ़ रही हैं।

ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक इंडस्ट्री से ड़े लोगों का कहना है कि मोबाइल फोन ाइनेंस पर डिफॉल्ट की दर 2.7 प्रतिशत से .9 प्रतिशत के बीच पहुंच गई है जबकि ामतौर पर 2 प्रतिशत तक के रेट को ठीक ाना जाता है। कुछ इलाकों में तो डिफॉल्ट ी दर और भी ज्यादा है। फाइनेंस कंपनियां से रिटेलर्स की रेटिंग कम कर रही हैं और नके ग्राहकों को लोन देने में भी सख्ती बरत ी हैं। अब वे केवल उन्हीं ग्राहकों को लोन रही हैं जिनका क्रेडिट स्कोर अच्छा है।

ीन में से एक मार्टफोन क्रेडिट पर

इस बीच कर्नाटक में एक नया नियम ाया है। इसके तहत शाम 6 बजे के बाद सूली एजेंट ग्राहकों से पैसे नहीं मांग सकते। स नियम के बाद फाइनेंस कंपनियां और भी ख्त हो गई हैं। उन्होंने ऐसे पिन क्कह्ह कोड ो ही ब्लॉक करना शुरू कर दिया है, जिन्हें यादा जोखिम है। एक बड़े स्मार्टफोन ब्रांड सेल्स एग्जीक्यूटिव ने बताया कि अलग-लग एनबीएफसी और प्राइवेट बैंकों में फॉल्ट रेट अलग-अलग हैं, लेकिन ये बढ़ ह हैं। मोबाइल फोन खरीदने के लिए दिए गए कुल लोन में से करीब 2.7-2.9 प्रतिशत हर साल डिफॉल्ट हो रहे हैं।



एआई से इनकम बढ़ाने के लिए यहां क्लिक करें

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 180 दिनों से ज्यादा समय से डिफॉल्ट चल रहे लोन सबसे ज्यादा हैं। एफवाय24 में ये 1.9 प्रतिशत थे, जो एफवाय25 में बढ़कर 2.1 प्रतिशत हो गए हैं। रिपोर्ट यह भी बताती है कि 10,000 रुपये से कम के लोन में डिफॉल्ट ज्यादा हो रहा है। 31 से 90 दिनों की देरी वाले ऐसे लोन में 2.15 प्रतिशत डिफॉल्ट देखा गया है। वहीं, 91 से 180 दिनों की देरी वाले 10,000 रुपये तक के लोन में 2.16 प्रतिशत डिफॉल्ट है। इसके मुकाबले 50,000 रुपये से ज्यादा के लोन में डिफॉल्ट कम है। 31 से 90 दिनों की देरी के लिए यह 1.35 प्रतिशत है और 91 से 180 दिनों की देरी के लिए 1.16 प्रतिशत है।

हर तीन में से एक स्मार्टफोन क्रेडिट पर खरीदा जा रहा है। ब्रांड चाहते हैं कि ग्राहक महंगे डिवाइस खरीदें। इसलिए वे आसान किस्तों और फाइनेंस के जरिए ग्राहकों को अपग्रेड करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन अब इस तरीके से दिक्कतें सामने आने लगी हैं। क्रेडिट ब्यूरो फाइनेंशियल ईयर 2025 में कंज्यूमर ड्यूरेबल लोन की ग्रोथ बहुत कम हो गई है। इसमें स्मार्टफोन के लिए दिए गए लोन भी शामिल हैं। एफवाय24 में इस तरह के लोन की वैल्यू में 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी। लेकिन एफवाय25 में यह सिर्फ 3.3 प्रतिशत बढ़कर 1.6 लाख करोड़ रुपये हुई है।

रिटेलर्स की समस्या

एक और इंडस्ट्री एग्जीक्यूटिव ने बताया कि जब ब्रांड नो-कॉस्ट श्रस्ह्रु देते हैं, तो फाइनेंस का खर्च वे खुद उठाते हैं। यह खर्च वे प्रोडक्ट की कीमत में ही जोड़ देते हैं। उन्होंने कि ब्याज कवर करने के लिए ब्रांड का खर्च आठ महीने की ईएमआई के लिए 6 प्रतिशत से लेकर कुल नो-कॉस्ट ईएमआई स्कीम के लिए 8 प्रतिशत तक हो सकता है। अगर कोई नबीएफसीजीरो इंटरेस्ट, जीरो डाउन पेमेंट और कोई प्रोसेसिंग फीस नहीं लेती है, तो ब्रांड को प्रोडक्ट की कीमत का लगभग 11 प्रतिशत खर्च करना पड़ता है।

सबसे ज्यादा डिफॉल्ट

आमतौर पर कुल कंज्यूमर ड्यूरेबल लोन का लगभग एक चौथाई हिस्सा स्मार्टफोन खरीदने के लिए होता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक ज्यादातर लोन 10,000 रुपये से 25,000 रुपये के बीच होते हैं। लेकिन अब धीरे-धीरे लोग 25,000 रुपये से 50,000 रुपये तक के फोन भी किस्तों पर ज्यादा ले रहे हैं। ष्टत्रह्रुस्र की जून 2025 में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार कंज्यूमर ड्यूरेबल लोन का कुल बकाया एफवाय24 में 32.7 प्रतिशत बढ़ा था। लेकिन एफवाय25 में यह घटकर 14.5 प्रतिशत रह गया है। डिफॉल्ट होने वाले लोन की संख्या भी बढ़ी है। 31 से 90 दिनों तक की देरी वाले लोन एफवाय24 में 1.2 प्रतिशत थे, जो एफवाय25 में बढ़कर 1.3 प्रतिशत हो गए हैं। डिफॉल्ट होने पर रिटेलर्स पर भी दबाव डाल रही हैं। दिल्ली के एक रिटेलर ने बताया कि अगर कोई ग्राहक भुगतान नहीं कर पाता है, तो नबीएफसी रिटेलर के ऑपरेशनल कोड को ब्लॉक करने की धमकी दे सकती हैं। कभी-कभी हम डिफॉल्ट करने वाले ग्राहकों की तरफ से शुरुआती न्यूनतम भुगतान भी कर देते हैं, ताकि बिजनेस खोने का खतरा न हो।

सोना बेचो नहीं, बस गिरवी रखो... भारतीयों में बन रहा ये ट्रेंड

यह जुलाई तक 122 प्रतिशत बढ़कर 2.94 लाख करोड़ का हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने की कीमतों में हाल के कुछ समय में बंपर तेजी आई है। इसका असर गोल्ड लोन मार्केट पर भी पड़ा है। भारत का गोल्ड लोन मार्केट रिकॉर्डतोड़ बढ़ोतरी देख रहा है। यह जुलाई 2025 तक 122 प्रतिशत बढ़कर 2.94 लाख करोड़ रुपये का हो गया है। इन्वेस्टयादन्या देने की अनुमति मिली है। इस वजह से ग्रामीण और शहरी दोनों तरह के उधारकर्ताओं में शॉर्ट-टर्म लिक्विडिटी की भूख बढ़ी है। यह पैसा व्यापार की जरूरतों, आपात स्थितियों या व्यक्तिगत खर्चों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। अडे ने प्रमुख बैंकों की गोल्ड लोन दरों की तुलना भी



के संस्थापक परिमल अडे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसे लेकर कई इनसाइट शेयर किए। उन्होंने बताया कि भारतीय ऊंची सोने की कीमतों और आसान शॉर्ट-टर्म क्रेडिट का फायदा उठा रहे हैं। वे सोना बेचने के बजाय उसे गिरवी रख रहे हैं। यह भारत का सबसे तेजी से बढ़ता रिटेल लोन सेगमेंट बन गया है।

अडे ने अपनी पोस्ट में बताया कि भारतीय सोना बेचने के बजाय उसका लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने लिखा, जब सोने की कीमतें चमकती हैं तो भारतीय बेचते नहीं हैं - वे लाभ उठाते हैं। गोल्ड लोन परिवार के सोने से भावनात्मक संबंध तोड़े बिना लिक्र्डिटी प्रदान करते हैं। इस उछाल के पीछे दो मुख्य कारण हैं। पहला, सोने की बढ़ती कीमतें। इससे गिरवी रखे गए सोने का मूल्य बढ़ गया है। दूसरा, आरबीआई के आसान क्रेडिट नियम। इससे बैंकों और एनबीएफसी को सोने के बदले ज्यादा फ्लेक्सिबल तरीके से लोन साझा की है।

उदाहरण देते हुए अडे ने बताया कि पीएनबी से एक साल के लिए 1 लाख रुपये के कर्ज पर ईएमआई लगभग 8,700 रुपये प्रति माह से शुरू हो सकती है।

बड़े बदलाव का संकेत है यह ट्रेंड

गोल्ड लोन भारत के अनौपचारिक कर्ज बाजारों में लंबे समय से लोकप्रिय रहे हैं। लेकिन, हालिया उछाल संस्थागत उधार की ओर एक मुख्यधारा के बदलाव का संकेत देता है। वित्तीय विशेषज्ञ इसे बढ़ती वित्तीय समावेशन और निष्क्रिय संपत्तियों के बेहतर इस्तेमाल का संकेत मानते हैं। अडे ने कहा, कभी-कभी, यह अपना सोना बेचो नहीं होता है - यह अपने सोने को अपने लिए काम कराओ होता है।

टाटा ग्रुप का आईपीओ, साल का सबसे बड़े इश्यू

नई दिल्ली, एजेंसी।
टाटा ग्रुप की प्रमुख वित्तीय सेवा कंपनी टाटा कैपिटल का आईपीओ आज यानी 6 अक्टूबर से खुल जाएगा। निवेशक 8 अक्टूबर तक इसके लिए बोली लगा सकेंगे। यह आईपीओ कुल 15,511 करोड़ रुपये का है। इसमें शेयरों की कीमत 310 रुपये से 326 रुपये प्रति शेयर तय की गई है। इस आईपीओ में 6,846 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे। साथ ही, मौजूदा शेयरधारक 8,665 करोड़ रुपये के शेयर बेचेंगे, जिसे ऑफर फॉर सेल (ह्रस्रस्र) कहते हैं। कंपनी के शेयर 13 अक्टूबर को शेयर बाजार में लिस्ट हो सकते हैं।

जीएमपी सुस्त

टाटा कैपिटल के आईपीओ को ग्रे मार्केट में बहुत अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है। इसके बाद भी एक्सपर्ट की नजर में यह आईपीओ मजबूत बना हुआ है। अभी इसका जीएमपी 2.30 प्रतिशत की तेजी के साथ 7.50 रुपये है। यानी इसके शेयर 333.50 रुपये पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ के साथ टाटा कैपिटल भारत के शेयर बाजार के इतिहास में सबसे बड़ी नबीएफसी लिस्टिंग में से एक बन जाएगी। यह देश की तीसरी सबसे बड़ी विविध नबीएफसी है। 30 जून, 2025 तक, कंपनी का कुल सकल ऋण 2.33 लाख करोड़ रुपये था। आनंद राठी के विश्लेषकों ने इस आईपीओ को सब्सक्राइब- लॉन्ग टर्म रेटिंग दी है।



कंपनी है प्रॉफिट में

वित्तीय वर्ष 2023 से 2025 के बीच कंपनी के ऋण पोर्टफोलियो में 37.3 प्रतिशत की मजबूत वार्षिक चक्रवृद्धि दर से बढ़ोतरी हुई। खुदरा और एसएमई लोन में अच्छी वृद्धि के कारण यह संभव हुआ। वित्तीय वर्ष 2025 में, कंपनी ने 3,665 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया। इस दौरान कंपनी का रेवेन्यू 28,313 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के मुकाबले 56 प्रतिशत ज्यादा है। कंपनी का शुद्ध ब्याज मार्जिन (5.2 प्रतिशत था। सकल और शुद्ध स्टेज 3 ऋण अनुपात क्रमश: 2.1 प्रतिशत और 1 प्रतिशत थे।

उन्होंने कहा कि टाटा कैपिटल टाटा ग्रुप की प्रमुख वित्तीय सेवा कंपनी है। इसके पास ऋण उत्पादों का सबसे व्यापक पोर्टफोलियो है। साथ ही, इसका वितरण नेटवर्क भी मजबूत है, जिसमें भौतिक शाखाएं और डिजिटल प्लेटफॉर्म दोनों शामिल हैं।

दिवाली का असर... मलयेशिया-सिंगापुर से महंगी लखनऊ



नई दिल्ली, एजेंसी।
दिवाली के करीब आते ही विमानन कंपनियों ने ग्राहकों की जेब काटनी शुरू कर दी है। आलम यह है कि उत्तर भारत के प्रमुख शहरों में दिल्ली और मुंबई से यात्रा करने के लिए 30,000 रुपये तक किराया लिया जा रहा है। जबकि थाईलैंड, मलेशिया, सिंगापुर और हांगकांग के लिए महज 17,000 रुपये में ही आप जा सकते हैं। विमानन कंपनियों की इस लूट से ग्राहकों को जबरदस्त परेशानी झेलनी पड़ रही है। विभिन्न ट्रैवल वेबसाइटों से चेक करने पर पता चला कि 18 अक्तूबर को दिल्ली से लखनऊ का किराया 13,618 से 18,738 रुपये है। जबकि 9 अक्तूबर को यही किराया 4,200 रुपये है। पटना के लिए 18 अक्तूबर को 15,248 से 26,072 रुपये किराया है, जो 9 अक्तूबर को 4,900 रुपये है। मुंबई से लखनऊ का 18 अक्तूबर का किराया 17,401 से 29,466 रुपये है जो 9 अक्तूबर को 7,202 रुपये है। बंगलूरू से लखनऊ का किराया इसी दौरान 16,429 से 23,656 रुपये है। आम दिनों में यह किराया 7,288 रुपये होता है। इसी तरह मुंबई से अहमदाबाद का किराया 18 अक्तूबर को 5,078 रुपये से 13,936 रुपये तक हो जाता है। सामान्य दिनों में यह 2,500 से 3,500 रुपये तक होता है। भोपाल के लिए 18 तारीख को 14,500 रुपये से 18,048 रुपये चुकाने होंगे, जो सामान्य दिनों में 6,099 रुपये होता है। मुंबई से जयपुर के लिए दिवाली के समय आपको 18,352 से 26,038 रुपये देने होंगे, जो सामान्य दिनों में 6 से 7 हजार रुपये होता है।

वोडाफोन आइडिया के शेयरों में गिरावट, 4 प्रतिशत लुढ़का दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। वोडाफोन आइडिया के शेयरों में सोमवार को 4 प्रतिशत की गिरावट आई है। कंपनी के शेयरों में यह गिरावट एडिशनल एडस्टेड ग्रॉस रेवन्यू केस की सुनवाई से जुड़ी खबर की वजह से देखने को मिली है। सुप्रीम कोर्ट अब इस मामले में 13 अक्टूबर को सुनवाई होगी। बीएसई में वोडाफोन आइडिया के शेयर 8.93 रुपये के लेवल पर खुला था। कुछ देर के बाद कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 4 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8.35 रुपये के इंट्रा-डे लो लेवल पर आ गया। बता दें, आज सुप्रीम कोर्ट में एजीआर रद्द करने वाली वोडाफोन आइडिया का याचिका पर सुनवाई होगी। वोडाफोन आइडिया ने 2017-17 तक के एजीआर को रद्द करने की मांग की है। 26 सितंबर को सर्वोच्च न्यायालय ने वोडाफोन आइडिया एजीआर केस पर सुनवाई के लिए 6 अक्टूबर की तारीख को तय किया था। पिछली सुनवाई पर सॉलिस्टर जनरल तुशार मेहता ने सर्वोच्च न्यायालय से इस याचिका का जवाब देने के लिए समय मांगा था। तब टेलीकॉम कंपनी ने अतिरिक्त समय मांगने पर विरोध नहीं किया था। डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकॉम ने वोडाफोन आइडिया से 9450 करोड़ रुपये के अतिरिक्त एजीआर की डिमांड की है।



अमीरों की लिस्ट में उथल-पुथल, अडानी, अंबानी और वॉरेन बफे का घटा रुतबा

नई दिल्ली, एजेंसी। अरबपतियों की लिस्ट में भारी उथल-पुथल हुई है। अंबानी, अडानी और वॉरेन बफे का रुतबा घटा है। वहीं, एलन मस्क, लैरी उलिसन, मार्क जुकरबर्ग, जेफ बेजोस, लैरी पेज, सर्गी ब्रिन और जेनसेन हुआंग ने दौलत गंवाई है। बीते हफ्ते शुक्रवार को एलन मस्क से लेकर जेनसेन हुआंग तक दिग्गज अरबपतियों की संपत्ति में गिरावट दर्ज की गई। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स की ताजा लिस्ट के मुताबिक एलन मस्क की संपत्ति शुक्रवार को 4.41 अरब डॉलर घटकर 448 अरब डॉलर रह गई है। लैरी एलिसन ने 2.92 अरब डॉलर गंवाया और उनका नेटवर्थ 345 अरब डॉलर पर आ गया है। मार्क जुकरबर्ग 250 अरब डॉलर के नेटवर्थ पर हैं और इनकी संपत्ति में 5.65 अरब डॉलर की सेंध लगी है। जेफ बेजोस को 2.51 अरब डॉलर का झटका लगा है। अब इनके पास 243 अरब डॉलर का नेटवर्थ है। लैरी पेज 99.5 मिलियन डॉलर गंवाए हैं और उनकी कुल संपत्ति अब 216 अरब डॉलर रह गई है। जबकि, सर्गी ब्रिन 90.3 मिलियन डॉलर गंवाए हैं। इनका नेटवर्थ अब 202 अरब डॉलर है। जेनसेन हुआंग, जो दुनिया के 10वें अमीर व्यक्ति हैं, ने 1.41 अरब डॉलर गंवाए हैं। अब इनकी संपत्ति 163 अरब डॉलर है। वॉरेन बफे दुनिया के टॉप-10 अमीरों की लिस्ट से बाहर हो गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में अब बफे 11वेंनंबर पर हैं। इनका नेटवर्थ 151 अरब डॉलर है। मुकेश अंबानी एक पायदान नीचे लुढ़क कर 18वें से 19वें स्थान पर आ गए हैं।

स्विट्जरलैंड में भारतीयों की ऐसी बेइज्जती: देख कर डॉक्टर का दिल रो पड़ा

वह परिवार के साथ वहां छुट्टी मनाने गया था



नई दिल्ली, एजेंसी।
भारतीय अपनी हरकतों की वजह से विदेश में अक्सर चर्चा में रहते हैं। भारत का एक डॉक्टर यूरोपीय देश स्विटजरलैंड गया था, जहां की राजधानी बर्न है और वहां की मुद्रा स्विस फ्रैंक है। वह परिवार के साथ वहां छुट्टी मनाने गया था। डॉक्टर जिस होटल में ठहरा था, वहां कमरे में दरवाजे के पीछे एक नोटिस लगा देखा। यह नोटिस खास कर भारतीय पर्यटकों को संबोधित था। इसमें जो कुछ लिखा था, उसे पढ़ कर डॉक्टर चिंतित हो गया। फिर उसने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसका जिक्र किया। उनका एक्स पोस्ट खूब पढ़ा जा रहा है और यूजर्स इस पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

क्या था पोस्ट

स्विटजरलैंड में एक होटल में रुकने का अनुभव बताते हुए एक डॉक्टर का पोस्ट ङ्क पर पोस्ट किया है। उन्होंने बताया कि कैसे होटल में लगे एक नोटिस में खास तौर पर भारतीय पर्यटकों को संबोधित किया गया था। इस नोटिस में उन्हें बुफे का खाना अपने पर्स में न रखने की सलाह दी गई थी। डॉक्टर अर्शित धामनस्कर ने अपने पोस्ट में कहा कि इस संदेश ने उन्हें दुखी कर दिया। उन्हें दुख इसकी सामग्री से नहीं, बल्कि जिस तरह से इसे लिखा गया था, उससे हुआ।

क्या लिखा डॉक्टर ने

इस घटना को याद करते हुए, डॉक्टर धामनस्कर ने लिखा, कुछ साल पहले, मैं अपने परिवार के साथ स्विट्जरलैंड में था। होटल के कमरे के दरवाजे के पीछे एक लंबा संदेश था, जिसे संक्षेप में ऐसे समझा जा सकता है- बुफे की चीज़ें अपने पर्स में पैक न करें। अगर आप चाहते हैं, तो हम आपको अलग से पैक किए गए खाने के सामान दे सकते हैं। डॉक्टर ने आगे कहा कि होटल के बुफे को अक्सर अनलिमिटेड बताया जाता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि इसे सचमुच ले लिया जाए। उन्होंने लिखा, यह अनलिमिटेड है, अनलिमिटेड नहीं कि आप इसे अपने बैग में भरकर जीवन भर के लिए मुफ्त खाना ले लें। उन्होंने यह भी साफ किया कि वह इसके पीछे के तर्क को समझते थे।

चिली और पेरू के साथ व्यापार समझौतों पर सरकार ने दिया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत और दक्षिण अमेरिका के दो देशों चिली और पेरू के बीच अगले दौर की बातचीत क्रमश- अक्तूबर और नवंबर में होगी। सरकार के एक अधिकारी ने यह जानकारी साझा की। अधिकारी ने बताया कि चिली के साथ पांच दिवसीय वार्ता 27 अक्तूबर को सैंटियागो में तो पेरू के साथ तीन दिवसीय बातचीत 3 नवंबर को लीमा में शुरू होगी। दोनों समझौतों पर अलग-अलग बातचीत की जा रही है। भारत चिली के साथ दूसरे दौर की व्यापार वार्ता और पेरू के साथ आठवें दौर की बातचीत करेगा। भारत और चिली ने 2006 में एक अधिमान्य व्यापार समझौता (पीटीए) लागू किया था और अब वे एक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के लिए इसके दायरे को बढ़ाने पर बातचीत कर रहे हैं। सीईपीए का उद्देश्य दोनों देशों के बीच मौजूदा पीटीए को आगे बढ़ाना है और इसमें डिजिटल सेवाओं, निवेश बढ़ाने और सहयोग करने,



एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) और महत्वपूर्ण खनिजों सहित क्षेत्रों की एक व्यापक शृंखला को शामिल करना है। भारत और चिली के बीच द्विपक्षीय व्यापार मामूली है। 2024-25 में, चिली को भारत का निर्यात 2.46 प्रतिशत घटकर मात्र 1.15 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया। हालांकि, आयात 72 प्रतिशत बढ़कर 2.60 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। चिली को भारत का सबसे बड़ा निर्यात ऑटो और फार्मा है। चिली से सबसे बड़े आयात लगभग 1.58 अरब डॉलर के खनिज हैं। चिली से आयातित अन्य उत्पादों में तांबा और रसायन भी शामिल हैं। चिली एलएसी (लैटिन अमेरिकी देशों) क्षेत्र में भारत का पांचवां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।

0 से 4.44 करोड़... कॉर्पोरेट करियर छोड़ यहां लगा दिया दिमाग

नई दिल्ली, एजेंसी।
यह कहानी है दीपक सभरवाल की। वह दिल्ली के रहने वाले हैं। उन्होंने बेहद सफल और आकर्षक कॉर्पोरेट करियर छोड़कर ऑर्गेनिक फार्मिंग को अपनाया। उनका एग्रीकल्चर का कोई बैकग्राउंड नहीं था। यानी इसमें उनकी शून्य से शुरुआत हुई। दिल्ली यूनिवर्सिटी से बीकॉम,आईसीएमए और एमबीए की डिग्री वाले दीपक ने टाटा, पेप्सी और जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) जैसी दिग्गज कंपनियों में दो दशकों से ज्यादा समय तक काम किया। लेकिन, नियति उन्हें कॉरपोरेट मीटिंग्स और पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन (पीपीटी) से दूर राजस्थान के पुष्कर में अरावली की पहाड़ियों के बीच ले गई। वहां

वो टर्निंग पॉइंट जिसने बदल दी जिंदगी



उनकी कुछ खेती थी। आज वह अर्थी टेल्स ऑर्गेनकि के संस्थापक और सीईओ हैं। यह देश में केमिकल मुक्त खेती और प्रोसेसिंग के लिए काम कर रही है। आइए, यहां दीपक सभरवाल की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। दीपक के इस जुनून को स्थायी मिशन में बदलने के पीछे एक गहरा भावनात्मक और नैतिक झटका था। पुष्कर के खेत पर काम करते समय उन्होंने एक कीटनाशक के डिब्बे पर बड़े अक्षरों में जहर लिखा देखा। उन्हें एहसास हुआ कि वह मिट्टी में जहर मिला रहे थे। इस जहर में उगाई गई उपज अंत में किसी के घर पहुंच रही थी। इसी बीच, उनकी मां को कैंसर का पता चला। इससे दीपक पूरी तरह टूट गए। इन दोनों घटनाओं ने उनके मन में भोजन और स्वास्थ्य के बीच के बिगड़े हुए संबंध को स्पष्ट कर दिया। इसी अनुभव ने उन्हें 2017 में 20 साल के कॉर्पोरेट करियर को छोड़ने और दिसंबर 2018 में अपनी कंपनी की नींव रखने के लिए प्रेरित किया।

लाइफ का टर्निंग पॉइंट

दीपक सभरवाल का कॉर्पोरेट जगत को छोड़ने का फैसला अचानक नहीं था। अलबत्ता, यह एक सहज आकर्षण का नतीजा था। 2012 में जीई में काम करते हुए उनका ध्यान पुष्कर, राजस्थान में अरावली रेंज की तलहटी में स्थित अपनी हरी-भरी जमीन की ओर गया। इस जगह से उन्हें गहरा लगाव हो गया और उन्होंने वहां कुछ करने का फैसला किया। यह उनकी लाइफ का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। अगले दो साल तक वह अपनी प प्रतिशती सोनल के साथ हर वीकेंड दिल्ली से पुष्कर तक 420 किलोमीटर की लंबी बस यात्रा करते थे।

जसप्रीत बुमराह ओवल में खेलते तो खत्म हो जाता करियर, मोहम्मद सिराज का दावा



नई दिल्ली, एजेंसी। जसप्रीत बुमराह को साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पीठ में दिक्कत हो गई थी। इसके कारण वह कुछ समय तक मैदान से दूर रहे। वह चैंपियंस ट्रॉफी में नहीं खेल पाए। आईपीएल 2025 में 12 मैच खेले। इंग्लैंड दौरे पर केवल 3 टेस्ट खेले। एशिया कप में भारत की विजयी अभियान का हिस्सा रहे। वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में भी वह भारतीय टीम का हिस्सा हैं। इंग्लैंड दौरे पर 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत के दिग्गज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह केवल 3 मैच खेले थे। बुमराह के वर्कलोड मैनेजमेंट को लेकर काफी बहस हुई थी। खासकर तब जब ओवल में आखिरी टेस्ट से पहले भारत 1-2 से पीछे चल रहा था। बुमराह इस मैच में न खेलने के अलावा स्क्वाड से रिलीज हो गए थे। इसके बाद बुमराह की काफी आलोचना हुई और कहा गया वह कौन मैच खेलेंगे और कौन सा नहीं खेलेंगे यह चुनने की उन्हें छूट नहीं दी जानी चाहिए।

चैंपियंस ट्रॉफी नहीं खेल पाए थे जसप्रीत बुमराह

जसप्रीत बुमराह को साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पीठ में दिक्कत हो गई थी। इसके कारण वह कुछ समय तक मैदान से दूर रहे। वह चैंपियंस ट्रॉफी में नहीं खेल पाए। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में शुरुआत कुछ मुकाबले में नहीं खेलने के बाद मुंबई इंडियंस को 12 मुकाबलों में जसप्रीत बुमराह की सेवाएं मिलीं। इसके बाद इंग्लैंड दौरे पर वह केवल 3 टेस्ट खेले। फिर एशिया कप में भारत की विजयी अभियान का हिस्सा रहे।

सिराज ने क्या कहा

बुमराह भाई बाहरी राय की परवाह नहीं करते। उनकी पीठ में गंभीर चोट थी और एक बड़ी सर्जरी भी हुई थी। अगर उन्होंने उस मैच में गेंदबाजी की होती और चोट उभर जाती तो क्या पता वह फिर कभी दोबारा गेंदबाजी कर पाते या नहीं। यह इतनी गंभीर है। वह चोट बहुत गंभीर है।

उनका गेंदबाजी एक्शन बहुत मुश्किल है। वह भारत के लिए एक महत्वपूर्ण गेंदबाज हैं और एशिया कप से लेकर अगले साल होने वाले विश्व कप तक उनकी उपलब्धता बहुत महत्वपूर्ण है। भारतीय प्रशंसकों को यह समझना चाहिए कि वह टीम की रीढ़ हैं और निश्चिंत रहें कि जब भी संभव होगा वह जरूर खेलेंगे। जस्सी भाई ने एकदम सही फैसला लिया।

महिला विश्व कप

पाकिस्तान पर जीत के बाद हरमनप्रीत कौर ने पिच को लेकर किया बड़ा खुलासा

कोलंबो, एजेंसी। भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने महिला एकदिवसीय विश्वकप 2025 में लगातार दूसरी दर्ज करने के बाद कहा कि पिच बल्लेबाजी के लिए आसान नहीं थी। पाकिस्तान को 88 रनों से हराने के बाद हरमनप्रीत ने कहा, सच कहूं तो बल्लेबाजी करने के लिए पिच आसान नहीं थी। हम बस लंबे समय तक खेलना चाहते थे और देखना चाहते थे कि कितने रन बन सकते हैं। जब हमने यहां मई में त्रिकोणीय सीरीज खेली थी, तब पिचें अलग थीं। लेकिन पिछले दो दिनों की बारिश के कारण पिच थोडा रुक रही थी। मुख्य बात यह थी कि अंत तक विकेट बचाकर रखें, ताकि योजनाओं को लागू किया जा सकें। उन्होंने कहा, सुधार करने के लिए बहुत से क्षेत्र हैं लेकिन अभी मैं खुश हूं कि हम ये मैच जीते। हम बस उसी गति से आगे बढ़ना चाहते हैं। अब हम भारत लौटेंगे, जहां हमें पता है कि पिचें कैसी होंगी। देखते हैं कि हम कौन सा सबसे अच्छा कॉम्बिनेशन बना सकते हैं और कैसे रोज थोा-थोडा बेहतर हो सकते हैं। श्रीलंका के खिलाफ पहले मैच की तरह ही भारत की निचली क्रम की बल्लेबाजी ने टीम को बचाया और चुनौतीपूर्ण स्कोर खडा किया। बल्लेबाजी के दौरान भारत लय पाने के लिए संघर्ष करता रहा। एक समय भारत का स्कोर 203 रन पर 7 विकेट था और टीम ऑलआउट होने की कगार पर थी, लेकिन ऋचा घोष के नाबाद 35 रन (20 गेंद) ने स्कोर को 247 तक पहुंचा दिया। इसके बाद तेज गेंदबाज क्रांति गौड ने शुरुआती विकेट लिए। फिर बाकी का बचा काम दीप्ति शर्मा और स्नेह राणा ने किया। गौड को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने शुरुआती 10 ओवरों में ही दो विकेट लेकर पाकिस्तान को पीछे धकेल दिया। गौड ने बहुत तेज गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए नई गेंद को इधर-उधर घुमाया और पिच से मिलने वाली उछाल से बल्लेबाजो को परेशान किया। भारत का क्षेत्ररक्षण निराशाजनक रहा। उन्होंने चार कैच छोडे, जिनमें से तीन पाकिस्तान की शीर्ष स्कोरर सिदरा अमीन के थे। अब भारत अपने अगले दो मैच दक्षिण अफ्रीका से नौ अक्टूबर और ऑस्ट्रेलिया से 12 अक्टूबर को विशाखापट्टनम में भिडेगा।



भारतीय महिला टीम की शानदार जीत के बाद इरफान पठान ने उड़ाया पाकिस्तान का मजाक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने क्रिकेट के मैदान पर पाकिस्तान के खिलाफ अपना दबदबा बरकरार रखा और हरमनप्रीत कौर और उनकी टीम ने रविवार को महिला वनडे विश्व कप मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर 88 रनों से जीत दर्ज की। इस जीत के बाद भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने पाकिस्तान का मजाब उड़ाया है। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 247 रनों का स्कोर बनाया, जिसमें हरलीन देओल ने सर्वाधिक 46 रन बनाए। बाद में भारत ने पाकिस्तान को 159 रनों पर ढेर कर दिया जिसमें क्रांति गौड़ और दीप्ति शर्मा ने तीन-तीन विकेट लिए। इस शानदार जीत के बाद पठान ने ङ्क (पहले ट्विटर) पर किसी का नाम लिए बिना लिखा, बस एक और रविवार, खाओ, सोओ, जीतो, दोहराओ, टीम इंडिया। गौर हो कि हाल ही में संपन्न एशिया कप में भारतीय पुरुष टीम ने पाकिस्तान को तीन बार हराया था।



पहला ग्रुप स्टेज मैच 14 सितंबर को खेला गया, उसके बाद 21 सितंबर को सुपर फोर और फिर 28 सितंबर को फाइनल मैच में मात दी। महिला टीम की जीत के साथ भारत ने एक महीने के भीतर पाकिस्तान पर 4 बार जीत दर्ज की। हालांकि अकेले महिला टीम की बात करें तो इस जीत के बाद उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 12-0 का रिकॉर्ड कर दिया है। हरमनप्रीत ने मैच के बाद कहा, बहुत खुशी की बात है, हम सभी के लिए बहुत महत्वपूर्ण मैच और मुझे यकीन है कि घर पर भी सभी खुश होंगे। सच कहूं तो, इस पिच पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं था। हम बस ज्यादा देर तक बल्लेबाजी करना चाहते थे और देखना चाहते थे कि हम कितने रन बना सकते हैं। जब हम मई में त्रिकोणीय सीरीज में यहां खेले थे, तब पिचें अलग थीं। लेकिन पिछले दो दिनों से हो रही बारिश के कारण पिच पर थोड़ी पकड़ थी। सबसे जरूरी था कि हम अंत तक विकेट बचाकर रखें ताकि हम अच्छा प्रदर्शन कर सकें। टीम इंडिया अब गुरुवार को विशाखापत्तनम में अपने अगले महिला वनडे विश्व कप मैच में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत का प्रदर्शन

- 22 पदक, 30 से ज्यादा पर्सनल बेस्ट, 9 स्पर्धाओं में चौथा स्थान, 7 एशियाई और 3 वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 की पदक तालिका में मेजबान भारत भले ही 10वें नंबर पर रहा, लेकिन उसने अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। भारत ने 22 मेडल झटके। भारत के 6 एथलीटों ने स्वर्ण, 9 ने रजत और 7 ने कांस्य पदक झटका। भारत के 30 से ज्यादा एथलीटों ने अपना पर्सनल बेस्ट (सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन) परफॉर्मेंस दिया। 9 खिलाड़ी चौथे स्थान पर रहे। 7 खिलाड़ियों ने एशिया का रिकॉर्ड अपने नाम किया। 3 एथलीटों ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप रविवार (5 अक्टूबर) को संपन्न हुआ। मेजबान भारत कुल 22 पदकों के साथ पदक तालिका में दसवें स्थान पर रहा।

आखिरी दिन चार पदक जीतने के बावजूद तालिका में स्थान के लिहाज से यह उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं रहा। भारत का तालिका के लिहाज से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पिछले संस्करण में कोबे में रहा था।

वह कुल 17 पदकों के साथ छठे स्थान पर रहा था।

आखिरी दिन इन देशों से पिछड़ा भारत

आखिरी दिन से पहले कोलंबिया, ग्रेट ब्रिटेन, नीदरलैंड, इटली, स्विट्जरलैंड और थाईलैंड के साथ भारत संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर था, जिनके पास छह-छह स्वर्ण पदक थे।

हालांकि, शीर्ष पांच में जगह बनाने की होड़ में ईरान ने तीन स्वर्ण पदक जीते और तीसरे स्थान पर रहा।

नीदरलैंड और पोलैंड ने क्रमश : दो और तीन स्वर्ण पदक जीतकर शीर्ष पांच में जगह बनाई, जबकि कोलंबिया, ग्रेट ब्रिटेन और इटली ने एक-एक स्वर्ण पदक जीतकर भारत को दसवें स्थान पर धकेल दिया।



विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भारत के लिए पदक विजेता

स्वर्ण

सिमरन शर्मा - महिला 100 मीटर टी12।
शैलेश कुमार - पुरुष ऊंची कूद टी63।
रिंकू हुड्डा - पुरुष भाला फेंक एफ46।
सुमित अंतिल -पुरुष भाला फेंक एफ64।
संदीप सर्गर - पुरुष भाला फेंक एफ44।
निषाद कुमार - पुरुष ऊंची कूद टी47।

रजत पदक

सिमरन शर्मा- महिला 200 मीटर टी12।
प्रीति पाल- महिला 200 मीटर टी35।
एकता भयान- महिला क्लब थ्रो एफ51।
दीप्ति जीवनजी- महिला 400 मीटर टी20।
नवदीप सिंह- पुरुष भाला फेंक एफ41।
धरमबीर नैन- पुरुष क्लब थ्रो एफ51।
संदीप- पुरुष भाला फेंक एफ44।
योगेश कथुनिया- पुरुष डिस्कस थ्रो एफ56।● सुंदर सिंह गुर्जर- पुरुष भाला फेंक एफ46।

कांस्य पदक

संदीप - पुरुष 200 मीटर टी44
सोमन राणा - पुरुष गोला फेंक एफ57
प्रवीण कुमार - पुरुष ऊंची कूद टी64
प्रीति पाल - महिला 200 मीटर टी35
प्रदीप कुमार -पुरुष चक्का फेंक एफ44
अतुल कौशिक - पुरुष चक्का फेंक एफ57
वरुण सिंह भाटी - पुरुष ऊंची कूद टी63

तीन चैंपियनशिप रिकॉर्ड

भारत ने इस चैंपियनशिप में तीन चैंपियनशिप रिकॉर्ड बनाए। दो बार के पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने एफ64 वर्ग में 71.37 मीटर भाला फेंककर चैंपियनशिप रिकॉर्ड बनाया। बहु-राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत के पहले स्वर्ण पदक विजेता शैलेश कुमार ने पुरुषों की ऊंची कूद टी42 स्पर्धा में 1.91 मीटर की छलांग लगाकर एक नया रिकॉर्ड बनाया। पहली बार विश्व चैंपियन बने रिंकू हुड्डा ने पुरुषों की भाला एफ46 स्पर्धा में 66.37 मीटर की दूरी तय करके चैंपियनशिप रिकॉर्ड बनाया। भारतीय पैरा एथलीटों ने इस आयोजन में 30 व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी किए।

फुटबॉल

लेवानदॉस्की की चूक से बार्सिलोना को मिली हार, पुलिसिच की गलती से रुका मिलान का जीत का सिलसिला

लंदन, एजेंसी। स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा में रविवार का दिन बार्सिलोना के लिए निराशाजनक रहा। टीम को सेविला के खिलाफ 1-4 की करारी हार झेलनी पड़ी, जो उसकी लगातार दूसरी हार है। इससे पहले बार्सिलोना को चैंपियंस लीग में पेरिस सेंट-जर्मेन (क्वस्त्र) के हाथों शिकस्त झेलनी पड़ी थी। इस मुकाबले में रॉबर्ट लेवानदॉस्की के पास पेनल्टी के जरिए गोल करने का शानदार मौका था, लेकिन वह गोल पोस्ट को भेद नहीं सके। उनके शॉट को सेविला के गोलकीपर ने बेहतरीन तरीके से रोक लिया, जिससे टीम के वापसी के मौके लगभग खत्म हो गए। मैच के दौरान टीम के युवा स्टार लेमिन यमाल चोटिल होकर मैदान से बाहर हो गए, जिससे जावी की टीम के लिए मुश्किलें और बढ़ गईं। इस हार के साथ बार्सिलोना अंक तालिका में पिछड़ गई है,



जबकि रियल मैड्रिड ने शीर्ष स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। रियल मैड्रिड ने शनिवार को विलारीयाल को 3-1 से हराकर दो अंकों की बढ़त बना ली है। बार्सिलोना, जो इस मैच से पहले तक अजेय थी, अब अंतरराष्ट्रीय ब्रेक से पहले अपनी रणनीति पर गंभीर समीक्षा करेगी।

पुलिसिच की पेनल्टी मिस से रुक गया मिलान का जीत का सिलसिला- इटली की सिरी ए लीग में भी रविवार को कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला जब एसी मिलान को यूवेंटस के खिलाफ 1-1 के ड्रॉ पर रुकना पड़ा। इस मैच में स्टार अमेरिकी खिलाड़ी क्रिस्टियन पुलिसिच ने पेनल्टी का मौका गंवा दिया। पुलिसिच, जिन्होंने इस सीजन में मिलान के लिए छह गोल दागे और दो असिस्ट किए हैं, ने मैच के अहम क्षण में गोल करने का मौका खो दिया। उनका शॉट क्रॉसबार के ऊपर से चला गया और टीम को जीत से वंचित कर दिया। यह पुलिसिच के पेशेवर करियर का केवल दूसरा मौका था जब वे पेनल्टी को गोल में नहीं बदल सके।

- अंक तालिका में फिसली मिलान, नेपोली और रोमा ने जीते मुकाबले- इस ड्रॉ के साथ एसी मिलान की लगातार पांच जीतों की लड़ी टूट गई है। टीम अब तीसरे स्थान पर खिसक गई है और नेपोली व रोमा से दो अंक पीछे है, जिन्होंने अपने मुकाबले जीतकर शीर्ष की दौड़ में जगह बनाए रखी है। नेपोली ने एक गोल से पिछड़ने के बाद जिनोआ को 2-1 से हराया, जबकि रोमा ने भी फायोरेंटिना को 2-1 से मात दी।

वनडे में 477 रन से जीती टीम, इस खिलाड़ी ने 97 गेंदों में 217 रन बनाकर उडाया गर्दा



नई दिल्ली, एजेंसी। वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे बडा स्कोर 498 रन का है, लेकिन करीब इसके बराबर के अंतर से तो एक टीम 50 ओवरों का क्रिकेट मैच जीत गई. जानिए ये मैच कहां हुआ और जो टीम जीती तो उसने रन कितने ज्यादा बनाए थे.

वनडे इंटरनेशनल में जितना एक टीम का स्कोर नहीं बनता, उससे ज्यादा के अंतर से टीम ने मैच जीता. हालांकि ये अंतर्राष्ट्रीय वनडे क्रिकेट में नहीं हुआ, लेकिन जिस मैच की बात कर रहे हैं उसमे बल्लेबाज ने शॉट मार-माकर गेंदबाजों का बुरा हाल कर दिया. एक ही बल्लेबाज ने 217 रनों की पारी खेली. ये हाई स्कोरिंग मुकाबला 50 ओवरों वाले मलेशियन मेंस अंडर 19 इंटर स्टेट चैंपियनशिप में देखने को मिला. ये मैच पुत्राजया 19 बनाम सालेनगोर 19 था. पहले



सालेनगोर 19 ने कितने रन बनाएड

आपके मन में सवाल होगा कि कितने रन सालेनगोर ने बनाए जो वो 477 रनों से जीती. बता दें कि पहले बल्लेबाजी करते हुए सालेनगोर कि टीम ने 500 से ज्यादा रन बनाए, टीम ने 50 ओवरों में 6 विकेट खोकर 564 रन बनाए. इतने बडे स्कोर में मुहम्मद अकरम नाम के बल्लेबाज की बडी भूमिका रही, जिन्होंने दोहरा शतक ठोका.

मुहम्मद अकरम ने बनाए 217 रन- अकरम ने 217 रनों की पारी सिर्फ 97 गेंदों में खेली. उनकी इस विस्फोटक पारी के कारण ही सालेनगोर 19 टीम 564 रन बना पाई. जबकि विरोधी टीम के सभी बल्लेबाज मिलकर भी 100 रन नहीं बना पाए.

विशाखापत्तनम स्टेडियम में मिताली राज और रवि कल्पना के नाम पर होंगे स्टैंड

विशाखापत्तनम । एसीए-वीडीसीए विशाखापत्तनम क्रिकेट स्टेडियम में दो स्टैंड का नाम भारत की दिग्गज महिला क्रिकेटर मिताली राज और रवि कल्पना के नाम पर रखा जाएगा। इन स्टैंड के उद्घाटन समारोह का आयोजन 12 अक्टूबर को भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच महिला वर्ल्ड कप मैच के साथ किया जाएगा। आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश के साथ अगस्त 2025 में ब्रेकिंग बाउंड्रीज कार्यक्रम में भारत की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना के अनुरोध के बाद यह फैसला लिया गया है। सोमवार को जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि स्मृति मंधाना की अपील पर अमल करते हुए, मंत्री नारा लोकेश ने तुरंत आंध्र क्रिकेट संघ से परामर्श किया, जिसके परिणामस्वरूप विशाखापत्तनम स्टेडियम में महिला क्रिकेट की महान हस्तियों के नाम पर स्टैंड का नामकरण करके उन्हें सम्मानित करने का फैसला लिया गया है। मंत्री नारा लोकेश ने कहा, स्मृति मंधाना के विचारशील सुझाव ने व्यापक जनभावना को छुआ है। इस विचार को तत्काल अमल में लाना लैंगिक समानता और महिला क्रिकेट के अग्रदूतों को सम्मान देने के प्रति हमारे सामूहिक समर्पण को दर्शाता है। आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच से पहले 12 अक्टूबर को मिताली राज स्टैंड और रवि कल्पना स्टैंड का उद्घाटन करेगा। स्टैंड का नाम बदलने से महिला क्रिकेटर्स को सम्मानित करने के साथ खेल में उनके योगदान पर भी प्रकाश डाला जाएगा। इससे देश की बच्चियों को महिला क्रिकेट को एक पेशे के रूप में अपनाने की प्रेरणा भी मिलेगी।



हिकारू नाकामुरा ने डी गुकेश का किंग दर्शकों में फेंका, ट्रोल हुआ अमेरिकी खिलाड़ी, FIDE ने भी आलोचना की

नई दिल्ली, एजेंसी। शतरंज रविवार 5 अक्टूबर 2025 को एक नए विवाद में फंस गया, जब दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा ने टेक्सास के ई-स्पोर्ट्स एरिना अर्लिंग्टन में एक प्रदर्शनी मैच में विश्व चैंपियन डी गुकेश को हराने के बाद उनका किंग दर्शकों के बीच फेंक दिया। प्रदर्शनी मुकाबले में टीम यूएसए ने भारतीय टीम को हराया था। भारतीय टीम में गुकेश, अर्जुन एरिगैसी और दिव्या देशमुख जैसे दिग्गज खिलाड़ी थे, लेकिन वे नाकामुरा, फैबियानो कारुआना और कारिसा यिप वाली टीम के खिलाफ 0-5 से हार गए।



डी गुकेश के साथ हुआ क्याड

इस मुकाबले का सबसे बड़ा मुद्दा नाकामुरा द्वारा गुकेश के किंग को दर्शकों के बीच फेंकना था, जिसके बारे में यूट्यूबर लेवी रोजमैन (जिन्हें गोथम शतरंज के नाम से जाना जाता है) जैसे अन्य खिलाड़ियों ने बताया कि खेल के आयोजकों ने ही खिलाड़ियों को ऐसा करने का सुझाव दिया था।

उर्वशी रौतेला से लेकर पूनम पांडे तक, इन सेलेब्स के आउटफिट्स और अदाओं ने फैंस का खींचा ध्यान

इन दिनों मुंबई में एक फैशन इवेंट का आयोजन किया जा रहा है। इसमें आज रविवार के दिन उर्वशी रौतेला, पूनम पांडे से लेकर एलनाज नौरोजी जैसे तमाम सलेब्स ने हिस्सा लिया। उनके रैंप वॉक के वीडियोज सोशल मीडिया पर सामने आए हैं। सपनों के शहर मुंबई में एक फैशन इवेंट चल रहा है, जहां कई सेलेब्स जलवा बिखेरते नजर आ रहे हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर कुछ वीडियोज वायरल हो रहे हैं। इसमें उर्वशी रौतेला, पूनम पांडे जैसे सेलेब्स खूबसूरत आउटफिट्स में रैंप वॉक करते दिख रहे हैं। इनकी अदाएं और ड्रेस नेटिजंस का ध्यान खींच रही हैं।



परी बन उर्वशी ने बिखेरा जलवा

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने रेड और व्हाइट कलर की ड्रेस पहन रखी है। साथ ही उन्होंने दो पंख भी लगा रखे हैं, जो उन्हें परी वाला लुक दे रहा है। फुल कॉन्फिडेंस के साथ वो रैंप वॉक करती नजर आ रही हैं।



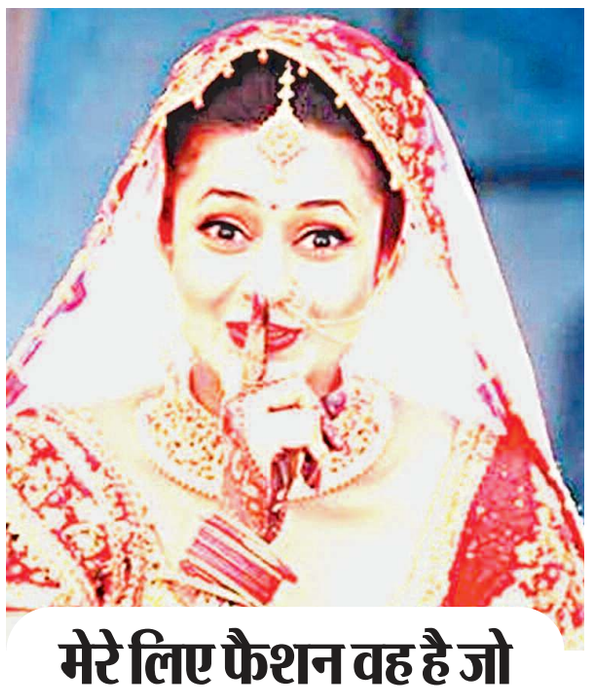
लॉरेन गॉटलिब ने लगाए ठुमके

लॉरेन गॉटलिब अमेरिकन डांसर और एक्ट्रेस हैं। उन्होंने डिजाइनर ड्रेस पहन रखी है। लॉरेन ने स्टेज पर आते ही क्यूट मूमेंट्स दिए और हलके-फुलके ठुमके भी लगाए, जो नेटिजंस को ध्यान खींच रहा है।



पूनम पांडे की अदाओं ने खींचा ध्यान

मॉडल और अभिनेत्री पूनम पांडे ने डार्क और लाइट पर्पल कलर की ड्रेस पहन रखी है। इस वीडियो में उनकी अदाएं दर्शकों को आकर्षित कर रही है।



मेरे लिए फैशन वह है जो आरामदायक हो: दिव्यांका त्रिपाठी

मुंबई में इन दिनों बॉम्बे टाइम्स फैशन वीक 2025 चल रहा है। इसमें बॉलीवुड और टीवी की कई मशहूर हस्तियों ने हिस्सा लिया। यहां लोकप्रिय अभिनेत्री दिव्यंका त्रिपाठी दहिया भी दिखाई दीं। उन्होंने बातचीत में फैशन और ब्रांड्स पर अपने विचार साझा किए। इस दौरान अभिनेत्री ने बताया कि उनके लिए फैशन का क्या मतलब है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह ब्रैंड के प्रति ज्यादा लगाव रखती हैं, तो दिव्यंका ने कहा, नहीं, मैं ब्रैंड पर ज्यादा ध्यान नहीं देती। मैं अपनी पसंद की चीजें लेना पसंद करती हूं, चाहे उनका ब्रांड कुछ भी हो। अगर वह मुझे पसंद आती है, तो वह अधिक महत्वपूर्ण है। जो मुझे सूट करता है और जो मुझे पसंद है, मैं वही चुनती हूं, चाहे उसका ब्रांड कुछ भी हो। उनके लिए फैशन के क्या मायने हैं, इस बारे में आगे बात करते हुए दिव्यंका ने आईएएनएस को बताया, मेरे लिए फैशन वह सब कुछ है जो आरामदायक हो। हां, यह आंखों को भाने वाला होना चाहिए, लेकिन सबसे जरूरी बात यह है कि यह मेरे लिए आरामदायक होना चाहिए। जो भी चीज आरामदायक होने के साथ-साथ आकर्षक भी हो, वह फैशन है, चाहे वह सादा हो या शानदार।

दिव्यांका त्रिपाठी अक्सर सार्वजनिक कार्यक्रमों में भारतीय परिधानों में दिखाई देती हैं। उनके फैशन सेंस का लोग जमकर तारीफ करते हैं। वह पारंपरिक और आधुनिक दोनों तरह के परिधानों को अच्छी तरह से कैरी करती दिखाई देती हैं। दिव्यांका को टीवी सीरियल बनू मैं तेरी दुल्हन से प्रसिद्धि मिली। इसके बाद वो सीरियल ये है मोहब्बतें में डॉ. इशिता भल्ला की भूमिका निभाकर लोगों के दिलों में बस गईं। यह भारतीय टीवी सीरियल्स के लोकप्रिय पात्रों में से एक है। फैंस उन्हें प्यार से 'इशिमा' भी कहते हैं, जो शो में उनकी ऑनस्क्रीन बेटी उन्हें कहकर बुलाती है। दिव्यांका ने 2016 में अभिनेता विवेक दहिया से शादी की। यह कपल अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैंस को फिटनेस और कपल गोल्स की प्रेरणा देता दिखाई देता है। यह कपल टीवी जगत की पसंदीदा जोड़ियों में से एक है।

फिल्म बरसात से शुरू किया था करियर

बॉबी देओल को सिनेमा में पूरे हुए 30 साल



बॉबी देओल को सिनेमा में आज 6 अक्तूबर को पूरे 30 साल हो गए हैं। अपनी इस खुशखबरी को बॉबी ने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है। साथ ही बताया कि अभी तो सिर्फ उन्होंने शुरुआत की है। बॉबी देओल को हिंदी सिनेमा में आज सोमवार 6 अक्तूबर, 2025 को पूरे 30 साल हो गए हैं। इस खुशी में बॉबी ने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी फिल्म एनिमल, बरसात,गुप्त, सोल्जर, हमराज के अलावा अपनी सीरीज आश्रम और द बैड्स ऑफ बॉलीवुड के कई शानदार वीडियो और तस्वीरों का कोलाज शेयर किया।

बॉबी का पोस्ट

बॉबी देओल ने आज इंस्टाग्राम पर अपनी कई फिल्मों और सीरीज का एक शानदार कोलाज शेयर किया, जिसकी शुरुआत उन्होंने फिल्म एनिमल में अपने लुक से की। इस शानदार कोलाज के साथ बॉबी ने कैप्शन में लिखा, स्क्रीन पर और स्क्रीन के बाहर 30 वर्षों की अनेक भावनाएं... आपके प्यार ने सभी को सार्थक बना दिया। वह आग अभी भी जल रही है और मैं अभी शुरुआत कर रहा हूं।

बॉबी को सेलेब्स ने दी शुभकामनाएं

बॉबी देओल को सिनेमा में पूरे 30 साल होने पर कई सेलेब्स और फैंस ने भी बधाई दी है। प्रतीक स्मिता पाटिल ने फायर के साथ किंग क्राउन का इमोजी शेयर किया है। वहीं एक्टर सिकंदर खेन ने लिखा, बॉबी को ढेर सारी बधाइयां, निर्देशक नीरज शर्मा ने लिखा, मेरे हीरो भाई को ढेर सारा प्यार, एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने लिखा, बधाई हो लॉर्ड बॉबी। यह तो बस शुरुआत है। आपको ढेर सारा प्यार। वहीं बॉबी के कई फैंस ने भी उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में 30 साल पूरे होने पर ढेर सारी शुभकामनाएं दी हैं।

बॉबी का करियर

बॉबी देओल को सिनेमा में काम करते हुए पूरे 30 साल हो गए हैं। उन्होंने साल 1995 में फिल्म बरसात से अपने करियर की शुरुआत की थी। बरसात के बाद बॉबी ने गुप्त, सोल्जर, बादल, बिच्छू, अजनबी और हमराज जैसी कई सफल फिल्मों और हालिया रिलीज सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में मुख्य भूमिकाएं निभाई। बहरहाल, मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अब बॉबी फिल्म अल्फा में नजर आएंगे।

सोनम ने बहन रिया के पति करण को दीं

जन्मदिन की शुभकामनाएं

अभिनेत्री सोनम कपूर ने बहन रिया कपूर के पति करण बुलानी को बेटे वायु का बेस्ट अंकल बताया है। जानिए सोनम ने करण के लिए और क्या कुछ लिखा? सोनम कपूर ने बहन रिया कपूर के पति करण बुलानी के जन्मदिन पर एक खास पोस्ट के जरिए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। सोनम ने करण को बेटे वायु का पसंदीदा कहानीकार और फनी अंकल (मौसा) बताया है। एक्ट्रेस ने करण और वायु की एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की है।



सोनम ने शेयर की करण-वायु की तस्वीर

सोनम कपूर ने इंस्टाग्राम पर वायु और करण की छुट्टियों की एक तस्वीर साझा की। तस्वीर में दोनों एक गद्देदार लकड़ी की बेंच पर बैठे हैं। करण एक लाइन वाली शर्ट और गहरे रंग के शॉर्ट्स पहने हुए एक कैजुअल लुक में नजर आ रहे हैं। जबकि वायु एक रंगीन टोपी, एक नेवी ब्लू टॉप और शॉर्ट्स में बहुत प्यारे लग रहे हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए सोनम ने कैप्शन में लिखा, 'वायु के पसंदीदा कहानीकार, दोस्त और सबसे फनी मौसा को जन्मदिन की शुभकामनाएं। करण हम सब तुमसे बहुत प्यार करते हैं।'

मुकेश खन्ना पर भड़के रजत बेदी, राकेश रोशन संग रिश्ते पर दी सफाई; बोले- मेरे बयान को गलत पेश किया

सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड से कमबैक करने वाले एक्टर रजत बेदी ने हाल ही में एक इंटरव्यू में मुकेश खन्ना को लेकर अपना गुस्सा जाहिर किया है। क्या है पूरा मामला, चलिए जानते हैं। बॉलीवुड अभिनेता रजत बेदी ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपने उस वायरल बयान पर खुलकर बात की, जिसमें उन्होंने कनाडा जाने को लेकर कहा था। रजत बेदी ने साफ कहा कि उनके पुराने इंटरव्यू को मुकेश खन्ना ने गलत तरीके से पेश किया, जिससे उनकी छवि को नुकसान पहुंचा। दरअसल कुछ समय पहले सोशल मीडिया पर रजत बेदी का एक पुराना इंटरव्यू खूब वायरल हुआ था, जिसमें उन्होंने कहा था कि फिल्म 'कोई मिल गया' के बाद वो कनाडा चले गए थे। रजत के इंटरव्यू के बाद ऐसी अटकलें लगी थीं कि उन्हें फिल्म के प्रमोशन से अलग कर दिया गया था और इस वजह से उन्होंने देश छोड़ने का फैसला किया। लेकिन अब रजत बेदी ने सिद्धार्थ कनन के साथ इंटरव्यू में खुद सामने आकर इस पर सफाई दी है।





कहो न कहो की धुन पर मल्लिका शेरावत फैंस संग थिरकी

अभिनेत्री मल्लिका शेरावत ने हाल ही में एक कार्यक्रम में शिरकत की, जहां उनके सुपरहिट गाने कहो न कहो ने माहौल को जोशपूर्ण बना दिया। इस मौके पर मल्लिका के फैंस और होस्ट गाने को गाते और झूमते नजर आए। अभिनेत्री ने इस खास पल का वीडियो पोस्ट किया। मल्लिका ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें होस्ट पहले कहो न कहो गाना गाता है, जिसके साथ मल्लिका और उनके फैंस उत्साह के साथ थिरकने लगते हैं। होस्ट ने भीड़ को और जोश दिलाते हुए सभी को इस गाने को पूरे उत्साह के साथ गाने के लिए प्रेरित किया। माहौल इतना जीवंत था कि पूरा स्टेडियम एक साथ नाचता-गाता दिखाई दिया।

मल्लिका ने इस वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, जब मेरे फैंस मेरे साथ कहो ना कहो गाने पर झूमते हैं, तो बहुत अच्छा लगता है। वो जोश, वो प्यार, वो मस्तीज पूरा स्टेडियम जैसे साथ नाच रहा हो। आपका प्यार ही है जो मुझे आगे बढ़ने की ताकत देता है, हमेशा। कहो न कहो गाना साल 2004 में रिलीज हुई फिल्म मर्डर का है। इस गाने को आमिर जमाल ने गाया है, जबकि इसके बोल सैय्यद कादरी ने लिखे और संगीत अनु मलिक ने तैयार किया। अनुराग बसु के निर्देशन में बनी इस फिल्म में मल्लिका शेरावत और इमरान हाशमी ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं। यह फिल्म इमरान हाशमी के करियर की पहली हिट फिल्म मानी जाती है, जिसने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। फिल्म का निर्माण मुकेश भट्ट ने किया था, और यह उस समय की सुपरहिट थ्रिलर फिल्मों में से एक थी।

मल्लिका ने मर्डर, ख्वाहिशें, बचकर रहना रे बाबा, डर्टी पॉलिटिक्स, गुरु, वेलकम, प्यार के साइड इफेक्ट्स, डबल धमाल, और जीनत जैसी कई शानदार फिल्में दीं। इसी के साथ वह हॉलीवुड फिल्म द मिथ, पॉलिटिक्स ऑफ लव, और टाइम रेडर्स में भी नजर आ चुकी हैं।



मलाइका के साथ

नया शो लेकर आ रहे करण जौहर

निर्माता-निर्देशक करण जौहर अब एक नया शो लेकर आ रहे हैं। इस बार इस शो में उनके साथ अभिनेत्री व मॉडल मलाइका अरोड़ा, कॉस्ट्यूम डिजाइन मनीष मल्होत्रा भी नजर आएंगे। यह शो फैशन से संबंधित है, जहां फैशन स्टार्टअप शुरू करने वाले एंटरप्रेन्योर अपने आइडिया लेकर शो में आएंगे। जानिए कब से और कहां देख सकेंगे ये शो?

20 अक्तूबर से आएगा शो

करण जौहर, मलाइका अरोड़ा और मनीष मल्होत्रा फैशन से जुड़ा नया शो 'पिच टू गेट रिच' लेकर आ रहे हैं। शो का फॉर्मेट शॉर्क टैंक जैसा ही है। बस यहां सिर्फ फैशन स्टार्टअप से जुड़े लोग अपने आइडिया लेकर आ सकते हैं। वो पैनल को अपने आइडिया पिच करेंगे यानी सुनाएंगे और अपने स्टार्टअप के बारे में बताएंगे। जिसके बाद ये जज और गेस्ट उसमें पैसा लगाएंगे। शो के ट्रेलर को शेयर करते हुए करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'जब फैशन के संस्थापक अमीर बनने के लिए पिच करते हैं, तो कचिंग-कचिंग तो लाजमी है। हॉटस्टार स्पेशल्स, 'पिच टू गेट रिच' 20 अक्तूबर से सिर्फ जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम करगा।'

शो में नजर आएंगे कई सितारे

शो के ट्रेलर में करण, मलाइका और मनीष मल्होत्रा के अलावा भी कई बॉलीवुड सेलेब्स नजर आ रहे हैं। इनमें सारा अली खान, सैफ अली खान, अक्षय कुमार और अनन्या पांडे जैसे सितारे नजर आ रहे हैं। इस शो में फैशन से जुड़े कपड़ों से लेकर जूते-चप्पल, सैंडल, पर्स और हैंड बैग्स भी शामिल हैं।

'टॉक्सिक' में काम करने पर उत्साहित हैं अक्षय ओबेरॉय, यश को बताया 'वन मैन इंडस्ट्री'

अभिनेता अक्षय ओबेरॉय हाल ही में फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में नजर आए हैं। यह फिल्म इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। अब अक्षय ने फिल्म 'टॉक्सिक' में साउथ सुपरस्टार यश के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात की। साथ ही उन्होंने नेशनल अवॉर्ड विनर फिल्म मेकर्स के साथ काम करने का अपना अनुभव भी साझा किया।



खास हैं निर्देशक गीतू मोहनदास

बातचीत के दौरान अक्षय ओबेरॉय ने फिल्म 'टॉक्सिक' का हिस्सा होन पर खुशी जताई। साथ ही काम करने के अपने अनुभवों को भी साझा किया। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी फिल्म में काम करने का मौका मिलने के अलावा मुझे निर्देशक गीतू मोहनदास के साथ काम करके बहुत अच्छा लगा। मुझे उनकी पिछली फिल्में भी बहुत पसंद आई हैं। मुझे लगता है कि वह मेरी पसंदीदा निर्देशकों में से एक हैं, जिनके साथ मैंने अब तक काम किया है। वह मुझसे ऐसे तरीके से बात करती हैं जैसा कोई और निर्देशक नहीं कर पाता। वह लोगों से शानदार अभिनय करवा लेती हैं। एक राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता के साथ काम करना पहले से ही एक यादगार अनुभव था। अक्षय ने बताया कि टॉक्सिक की सबसे बड़ी उपलब्धि यश के साथ काम करने का मौका था। पूरी दुनिया यश की प्रशंसक है। उनके साथ काम करके, मैंने इतना कुछ सीखा कि मुझे एहसास हुआ कि मुझमें क्या कमी थी।

ऋतिक ने वॉर 2 में काम करने को लेकर बोले

पिछले महीने ऋतिक रोशन की फिल्म वॉर 2 रिलीज हुई। फिल्म की काफी तारीफ हुई। इसे बॉक्स ऑफिस पर मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला। इस फिल्म की पहली किस्त वॉर को रिलीज हुए 6 साल पूरे हो गए हैं। ऐसे में ऋतिक रोशन ने सोशल मीडिया पर फिल्म वॉर 2 की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं और एक पोस्ट लिखी है। ऋतिक रोशन ने अपनी फिल्म वॉर 2 के कुछ दृश्य इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए पोस्ट में लिखा कबीर का किरदार निभाना बहुत अच्छा था। क्योंकि मैं उन्हें पहले से जानता था। उनका किरदार निभाना आसान था। यह एक ऐसी फिल्म थी जो मैं भी कर सकता था। जैसे कई और करते हैं। यह बिल्कुल इसी तरह था जैसे अभिनेता का किरदार निभाएं, अपना काम करें और घर आ जाएं। मैंने भी वैसा ही किया। मेरे निर्देशक अयान ने मेरा बहुत साथ दिया। सेट पर वह बहुत एक्टिव रहे। सब कुछ एकदम बढ़िया था। मानो यह सब होना ही था।



साभार एजेंसी